

दिल्ली राजपत्र Delhi Gazette



सत्यमेव जयते

असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 177]

दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 23, 2012/कार्तिक 1, 1934

[रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 171

No. 177]

DELHI, TUESDAY, OCTOBER 23, 2012/KARTIKA 1, 1934

[N.C.T.D. No. 171

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र, दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

पर्यावरण विभाग

अधिसूचनाएं

दिल्ली, 23 अक्तूबर, 2012

फा. सं. 8(86)/ईए/पर्या./2008/4852.—जबकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 48-क अन्य बातों के साथ-साथ विचार करता है कि राज्य पर्यावरण के बचाव के लिये प्रयत्न करेगा;

और जब कि दिल्ली सरकार ने पर्यावरण तथा स्थानीय परिवेश पर प्लास्टिक की थैलियों के प्रतिकूल प्रभावों पर विचार करने के उपरांत यह अनुभव किया कि प्लास्टिक की थैलियां लापरवाही से इधर-उधर फेंक दी जाती हैं और इसका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

और जब कि यह पाया गया है कि प्लास्टिक की थैलियां गटरों, मल निकास प्रणाली तथा नालों में बाधा भी उत्पन्न करती हैं। इससे गंभीर पर्यावरणीय तथा जन स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

और जब कि पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित गृह मंत्रालय, भारत सरकार की दिनांक 10 सितम्बर, 1992 की अधिसूचना संख्या एस ओ 667 (ई) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिसूचना का एक प्रारूप राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा 20 सितम्बर, 2011 को सं० फा. 8(86) ई.ए./पर्या./2008/20485 के अनुसार राजपत्र में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना की प्रकाशन तिथि से साठ दिन के भीतर उक्त अधिसूचना के संबंध में जनसाधारण से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और जब कि उक्त प्रारूप की अधिसूचना संबंधी जनता से प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर सरकार द्वारा विचार किया गया है।

अतः अब पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित गृह मंत्रालय, भारत सरकार की दिनांक 10 सितम्बर 1992 की अधिसूचना संख्या एस.ओ. 667 (ई) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सरकार की दिनांक 7 जनवरी, 2009 की अधिसूचना संख्या सं० फा०८(८६) / ईए / पर्या. / 2008 / 9473 के अधिक्रमण में, ऐसे अधिक्रमण से पूर्व कृत्यों की गई बातों या हटाए गए के सिवाय सरकार इसके द्वारा निम्नलिखित निदेश जारी करती है, अर्थात् :-

निदेश :-

1. किसी दुकानदार, विक्रेता, थोक विक्रेता या खुदरा विक्रेता, फेरीवालों या रेहड़ीवालों (अर्थात् जिसमें सभी प्रकार के हाथ से धकेलने वाले ठेले शामिल हैं जो सभी प्रकार की वस्तुओं को बेचने के लिये प्रयुक्त किए जाते हैं) सहित कोई भी व्यक्ति किसी खादय पदार्थ या अखादय सामान या सामग्री / वस्तु के भण्डारण या वितरण के लिये किसी प्रकार की प्लास्टिक की थैलियों का विक्रय या भण्डारण या प्रयोग नहीं करेगा;
2. कोई भी व्यक्ति समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में किसी प्रकार की प्लास्टिक की थैलियाँ (जिसमें पॉली प्रोपलीन, व न बुने हुए फैब्रिक प्रकार की प्लास्टिक की थैलियाँ शामिल हैं) का विनिर्माण, आयात, भण्डारण, विक्रय या ढुलाई नहीं करेगा।
3. कोई भी व्यक्ति किसी पुस्तक जिसमें पत्रिका और निमंत्रण पत्र और स्वागत - पत्र शामिल हैं, को बांधने या ढकने के लिये किसी प्रकार के प्लास्टिक कवर या प्लास्टिक शीट या प्लास्टिक फिल्म या प्लास्टिक ट्यूब का प्रयोग नहीं करेगा।

अपवाद

इस अधिसूचना के अन्तर्गत जारी निदेश जैव चिकित्सीय कूड़ा कर्कट (प्रबन्धन और संभाल) नियमावली, 1998 के अन्तर्गत यथाविनिर्दिष्ट प्लास्टिक थैलियों के प्रयोग पर प्रभाव नहीं डालेगा।

व्याख्या :

इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ "प्लास्टिक की थैलियों" का वही अर्थ होगा जैसा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी प्लास्टिक कूड़ा कर्कट (प्रबन्धन तथा संभाल) नियमावली, 2011 में परिभाषित है, जो निम्न रूप में उद्धृत किया जाता है:-

"प्लास्टिक की थैलियों" का अर्थ किसी प्रकार की प्लास्टिक सामग्री से निर्मित, वस्तुओं को ले जाने या वितरण के प्रयोजन के लिये प्रयुक्त लेकिन इसमें वे थैलियाँ शामिल नहीं हैं, जो पैकेजिंग का भाग या हिस्सा बनती हैं या इसका अभिन्न अंग है, जिसमें प्रयोग से पूर्व वस्तुएं सीलबन्द की जाती हैं।

प्राधिकृत अधिकारी

निम्नलिखित अधिकारियों के एतद् द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में इस अधिसूचना को क्रियान्वित करने के लिये प्राधिकृत किया जाता है, अर्थात्:-

1. सदस्य सचिव, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डी.पी.सी.सी.) तथा सहायक पर्यावरण अभियंता तथा उच्च स्तर के अधिकारी।

2. निदेशक (पर्यावरण), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार तथा वैज्ञानिक और उच्च स्तर के अधिकारी ।
3. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उप-मंडल मजिस्ट्रेट का अपने अधिकार क्षेत्र में ।
4. संबंधित स्थानीय निकायों अर्थात् नई दिल्ली नगर पालिका परिषद, दिल्ली नगर निगम तथा दिल्ली छावनी बोर्ड के सहायक सफाई निरीक्षक, सामान्य लाइसेंसिंग निरीक्षक एवं दिल्ली नगर निगम के जन स्वास्थ्य निरीक्षक तथा इन सभी से उच्च पदासोन संवर्गीय अधिकारी ।
5. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के संबंधित क्षेत्र के खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी ।
6. निदेशक, स्वास्थ्य सेवा या उसके द्वारा मनोनीत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के चिकित्सा अधिकारी ।
7. श्रम विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के श्रम निरीक्षक तथा उच्च का अपने अधिकार क्षेत्र में ।
8. खाद्य अपमिश्रण निवारण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के खाद्य निरीक्षक एवं उच्च का अपने अधिकार क्षेत्र में ।

मानिट्रिंग :

सदस्य सचिव (डीपीसीसी) अपने निर्देशों का समस्त क्रियान्वयन तथा मानिट्रिंग सुनिश्चित करेंगे । अध्यक्ष तथा सदस्य सचिव (डीपीसीसी) तथा संबंधित क्षेत्र / अधिकार क्षेत्र वाले उप मंडलीय मजिस्ट्रेट पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन शिकायत दर्ज करवाने के लिए प्राधिकृत है । ऐसी शक्तियाँ पहले अद्यतन संशोधित अधिसूचना सं. एस.ओ.349 (इ) दिनांक 16 अप्रैल, 1987 द्वारा प्राप्त हैं ।

प्रवर्तन :

यह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से तीस दिन बाद लागू होगी तथा इस अधिसूचना के लागू होने की तिथि से इस सरकार की दिनांक 7.1.2009 की अधिसूचना सं० फा. 08(86)/इए/पर्या०/08/9473 के अधीन दायर शिकायतें/निपटाई गई तथा लम्बित शिकायतों की सीमा तक, इस अधिक्रमण से पहले किये गए कार्यों या लोप कार्यों को छोड़कर, अधिक्रमित हो जाएंगी ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,
संजीव कुमार, सचिव (पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव)

**DEPARTMENT OF ENVIRONMENT
NOTIFICATIONS**

Delhi, the 23rd October, 2012

F. No. 8(86)/EA/Env/2008/4852.— Whereas, article 48-A of the Constitution of India, inter-alia envisages that the State shall endeavour to protect the environment;

And whereas, the Government of Delhi after considering the adverse effects of plastic carry bags on the environment and local ecology, felt that plastic carry bags are littered about irresponsibly and have detrimental effect on the environment;

And whereas, it is observed that the plastic carry bags also cause blockage of gutters, sewerage system and drains thereby resulting in serious environmental and public health related problems.

And whereas, a draft notification, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), read with Government of India, Ministry of Home Affairs, Notification No. S.O. 667 (E) dated the 10th September, 1992 read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986 was published in the Gazette vide F8(86)/EA/Env/2008/20485 Dated 20th September, 2011, by the Government of National Capital Territory of Delhi, inviting objections and suggestions from general public with respect to the said notification within sixty days from the date of the publication of the said notification;

And whereas, the objections and suggestions received from the public with respect to the said draft notification have been considered by the Government.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), read with Government of India, Ministry of Home Affairs, Notification No. S.O. 667 (E) dated the 10th September, 1992 read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment

(Protection) Rules, 1986, and in supersession of this Government's notification No.F(8)(86)/EA/ENV/2008/9473 dated 7th January, 2009, except the acts and things done or omitted to be done before such supersession, the Government, hereby issues the following directions namely :-

Directions:-

1. No person including a shopkeeper, vendor, wholesaler or retailer, trader, hawker or rehriwala (i.e., which shall include all kinds of hand pushed/pulled carts which are used to sell various commodities), shall sell or store or use any kind of plastic carry bags for storing or dispensing of any eatable or non-eatable goods or materials.
2. No person shall manufacture, import, store, sell or transport any kinds of plastic carry bags (including that of Poly Propylene, Non-woven fabric type carry bags) in the whole of National Capital Territory of Delhi.
3. No person shall use any kind of plastic cover or plastic sheet or plastic film or plastic tube to pack or cover any book including magazine, and invitation card or greeting card.

Exception:

The direction issued under this notification, shall not affect the use of plastic carry bags as specified under the Bio-Medical Waste (Management and Handling) Rules, 1998.

Explanation:

For the purpose of this Notification " plastic carry bags" shall have the same meaning as defined in the Plastic Waste (Management and Handling) Rules, 2011 issued by Government of India, Ministry of Environment and Forests, which is reproduced as below:-

"Carry bags" mean bags made from any plastic material, used for the

purpose of carrying or dispensing commodities but do not include bags that constitute or form an integral part of the packaging in which goods are sealed prior to use.

Authorized Officers:

The following officers are hereby authorized to implement this Notification in their respective jurisdiction, namely:-

1. Member Secretary, Delhi Pollution Control Committee (DPCC) and Officers at the level of Assistant Environmental Engineer and above.
2. Director (Environment), Government of National Capital Territory of Delhi, and officers at the level of scientist and above.
3. Sub-Divisional Magistrates of Government of National Capital Territory of Delhi in their respective jurisdiction.
4. Assistant Sanitary Inspectors and above, Health Inspectors and above, General Licensing Inspectors and above of the respective local bodies namely, New Delhi Municipal Council (NDMC), Municipal Corporations of Delhi (MCDs) and Delhi Cantonment Board (DCB) and Public Health Inspectors of MCDs.
5. Food and Supply Officers, of the respective area of Government of National Capital Territory of Delhi.
6. Director, Health Services or the Medical officers of Government of National Capital Territory of Delhi nominated by him.
7. Labour Inspectors and above of the Labour Department, Government of National Capital Territory of Delhi in their respective jurisdiction.
8. Food Inspectors and above of the Prevention of Food Adulteration Department (PFA) of the Government of National Capital Territory of Delhi in their respective jurisdiction.

Monitoring:

The Member Secretary, (Delhi Pollution Control Committee) shall ensure over all monitoring and implementation of these directions.

The Chairman and Member Secretary (DPCC) and the Sub-Divisional Magistrates of the respective area/ jurisdiction are authorized to file complaint under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986, as already empowered vide Notification no. S.O. 349 (E) dated 16th April, 1987 as amended up to date.

Enforcement:

This notification shall come into force with effect from thirty days from the date of publication in the official Gazette and the notification of this Government No. F.08(86)/EA/Env./08/9473 dated 07.01.2009 shall be superseded from the date of enforcement of this notification, except in supersession of the things done or omitted to be done before such supersession, to the extent that complaint cases filed/ sided under the previous notification and pending.

By Order and in the Name of Lt. Governor
of National Capital Territory of Delhi,

SANJIV KUMAR, Secy. (Environment, Forests and Wildlife)

पत्रांक सं. एफ. 1(138)पर्या./प्रशा./2012/4840-4849.—चेयरमैन, संघ लोक सेवा आयोग की अध्यक्षता में गठित विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश के अनुपालन एवं तत्पश्चात राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के उपराज्यपाल के अनुमोदन से श्रीमती निगम अग्रवाल (जन्म तिथि - 16-10-1975) को वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (पर्यावरण), पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार (ग्रुप 'ए', राजपत्रित, सामान्य केंद्रीय सेवा) के वेतनमान (पे बैंड- III, रु. 15600-39100/-, ग्रेड पे - रु. 6600/-) में तुरंत प्रभाव से पदोन्नत एवं नियुक्त किया जाता है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,
देवेन्द्र शर्मा, उप-सचिव (पर्यावरण विभाग)

No. F. 1(138)/Env./Estt./2012/4840-4849.—Consequent upon the recommendations of the Departmental Promotion Committee headed by Chairman/ Member, UPSC and subsequent to the approval of Hon'ble Lt. Governor, GNCT of Delhi, Mrs. Nigam Agarwal (D.O.B. 16/10/1975) is hereby promoted and appointed to the post of Senior Scientific Officer (Environment) under Department of Environment, Govt. of NCT of Delhi, Group – A, Gazetted, General Central Services, in the pay scale of PB-III, Rs. 15600-39100 + GP Rs. 6600/-, with immediate effect.

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of National Capital Territory of Delhi,
DEVENDRA SHARMA, Dy. Secy. (Environment)

व्यापार एवं कर विभाग

(नीति शाखा)

अधिसूचना

दिल्ली, 23 अक्टूबर, 2012

सं. एफ. 7(433)/नीति-II/वैट/2012/785-795.—मैं प्रशान्त गोयल, आयुक्त, मूल्य संबंधित कर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली मूल्य संबंधित कर अधिनियम, 2004 की धारा 70 की उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) के अंतर्गत मुझे प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 05.09.2012 को जारी अधिसूचना सं0फा0 7(433)/नीति-II/वैट/2012/585-595 और इसके बाद जारी अधिसूचना सं0फा0 7(433)/नीति-II/वैट/2012/676-686 दिनांक 28.09.2012 और सं0फा0 7(433)/नीति-II/वैट/2012/767-777 दिनांक 12.10.2012, जो कि प्रपत्र टी-2 में दी जाने वाली सूचना से संबंधित हैं, में आंशिक आशोधन करते हुए निर्देश देता हूँ कि यह अधिसूचना अब दिनांक 01 जनवरी, 2013 से प्रभावी होगी।

प्रशान्त गोयल, आयुक्त, मूल्य संबंधित कर

DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

NOTIFICATION

Delhi, the 23rd October, 2012

No. F. 7(43)/Policy-II/VAT/2012/785-795.—I, Prashant Goyal, Commissioner, Value Added Tax, Government of National Capital Territory of Delhi, in exercise of the powers conferred on me under Sub-section (1) read with Sub-section (3) of Section 70 of Delhi Value Added Tax

Act, 2004, hereby direct that Notification No.F.7(433)/Policy-II/VAT/2012/585-595 dated 05.09.2012 and subsequent notifications No.F.7(433)/Policy-II/VAT/2012/676-686 dated 28.09.2012 and No.F.7(433)/Policy-II/VAT/2012/767-777 dated 12.10.2012, regarding submission of information in Form T-2, shall in partial modification to the said notifications, come into force with effect from the 01st January, 2013.

PRASHANT GOYAL, Commissioner, Value Added Tax

पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 23 अक्तूबर, 2012

सं. फा. 2/856/पर्य./12/3135.—गृह मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या यू-11030/5/76-यू.टी.एल. दिनांक 24 फरवरी, 1987 के साथ पठित सार्वजनिक परिसर (अनधिवृत्त अधिभोगी का निष्कासन) अधिनियम, 1971 (1971 का अधिनियम 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद्द्वारा नीचे तालिका के कॉलम 1 में उल्लिखित अधिकारी को, सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संबंधित निगमित अधिकरण के समकक्ष पद होने के नाते उक्त अधिनियम के उद्देश्य से सम्पदा अधिकारी नियुक्त करते हैं जो उक्त तालिका के कॉलम 2 में संबंधित प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सार्वजनिक परिसर के विषय में अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा सौंप गए कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

तालिका

अधिकारी का पदनाम	अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमा और सार्वजनिक परिसर की श्रेणियाँ
1	2
मुख्य प्रबंधक (विधि) दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम लिमिटेड	दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम लिमिटेड से संबंधित एवं अधिकारी क्षेत्र के अंतर्गत परिसर

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,
अजय कुमार सिंगला, विशेष सचिव (पर्यटन)

DEPARTMENT OF TOURISM

NOTIFICATION

Delhi, the 23rd October, 2012

F. No. 2/856/TSM/12/3135.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorized Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) read with the Government of India, Ministry of Home Affairs Notification No. U-11030/5/76-UTL dated the 24th February, 1987, the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi hereby appoints the officer mentioned in column 1 of the table below, being Gazetted Officer of Government or Officer of equivalent rank of the Corporate Authority concerned to be Estate Officer for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on him/her by or under the said Act within the local limit of his/her respective jurisdiction in respect of Public Premises specified in the corresponding entry in column 2 of the said table.

TABLE

Designation of Officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
Chief Manager (Legal) Delhi Tourism and Transportation Development Corporation Ltd.	Premises belonging and under jurisdiction of Delhi Tourism and Transportation Development Corporation Ltd. (DTTDC)

By Order and in the Name of Lt. Governor
of National Capital Territory of Delhi,

AJAY KUMAR SINGLA, Spl. Secy. (Tourism)

शहरी विकास विभाग

अधिसूचनाएं

दिल्ली, 23 अक्टूबर, 2012

फा. सं. 4/1/2008/श.वि./13394.—नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का अधिनियम 44) की धारा 388 की उपधारा (1) में विविध मामलों से संबंधित जे. उपनियम शीर्ष के अंतर्गत उस अधिनियम की धारा-391 के अन्तर्गत अपेक्षित अनुसार पूर्व प्रकाशन के उपरान्त तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के पूर्व अनुमोदन से परिषद् की प्रस्ताव संख्या 12(एन-4) दिनांक 31.3.08. के द्वारा न.दि.न.पा. परिषद् द्वारा बनाये गए न.दि.न.पा. परिषद् (सार्वजनिक पार्क, उद्यान अथवा मनोरंजन स्थल) उपनियम, 2012 के नाम से निम्नलिखित उप-नियम एतद्द्वारा सामान्य सूचनार्थ निम्नप्रकार प्रकाशित किये जाते हैं :-

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होने की तिथि: (1) इन उपनियमों को "नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (सार्वजनिक पार्क, उद्यान अथवा मनोरंजन स्थल) उपनियम, 2012" कहा जाए।

(2) ये उपनियम अनुसूची क्रमशः 1, 2 तथा 3 में सूचीबद्ध सभी सार्वजनिक पार्कों, उद्यानों तथा मनोरंजन स्थलों हेतु लागू होंगे।

बशर्ते परिषद् अध्यक्ष समय-समय पर किसी भी अनुसूची में संशोधन परिवर्तन, जोड़ना, हटाना अथवा प्रतिस्थापन को आदेश द्वारा लिखित में कारणों के साथ रिकार्ड किया जाए।

बशर्ते पुनः ऐसा प्रत्येक आदेश परिषद् में प्रस्तुत किया जाए, जो आदेश में कोई संशोधन करे अथवा पारित करे कि आदेश नहीं किया जाना चाहिये, तथा आदेश तत्पश्चात् ऐसे संशोधित रूप में होगा अथवा प्रभावी नहीं होगा, जैसा भी परिषद् द्वारा पारित किया जाये, तथापि आदेश के अन्तर्गत कुछ भी पूर्व में किया गया है उसकी वैधता बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले ऐसा संशोधन अथवा अमान्य होगा।

3. ये उपनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. परिभाषाएँ:- (1) इन उपनियमों में, जब तक अन्यथा अपेक्षित न हो:-

(क) "अधिनियम" से तात्पर्य नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम 44) है।

(ख) "सार्वजनिक पार्क" में उद्यान तथा मनोरंजन स्थल सम्मिलित है तथा

(ग) "अनुसूची" से तात्पर्य इन उपनियमों के साथ संलग्न एक अनुसूची से है।

(2) अधिनियम में जिन शब्दों और अभिव्यक्तियों का प्रयोग किया गया है एवं उन्हें यहाँ परिभाषित नहीं किया गया है, जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न होगा उनका वही तात्पर्य होगा, जैसाकि, अधिनियम में दिया गया है।

3. सार्वजनिक पार्कों को खुला रखा जाए :- चारदिवारी से घिरे सार्वजनिक पार्कों को अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर उल्लेखित समय के दौरान जन साधारण के लिए खुला रखा जाए तथा इसको प्रवेश स्थल पर उल्लेख किया जायेगा। बशर्ते परिषद् अध्यक्ष की पूर्व लिखित अनुमति से किसी दिन सार्वजनिक पार्क में बशर्ते कोई सार्वजनिक

अथवा राज्य सरकार का कार्यक्रम, समारोह अथवा समान प्रवृत्ति की गतिविधियाँ आयोजित होती हैं, तो अनुमति में उल्लेखित समय के दौरान पार्क को जनसाधारण के लिए बंद कर दिया जाए तथा इसका प्रवेश द्वार पर उल्लेख किया जाये।

4. प्रवेश अथवा निकास :- किसी सार्वजनिक पार्क से प्रवेश अथवा निकास इस प्रयोजन हेतु बनाये गये खुले स्थान को छोड़कर निषिद्ध है ।
 5. छोटा रास्ता (शॉर्ट कट) - घास के ऊपर से चलते हुये छोटा मार्ग का उपयोग निषिद्ध है।
 6. साइकिल सवारी- सार्वजनिक पार्क में चिन्हित साइकिल-पथ को छोड़कर किसी अन्य स्थल पर साइकिल नहीं चलाई जाएगी।
 7. बैठकों आदि का आयोजन - (1) बशर्ते कि उप-उपनियम (2) के आधार पर सार्वजनिक बैठकें, प्रदर्शनियाँ, शोभायात्राएँ, किसी भी प्रकार के संगठित समूहों (विवाह के कार्यक्रम/समारोह अथवा किसी अन्य प्रकार का सामाजिक कार्यक्रम सहित) आयोजन वर्जनीय है ।
 - (2) किसी सार्वजनिक पार्क में अध्यक्ष से लिखित में अनुमति प्राप्त करने के पश्चात् तथा अध्यक्ष द्वारा समय-2 पर निर्धारित किए गए शुल्क के भुगतान पर निजी सामाजिक कार्यक्रम जैसे- विवाह के कार्यक्रम, पार्टी, स्वागत समारोह, अथवा अन्य कोई समारोह इत्यादि अथवा संगीत कार्यक्रम आदि सहित अन्य कोई सार्वजनिक कार्यक्रम अथवा राज्य का कार्यक्रम इस उद्देश्य हेतु चिन्हित क्षेत्र में इस उद्देश्य हेतु चिन्हित क्षेत्र में आयोजित किया जा सकता है।
- बशर्ते कि विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों/समारोहों हेतु शुल्क की विभिन्न राशि निर्धारित की जाए । सभी संबंधित तथ्यों पर विचार करने के पश्चात् जैसे- एकत्रित होने वाले व्यक्तियों की संभावित संख्या, सार्वजनिक पार्क अथवा सम्पत्ति, में समेकित नुकसान, सफाई ध्वनि प्रदूषण, यदि कोई हो, इत्यादि में प्रत्येक प्रकार के कार्यक्रम/समारोह को विभिन्न श्रेणियों में बांटा गया तथा ऐसी प्रत्येक श्रेणी हेतु शुल्क की भिन्न-भिन्न राशियाँ निर्धारित की जाएं।

8. **फिल्मों की शूटिंग तथा नाटकों का मंचन :** (1) कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक पार्क में अध्यक्ष से लिखित में अनुमति प्राप्त करने तथा अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर निर्धारित की गई ऐसी दरों के भुगतान के बिना किसी फिल्म की शूटिंग अथवा नाटक का मंचन नहीं करेगा।

(2) अध्यक्ष अपने आदेश द्वारा विभिन्न तथ्यों, यथा- जन कल्याण, शैक्षणिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, आध्यात्मिक अथवा फिल्म अथवा नाटक के कलात्मक मूल्यों, जैसा भी मामला हो, को दृष्टिगत रखते हुए फिल्मों अथवा नाटकों इत्यादि की विभिन्न प्रकृति हेतु प्रति घंटा अथवा उसके भाग हेतु, दरें निर्धारित करें।

टिप्पणी:- अध्यक्ष द्वारा प्रदान की गई अनुमति तथा उपनियम 3 के प्रावधान, उपनियम 7 के उप-उपनियम 2 के प्रावधान, उपनियम 8 के उप-उपनियम (1) तथा उपनियम 17 के उप-उपनियम (2) में संदर्भित को ऐसे नियमों एवं शर्तों के आधार पर किया जाए जैसाकि इसके लिए उनमें उल्लेख किया गया है।

9. **मोटर वाहनों की अनुमति न दी जाए :-** (1) कोई भी व्यक्ति अध्यक्ष द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों पर एवं इस उद्देश्य हेतु चिन्हित सड़क को छोड़कर किसी सार्वजनिक पार्क में कोई वाहन नहीं लाएगा, जैसाकि मोटर वाहन अधिनियम 1988 (1988 का अधि० 59) में परिभाषित है।

(2) बिना मोटर के वाहन किसी परिचर के पर्यवेक्षण में जोकि विकलांगों की सुविधा हेतु वाहनों से तात्पर्य बच्चों हेतु जैसे बच्चों को टहलाने वाली गाड़ी, वृद्ध व्यक्तियों आदि हेतु असक्षम व्यक्तियों, बच्चों अथवा वृद्ध व्यक्तियों को उठाने के लिए उपयोग की जा सकती है।

10. **पशुओं को अनुमति न दी जाए :** (1) किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक पार्क में पशुओं को लाने की अनुमति नहीं होगी :-

बशर्त - कुत्ता, बिल्ली आदि जैसे किसी पालतू पशु को जो चैन द्वारा विधिवत रूप में बांधा गया हो, इस प्रयोजन हेतु चिन्हित क्षेत्र में अध्यक्ष द्वारा समय समय पर विनिर्दिष्ट समय में अंदर लाने की अनुमति है जिसकी सूचना प्रवेश द्वार पर लगाई जाएगी।

(2) कोई व्यक्ति सार्वजनिक पार्क में यदि अपने पालतू पशु जैसे की कुत्ते, बिल्ली आदि को लाता है तो वह अपने साथ कूड़ेदान भी रखेगा ताकि उसके द्वारा मल-त्याग करने की स्थिति में कूड़ेदान में वह उसे उठायेगा या उठाने की व्यवस्था करेगा।

(3) किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक पार्क के भीतर किसी पशु या पक्षी को चारा/दाना खिलाने की अनुमति न होगी।

11. **फूलों आदि को तोड़ना :-** फूलों को तोड़ना, अथवा फूलों की क्यारियों को नुकसान पहुँचाना पौधों के पत्ते अथवा किसी भवन, स्मारक, वृक्ष, घासी मैदान, बाड़, बैरियर, रेलिंग, बैठने अथवा खेलने के उपकरण, बैंच, रैक, सूचनापट्ट, झूला अथवा इसी प्रकार का कोई अन्य सामान, को क्षतिग्रस्त करना, परिषद् में विहित अध्यक्ष द्वारा प्राधिकृत के अलावा, निषिद्ध है।

12. नहाना, धोना, मछली पकड़ना, खाना पकाना, इत्यादि :-

(1) कोई भी व्यक्ति किसी टैंक जलाशय तालाब, हौज अथवा एक सार्वजनिक पार्क में जल संचयन हेतु निर्मित अन्य वस्तु में स्नान नहीं करेगा अथवा ऐसे जल से कपड़े धोना, बर्तन अथवा समान प्रकृति के कार्य नहीं करेगा ।

(2) कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई काम नहीं करेगा, जिससे जल में दुर्गंध अथवा प्रदूषण का कारण अथवा कारण होने की संभावना होती है ।

(3) कोई व्यक्ति इस पानी में मछली नहीं पकड़ेगा ।

(4) सार्वजनिक पार्क में आग जलाना अथवा खाना व अन्य खाद्य पदार्थ पकाने की अनुमति नहीं होगी ।

13. पेड़ों की क्षति, पत्तियों आदि को जलाने इत्यादि के कारण - (1) अध्यक्ष की लिखित अनुमति के बिना तथा अनुमति में निर्दिष्ट नियम एवं शर्तों के आधार पर लिया है। किसी भी व्यक्ति अथवा एजेंसी के द्वारा सार्वजनिक पार्क में पेड़ों के निकट तारों (केबल) को बिछाने, पानी की लाइनों इत्यादि हेतु गद्दा खोदने एवं कंक्रीट डालने की अनुमति नहीं होगी ।

(2) किसी सार्वजनिक पार्क में पत्तियों एवं अन्य कूड़े को जलाना निषेध है।

14. पशुओं तथा वन्य जीवों का संरक्षण : कोई व्यक्ति सार्वजनिक पार्क में किसी जानवर, मछली अथवा पक्षी अथवा सरीसर्प को न तो मारेगा एवं न ही घायल अथवा पिंजरे में डालेगा एवं न ही तंग करेगा ।

15. हॉकिंग (फेरी लगाना) निषेध है : सार्वजनिक पार्क में वेन्डर्स अथवा हॉकर्स (फेरी वाले) को अनुमति नहीं है ।

16. कूड़ा आदि फेंकना- सार्वजनिक पार्क में कहीं भी कूड़ा फेंकना अथवा गंदगी जमा करना, कूड़ा-करकट अथवा अन्य प्रदूषित तथा आपत्तिजनक कार्य करना निषेध है ।

17. खेल खेलना -(1) सार्वजनिक पार्क में चिन्हित क्षेत्र को छोड़कर क्रिकेट, फुटबाल, हॉकी अथवा कोई अन्य आयोजित खेल की अनुमति नहीं है ।

(2) कोई व्यक्ति अध्यक्ष की लिखित अनुमति के बगैर तथा समय-समय पर उसके द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान करने के बगैर उप-उपनियम (1) में संदर्भित खेल के मैदान हेतु निर्दिष्ट क्षेत्र का उपयोग नहीं करेगा ।

18. परेशानीजनक कार्य - कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक पार्क में अधिनियम की धारा 308 की धारा 2 के अनुच्छेद (28) के साथ परिभाषित अनुसार कोई परेशान करने वाला कार्य नहीं करेगा ।

19. उपलब्ध सार्वजनिक पार्कों आदि की सूची :-

(1) निम्नलिखित प्रत्येक दस्तावेज की एक प्रति परिषद् कार्यालय में रखी जाएगी तथा कार्यालय समय के दौरान नई दिल्ली के किसी भी निवासी द्वारा निःशुल्क हेतु उपलब्ध रहेगी। ये दस्तावेज परिषद् की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेंगे :-

(क) सार्वजनिक पार्कों की अद्यतन सूची (अनुसूची-1)

(ख) उद्यानों की अद्यतन सूची (अनुसूची-II)

(ग) मनोरंजन स्थलों की अद्यतन सूची (अनुसूची-III)

(घ) सार्वजनिक पार्कों आदि की एक अद्यतन सूची, जहाँ अध्यक्ष द्वारा संगीत कार्यक्रमों सहित निजी सार्वजनिक कार्यक्रमों अथवा सार्वजनिक अथवा राज्य कार्यक्रमों को इस उद्देश्य हेतु चिन्हित क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजन की अनुमति दी जा सकती है। प्रत्येक कार्यक्रम स्थल की प्रत्येक श्रेणी हेतु प्रभारित की जाने वाली शुल्क दरें भी दी जाए (उपनियम 7 (2))

(ङ.) सार्वजनिक पार्कों आदि की अद्यतन सूची, जहाँ फिल्मों की शूटिंग/नाटकों का मंचन इत्यादि की अनुमति दी जा सकती है तथा इस हेतु शुल्क दरें निर्धारित की गई है (उप-नियम -8)

(च) सार्वजनिक पार्कों आदि की अद्यतन सूची, जहाँ वाहनों के उपयोग हेतु सड़कों को चिन्हित किया गया है तथा ऐसे उपयोग हेतु नियमों एवं शर्तों (उपनियम -9 (1))

(छ) सार्वजनिक पार्कों आदि की अद्यतन सूची, जहाँ खेल के मैदान हेतु चिन्हित क्षेत्र को दर्शाते हुये खेलों की अनुमति है तथा इसके उपयोग निर्धारित शुल्क दरें (उपनियम 17 (2))

(2) आवेदक को इन दस्तावेजों की प्रतियों की निःशुल्क आपूर्ति की जाएगी।

20. दण्ड:

कोई भी व्यक्ति, जो कोई भी उपनियमों के किसी प्रावधानों का उल्लंघन करता है, तो वह किसी अन्य कानूनों के प्रावधानों के साथ-साथ अधिनियम की धारा 390 के प्रावधानों के अनुसार भी दण्डनीय होगा।

अनुसूची-I
उपनियम 1(2)

सार्वजनिक पार्कों की सूची

1. लोदी गार्डन
2. नेहरु पार्क
3. शान्ति पथ
4. क्रिकेट ग्राउण्ड तथा सामाजिक सभारोह हेतु नियत क्षेत्र को छोड़कर तालकटोरा गार्डन
5. सैन्ट्रल पार्क, राजीव चौक
6. संजय झील पार्क, लक्ष्मीबाई नगर
7. नेताजी सुभाष पार्क, नेताजी नगर
8. सिंगापुर राजदूतावास, चाणक्यपुरी के समीप पार्क
9. गुरुद्वारा बंगला साहिब पार्क
10. कालोनियों तथा अन्य पार्क

क्र.सं.	कालोनियाँ तथा अन्य पार्कों
1.	हरिजन बस्ती पंचकुइयाँ रोड पार्क
2.	हनुमान मंदिर, गोल मार्किट
3.	हनुमान रोड पर पार्क
4.	पं. पंत मार्ग तथा बिशम्बर दास मार्ग के जंक्शन पर तिकोना पार्क
5.	रकाबगंज रोड तथा चर्च लेन पर तिकोना पार्क
6.	36-महादेव रोड के पास तिकोना पार्क
7.	रकाबगंज रोड तथा तालकटोरा रोड के जंक्शन पर तिकोना पार्क
8.	रिफ्यूजी मार्किट बाबर रोड के साथ जुड़ा पार्क
9.	टोडरमल रोड पर पार्क
10.	अबुलफजल पार्क पर
11.	तिलक प्रतिमा पार्क
12.	भगवान दास रोड पर तिकोना पार्क
13.	सिकन्दरा रोड पर तिकोना पार्क
14.	टोडरमल लेन में पार्क
15.	काका नगर तिकोना पार्क
16.	गोल्फ कोर्स रोड तिकोना पार्क
17.	पोस्ट ऑफिस गोल्फ लिंक के सामने तिकोना पार्क
18.	कोठी नं० 3 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
19.	154-155 गोल्फ लिंक के पीछे तिकोना पार्क
20.	कोठी नं० 13 गोल्फ लिंक तिकोना पार्क
21.	कोठी नं० 17 गोल्फ लिंक के पीछे तिकोना पार्क
22.	कोठी नं० 19-20 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
23.	20 गोल्फ लिंक के पीछे पार्क

24.	कोठी नं० 141 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
25.	कोठी नं० 132 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
26.	कोठी नं० 155 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
27.	कोठी नं० 119 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
28.	कोठी नं० 166 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
29.	कोठी नं० 110 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
30.	कोठी नं० 174 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
31.	कोठी नं० 104 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
32.	कोठी नं० 190 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
33.	कोठी नं० 90 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
34.	कोठी नं० 202 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
35.	कोठी नं० 75 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
36.	कोठी नं० 211 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
37.	कोठी नं० 52 गोल्फ लिंक के सामने पार्क
38.	एम्बेसडर होटल के पीछे पार्क
39.	खान मार्किट बारात घर के समीप पार्क
40.	पंडारा रोड पर न.दि.न.पा.परिषद् क्वार्टर नं० 40 के सामने
41.	कोठी नं० 223 जोर बाग के सामने पार्क
42.	कोठी नं० 210 जोर बाग के सामने पार्क
43.	कोठी नं० 34 जोर बाग के सामने पार्क
44.	कोठी नं० 47 जोर बाग के सामने पार्क
45.	कोठी नं० 64 जोर बाग के सामने पार्क
46.	कोठी नं० 60 जोर बाग के सामने पार्क
47.	कोठी नं० 107 जोर बाग के सामने पार्क
48.	कोठी नं० 80 जोर बाग के सामने पार्क
49.	कोठी नं० 100 जोर बाग के सामने पार्क
50.	कोठी नं० 110 जोर बाग के सामने पार्क
51.	कोठी नं० 162 जोर बाग के सामने पार्क
52.	कोठी नं० 145 जोर बाग के सामने पार्क
53.	114, जोर बाग के पीछे तिकोना पार्क
54.	जोर बाग मंदिर पर पार्क
55.	कोठी नं० 185 जोर बाग के सामने तिकोना पार्क
56.	वाटर टैंक जोर बाग पर पार्क
57.	सफदरजंग मंदरसा के सामने पार्क
58.	जे-26, बी.के. दत्त कालोनी के सामने पार्क
59.	एच-26, बी.के. दत्त कालोनी के सामने पार्क
60.	के-69, बी.के. दत्त कालोनी के सामने पार्क
61.	डी-65, बी.के. दत्त कालोनी के सामने पार्क
62.	डी-5 बी.के. दत्त कालोनी के सामने पार्क
63.	सी-94, बी.के. दत्त कालोनी के सामने पार्क

64.	पालिका कुंज ई-ब्लाक के सामने पार्क
65.	23 ब्लॉक लोदी कालोनी के सामने तिकोना पार्क
66.	नजफखान रोड पर रेलवे क्वार्टरों के समीप तिकोना पार्क
67.	पालिका निवास, लोदी रोड पर पार्क
68.	डीजीसीए के सामने अरविन्दो मार्ग पर पार्क
69.	डीजीसीए के सामने अरविन्दो मार्ग पर पार्क
70.	230 जोर बाग के पीछे पार्क
71.	वीर सावरकर पार्क लोदी कालोनी
72.	न्यू खन्ना मार्किट पर पार्क
73.	श्री अरविन्दो मार्ग विद्युत सब-स्टेशन के सामने पार्क
74.	अरविन्दो मार्ग तथा लोदी रोड पर तिकोना पार्क
75.	सफदरजंग फ्लाईओवर के समीप तिकोना पार्क
76.	सफदरजंग फ्लाईओवर के समीप सिविल इन्क्वायरी के समीप तिकोना पार्क
77.	तुगलक क्रिसेंट पार्क
78.	तुगलक लेन पर पार्क
79.	33 नं० क्वार्टर न.दि.न.पा.परिषद् के समीप पार्क
80.	बसरकर मार्किट मोती बाग पार्क
81.	बेगम जैदी मार्किट मोती बाग पार्क
82.	भारत पेट्रोलियम पेट्रोल पम्प मोती बाग के समीप पार्क
83.	ए-क्रिसेन्ट पार्क मालचा मार्ग
84.	बी-क्रिसेन्ट पार्क मालचा मार्ग
85.	सी-क्रिसेन्ट पार्क मालचा मार्ग
86.	डी-क्रिसेन्ट पार्क मालचा मार्ग
87.	ई-क्रिसेन्ट पार्क मालचा मार्ग
88.	एफ-क्रिसेन्ट पार्क मालचा मार्ग
89.	एक्स-क्रिसेन्ट पार्क मालचा मार्ग
90.	वाई-क्रिसेन्ट पार्क मालचा मार्ग
91.	कौटिल्य मार्ग से जुड़े ढके नाले पर पार्क
92.	मालचा मार्ग से जुड़े ढके नाले पर पार्क
93.	पालिका मिलन मालचा मार्ग पर पार्क
94.	पालिका आवास मोती बाग पर पार्क
95.	चरक पालिका अस्पताल आवासीय कॉम्प्लेक्स पर पार्क
96.	सिंगापुर राजदूतावास के पास पार्क
97.	माऊण्ट कैरेमल स्कूल के समीप पार्क (मालचा मार्ग मार्किट)
98.	साउथ मार्किट किदवई नगर के समीप पार्क
99.	किदवई नगर मंदिर के सामने पार्क
100.	किदवई नगर मंदिर के पीछे पार्क
101.	सफदरजंग फ्लाई ओवर तिकोना प्लॉट के समीप पार्क
102.	सफदरजंग ब्रिज तिकोना प्लॉट के समीप पार्क
103.	ग्वालियर पोटररी के पास पार्क

104.	ब्रिगेडियर होशियार सिंह रोड पर पिलंजी के समीप पार्क
105.	लक्ष्मीबाई नगर मार्किट के सामने पार्क
106.	लक्ष्मीबाई मार्किट के पीछे पार्क
107.	पालिका आवास के सामने पार्क
108.	टोडरमल स्क्वेयर पार्क
109.	वकील लेन पार्क-1
110.	वकील लेन पार्क-2
111.	रेलवे ट्रैक सत्य सदन (चिल्ड्रन पार्क) के साथ पार्क
112.	इंडिया गेट पर चिल्ड्रन पार्क
113.	सफदरजंग मदरसा पार्क

टिप्पणी : अध्यक्ष समय-समय पर, अभिलिखित कारणों से, आदेश द्वारा, अनुसूची में किसी भी प्रविष्टि में संशोधन, परिवर्तन व परिवर्धन तथा किसी को हटा या प्रतिस्थापित कर सकता है।

अनुसूची -II
(उपनियम 1 (2))
उद्यानों की सूची

1. तालकटोरा गार्डन
2. संजयझील पार्क, लक्ष्मी बाई नगर
3. मोतीलाल नेहरू प्लेस गोल चौराहा
4. विडंसर प्लेस गोल चौराहा
5. निम्नलिखित गोल चौराहे

क्र.सं.	उद्यान (गोल चौराहे)
1.	शान्ति पथ-नीति मार्ग (रेल संग्रहालय के पास)
2.	शान्ति पथ -कौटिल्य मार्ग
3.	शान्ति पथ - पंचशील मार्ग
4.	सत्य मार्ग - शान्ति पथ
5.	रेस कोर्स (इंद्रा स्मृति के पास)
6.	औरंगजेब - तुगलक रोड (तुगलक रोड पुलिस स्टेशन के पास)
7.	औरंगजेब रोड - जनपथ (क्लैरिज होटल के पास)
8.	अकबर रोड - जनपथ (यॉर्क प्लेस)
9.	अकबर रोड - तुगलक रोड (मैथ्यू सर्कल)
10.	अकबर रोड - मानसिंह रोड (उप-राष्ट्रपति आवास के पास)
11.	औरंगजेब रोड -शाहजहाँ रोड (ताज मानसिंह होटल के पास)
12.	सुनहरी बाग रोड -मौलाना आजाद रोड
13.	कृष्णा मैदान तथा के.कामराज मार्ग (सेना भवन)
14.	राजाजी मार्ग
15.	साउथ ब्लॉक (डीआरडीओ के पास)
16.	तीन मूर्ति -मदरटैरेसा रोड (तीनमूर्ति रोड के पास)
17.	न्याय तथा सत्यमार्ग

18.	सत्य तथा नीति मार्ग
19.	विनय तथा सत्य मार्ग
20.	पंचशील नीति मार्ग (अशोक होटल)
21.	पंचशील - न्याय मार्ग
22.	कौटिल्य मार्ग - सम्राट होटल
23.	मदर टैरेसा - बाबा खड़गसिंह मार्ग (राम मनोहर लोहिया अस्पताल के पास)
24.	गार्क स्ट्रीट - मंदिर मार्ग
25.	गोल डाकखाना
26.	पंडित पंत मार्ग (तालकटोरा गार्डन)
27.	कृषि भवन रेल भवन
28.	पटेल चौक
29.	अशोका रोड (आदित्य सदन के पास)
30.	अशोका रोड - जनपथ (विंडसर प्लेस)
31.	नार्थ ब्लॉक
32.	संसद भवन के पास
33.	सी हैक्सगन, इंडिया गेट
34.	अशोक रोड तथा मानसिंह रोड
35.	मंडी हाउस
36.	पूर्वी किरवई नगर (स्मारक को बंद करते हुए)
37.	लक्ष्मी बाई नगर मार्किट
38.	अमृता शेरगिल मार्ग
39.	गोल्फ लिंक कालोनी का गोल चौराहा
40.	नगरपालिका प्राथमिक विद्यालय मोतीबाग
41.	बसुरकर मार्किट के पास मोतीबाग
42.	सी.एस.ओ.आई. के पास कस्तूरबा गांधी मार्ग
43.	अफ्रीका एवेन्यू तथा ब्रिगेडियर होशियार सिंह रोड
44.	आटो वर्कशॉप के पास ब्रिगेडियर होशियार सिंह रोड
45.	नेताजी मार्ग मार्किट
46.	नेताजी नगर कालोनी
47.	रोज गार्डन के पीछे घाना राजदूतावास (एड. हिलेरी लेन)
48.	कुवैत राजदूतावास (तेन्जिंग लेन)
49.	तीस जनवरी लेन दक्षिण
50.	तीस जनवरी लेन उत्तरी
51.	केनिंग लेन
52.	टाइप -5 फ्लैटों के पास लक्ष्मी बाई नगर में लक्ष्मी बाई मार्ग
53.	डाक्टर्स लेन

टिप्पणी : अध्यक्ष समय-समय पर, अभिलिखित कारणों से, आदेश द्वारा, अनुसूची में किसी भी प्रविष्टि में संशोधन, परिवर्तन, व परिवर्धन तथा किसी को हटा या प्रतिस्थापित कर सकता है ।

अनुसूची -III
(उपनियम -1 (2))
मनोरंजन स्थलों की सूची

क्र.सं.	नाम
1.	संजयझील पार्क
2.	चिल्ड्रन पार्क, इंडिया गेट
3.	तालकटोरा गार्डन में क्रिकेट ग्राउन्ड, सामाजिक कार्यक्रम/विवाह स्थल
4.	सैट्रल पार्क, कनाट प्लेस
5.	नेताजीनगर में पालिका भवन पार्क
6.	सैट्रल पार्क, लोदी कालोनी
7.	सुभाष पार्क, नेताजीनगर
8.	पालिका बाजार पर टेरेस पार्क
9.	पालिका पार्किंग पर टेरेस पार्क
10.	नेताजीनगर मार्किट के सामने पार्क
11.	केशव पार्क, सरोजिनी नगर
12.	विवेकानंद पार्क, सरोजिनी नगर
13.	डी.जी. पार्क, सरोजिनी नगर
14.	वाटिका पार्क, पूर्वी किदवई नगर
15.	सैट्रल मार्किट पार्क, किदवई नगर
16.	सैट्रल मार्किट पार्क, लक्ष्मी बाई नगर
17.	यशवंत प्लेस, चाणक्यपुरी के सामने पार्क
18.	जन्तर मन्तर के समीप पार्क

टिप्पणी : अध्यक्ष समय-समय पर, अभिलिखित कारणों से, आदेश द्वारा, अनुसूची में किसी भी प्रविष्टि में संशोधन, परिवर्तन, व परिवर्धन तथा किसी को हटा या प्रतिस्थापित कर सकता है ।

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Delhi, the 23rd October, 2012

F. No. 4/1/2008/UD/13394.—The following Bye-laws entitled the New Delhi Municipal Council (Public Parks, Gardens or Recreation Grounds) Bye- Laws, 2012 made by the New Delhi Municipal Council under the head "J. Bye-laws relating to miscellaneous matters" in sub-section (1) of section 388 of the New Delhi Municipal Council Act, 1994 (44 of 1994), vide Council's resolution No. 12 (N-4) dated the 31st March, 2008 after previous publication and with the prior approval of the Government of National Capital Territory of Delhi, as required under section 391 of the said Act, are hereby published for general information, namely:-

1. **Short title, extent and commencement.-** (1) These bye-laws may be called 'The New Delhi Municipal Council (Public Parks, Gardens or Recreation Grounds) Bye-laws, 2012.
- (2) These bye-laws shall apply to all the public parks, gardens and recreation grounds listed in Schedules I, II and III respectively:

Provided that the Chairperson may, from time to time, for reasons to be recorded in writing, by order, amend, vary, add, delete or substitute any entry in any Schedule:

Provided further that every such order shall be reported to the Council, which may make any modification in the order or resolve that the order should not be made, and the order shall, thereafter, have effect only in such modified form or be of no effect, as may be resolved by the Council; so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under the order.

- (3) These bye-laws shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.

2. Definitions.--- (1) In these bye-laws, unless the context otherwise requires:-

- (a) "Act" means the New Delhi Municipal Council Act, 1994 (44 of 1994);
- (b) "public park" includes garden and recreation ground; and
- (c) "Schedule" means a Schedule attached to these bye-laws.

- (2) Words and expressions used in the Act and not defined herein shall have the same meaning assigned to them as in the Act, unless the context requires otherwise.

3. Public parks to be kept open. - Public parks as are enclosed may remain open to the public between such hours as may be specified, from time to time, by the Chairperson, and which shall be notified at the entrance:

Provided that when any public or State function, ceremony or similar activity is held on any day, with the prior written permission of the Chairperson, in a public park, it may be closed to the public during such hours as are specified in the permission and notified at the entrance.

- 4. Entrance or Exit.**- Entrance or exit from any public park except through a gate or opening provided for the purpose is prohibited.
- 5. Short cuts.** - Short cuts across grass are prohibited.
- 6. Riding on Bicycles.** - Bicycles shall not be ridden anywhere in a public park, except on recognized cycle tracks.
- 7. Holding of Meetings, etc. -**
 - (1) Subject to sub-bye-law (2), the holding of public meetings, demonstrations, processions, organized gathering of any kind (including holding of marriage functions/ceremonies, or any other social function) in a public park is prohibited.

(2) Private social functions, such as holding of marriage function, party, reception, or any ceremony, etc. or any public or State function or ceremony including musical programme, etc., may be held, in the area earmarked, if any, for that purpose, in a public park, after obtaining written permission from the Chairperson and on payment of such fee as may be fixed, from time to time, by him:

Provided that different amount of fee may be fixed for different types of functions/ceremonies. Each type of function/ceremony may further be divided into various categories after taking into account all relevant factors, such as the number of persons likely to be gathered, likely damage to the public park, or property, sanitation, noise pollution, if any, etc., and different amount of fee may be fixed for each such category.

8. **Shooting of films and enacting of plays.** - (1) No person shall shoot any film or enact a play, etc. in a public park, except after obtaining written permission from the Chairperson and on payment of a fee at such rate as may be fixed, from time to time, by the Chairperson.

(2) The Chairperson may fix by order the rates of the fee per hour or part thereof for different types of films or plays etc., after taking into account various factors, like public welfare, educational, social, scientific, spiritual or artistic value of the film or play, etc., as the case may be.

Note:- The permission granted by the Chairperson and referred to in the proviso to bye-law 3, sub-bye-law (2) of bye-law 7, sub-bye-law (1) of bye-law 8 and sub-bye-law (2) of bye-law 17 may be subject to such terms and conditions, as may be specified therein.

9. **Motor vehicles not to be allowed.** - (1) No person shall bring in a public park any vehicle, as defined in the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), except on roads earmarked for the purpose and on such terms and conditions as may be prescribed by the Chairperson.

(2) Non-motorized vehicles, which are disabled friendly, carriages meant for babies, like perambulators, old persons, etc. may be used for carrying disabled persons, babies or old persons, under the supervision of an attendant.

10. Animals not to be allowed. - No person shall be allowed to bring in a public park any animal:

Provided that a pet animal such as a dog, cat, etc., duly secured by a chain lead may be allowed in an area earmarked for purpose between such hours as may be specified, from time to time, by the Chairperson, and which shall be notified at the entrance.

- (2) A person who brings a pet animal such as a dog, cat, etc. In a public park shall carry with him a litter bin and he shall collect or cause to be collected therein its excrement, if any.
- (3) No person shall be allowed to feed any animal or bird inside a public park.

11. Plucking of Flowers etc. - The plucking or damaging the flowers, flower beds, foliage or damaging any building, monument, tree, turf, fence, barrier, railing, sitting or playing equipment, bench, rack, notice board, swing or any other thing of similar description, vested in the Council, unless authorized by the Chairperson, is prohibited.

12. Bathing, Washing, Fishing, Cooking, etc. -

- (1) No person shall bathe in any tank, pond, cistern, or other ornamental construction for storage of water in a public park, or wash clothes, utensils or similar article in any such water.
- (2) No person would do anything, which causes or is likely to cause pollution or foul smell in such water.
- (3) No person shall do fishing in any such water
- (4) Lighting of fire or cooking of food or other eatables shall not be permitted in a public park.

- 13. Causing damage to trees, burning of leaves, etc.** - (1) No concreting or digging of trenches for laying of cables, water lines, etc., will be done by any person or agency near a tree in a public park, except with the written permission of the Chairperson and subject to such terms and conditions as may be specified in the permission.
- (2) Burning of leaves and other wastes in a public park is prohibited.
- 14. Protection of animals and wildlife.** - No person shall kill, injure, take or set trap, disturb any animal, fish or bird or reptile in a public park.
- 15. Hawking is prohibited.** - Itinerant vendors or hawkers will not be allowed in a public park.
- 16. Throwing of litters, etc.** - Throwing of litters or depositing any filth, rubbish, refuse or other polluted and obnoxious matter anywhere except in designated receptacles provided for the purpose in a public park is prohibited.
- 17. Playing of Games.** - (1) Cricket, Football, Hockey or any other organized game is not allowed except in the area so earmarked in a public park.
- (2) No one shall use the area earmarked for play ground referred to in sub-bye-law (1) without the written permission of the Chairperson and on payment of such fee as has been fixed, from time to time, by him.
- 18. Nuisance.**-- No person shall in any public park, commit any nuisance as defined in clause (28) of section 2 read with section 308 of the Act.
- 19. List of public parks, etc. to be available.**---
- (1) A copy each of the following documents shall be kept at the Council's office and shall, during office hours, be open, free of charge, to inspection, by any inhabitant of New Delhi. These documents shall be also available on the website of the Council:-

- (a) An up to date list of Public Parks (Schedule I).
 - (b) An up to date list of Gardens (Schedule-II).
 - (c) An up to date list of Recreation Grounds (Schedule III).
 - (d) An up to date list of Public Parks, etc., where private social functions or public or State functions including musical programmes can be permitted by the Chairperson, giving approximate area earmarked for the purpose. The rates of fee to be charged for each category of function and for each site shall also be given [Bye-law 7 (2)].
 - (e) An up to date list of Public parks, etc., where shooting of films/enacting of plays, etc., can be permitted and the rates of fee fixed thereof [Bye-law 8]].
 - (f) An up to date list of Public Parks, etc., where roads have been earmarked for use of vehicles and the terms and conditions for such use [Bye-law 9 (1)].
 - (g) An up to date list of Public Parks, etc. where games are allowed, indicating the approximate area earmarked for the play ground and the rate of fee fixed for its use [Bye-law 17 (2)].
- (2) Copies of these documents shall be supplied free of charge to an applicant.

20. Penalties. - Whosoever commits a breach of any of the foregoing bye-laws shall be punishable in accordance with the provisions of section 390 of the Act, in addition to the provisions of any other law."

SCHEDULE I

[Bye-law 1(2)]

List of Public Parks

- (i) Lodhi Garden
- (ii) Nehru Park
- (iii) Shanti Path
- (iv) Talkatora Garden except Cricket Ground and area earmarked for social functions
- (v) Central Park, Rajiv Chowk
- (vi) Sanjay Jheel Park, Laxmi Bai Nagar
- (vii) Netaji Subhash Park, Netaji Nagar
- (viii) Park near Singapore Embassy, Chanakyapuri
- (ix) Gurudwara Bangla Sahib Park
- (x) Colonies and Other Parks

S.No.	Colonies and Other Parks
1.	Park in Harijan Basti Pachkuian Road
2.	Park at Hanuman Temple, Gole Market
3.	Park at Hanuman Road
4.	Triangular Park on the junction of Pant Marg and Bishambhar Dass Marg
5.	Triangular Park on Rakabganj Road and Church Lane
6.	Triangular Park near 36 Mahadeo Road
7.	Triangular Park on the junction of Rakabganj Road and Talkatora Road
8.	Park attached with Refugee Market Babar Road
9.	Park at Todarmal road
10.	Park at Abul Fazal Park
11.	Tilak Statue Park
12.	Triangular Park at Bhagwan Dass Road
13.	Triangular Park at Sikandra Road
14.	Park in Todarmal Lane
15.	Triangular Park Kaka Nagar
16.	Triangular Park Golf Course Road
17.	Triangular Park opp. Post office Golf Link
18.	Park opp. Kothi No.3 Golf Link

19.	Triangular Park backside 154-155 Golf Link
20.	Triangular Park Kothi No.13 Golf Link
21.	Triangular Park backside Kothi No.17 Golf Link
22.	Park opp. Kothi No.19-20 Golf Link
23.	Park backside 20 Golf Link
24.	Park opp. Kothi No141Golf Link
25.	Park opp. Kothi No132 Golf Link
26.	Park opp. Kothi No.155 Golf Link
27.	Park opp. Kothi No.119 Golf Link
28.	Park opp. Kothi No.166 Golf Link
29.	Park opp. Kothi No.110 Golf Link
30.	Park opp. Kothi No.174 Golf Link
31.	Park opp. Kothi No.104 Golf Link
32.	Park opp. Kothi No.190 Golf Link
33.	Park opp. Kothi No.90 Golf Link
34.	Park opp. Kothi No.202 Golf Link
35.	Park opp. Kothi No.75 Golf Link
36.	Park opp. Kothi No.211 Golf Link
37.	Park opp. Kothi No.52 Golf Link
38.	Park behind Ambassador Hotel
39.	Park near Barat Ghar Khan Market
40.	Opp. NDMC Qtr. No.40 at Pandara Rd
41.	Park opp. Kothi No.223 Jor Bagh
42.	Park opp. Kothi No.210 Jor Bagh
43.	Park opp. Kothi No34. Jor Bagh
44.	Park opp. Kothi No47 Jor Bagh
45.	Park opp. Kothi No 64 Jor Bagh
46.	Park opp. Kothi No 60 Jor Bagh
47.	Park opp. Kothi No 107 Jor Bagh
48.	Park opp. Kothi No 80 Jor Bagh
49.	Park opp. Kothi No 100 Jor Bagh
50.	Park opp. Kothi No 110 Jor Bagh
51.	Park opp. Kothi No 162 Jor Bagh
52.	Park opp. Kothi No 145 Jor Bagh
53.	Triangular park backside 114 Jor Bagh
54.	Park at Mandir Jor Bagh
55.	Triangular opp. Kothi No.185 Jor Bagh
56.	Park at Water Tank Jor Bagh

57.	Park opp. Safdarjung Madarsa
58.	Park opp. J-26, B.K.Dutt Colony
59.	Park opp. H-26 B.K.Dutt Colony
60.	Park opp. K-69 B.K.Dutt Colony
61.	Park opp. D-65, B.K.Dutt Colony
62.	Park opp. D-5, B.K.Dutt Colony
63.	Park opp. C-94, B.K.Dutt Colony
64.	Park in front of E-Block Palika Kunj
65.	Triangular park in front of 23 Block Lodhi Colony
66.	Triangular plot near railway quarters at Najaf Khan Road
67.	Park at Palika Niwas, Lodhi Road
68.	Park at Aurbindo Marg in front of DGCA
69.	Park at Aurbindo Marg in front of DGCA
70.	Park back side 230 Jor Bagh
71.	Veer Savarkar Park Lodhi Colony
72.	Park at new Khanna Market
73.	Park opp. Electric Sub station Sri Aurbindo Marg
74.	Triangular Park at Aurbindo Marg & Lodhi Road
75.	Triangular Park near Safdarjung Flyover
76.	Triangular Park near Civil Enquiry near Safdarjung Fly over
77.	Tughlaq Crescent park
78.	Park at Tughlaq Lane
79.	Park near 33 No. Quarter, NDMC
80.	Park Basrurkar Market Moti Bagh
81.	Park Begum Zaidi Market Moti Bagh
82.	Park near Bharat Petroleum Petrol Pump Moti Bagh
83.	A Crescent Park Malcha Marg
84.	B Crescent Park Malcha Marg
85.	C Crescent Park Malcha Marg
86.	D Crescent Park Malcha Marg
87.	E Crescent Park Malcha Marg
88.	F Crescent Park Malcha Marg
89.	X Crescent park Malcha Marg
90.	Y Crescent Park Malcha Marg
91.	Park at covered drain adjoining Kautilya Marg
92.	Park at covered drain adjoining Malcha Marg
93.	Park at Palika Milan Malcha Marg
94.	Park at Palika Awas Motibagh
95.	Park at residential complex, Charak Palika Hospital

96.	Park near Singapore High Commission
97.	Park near Mount Carmel School (Malcha Marg Market)
98.	Park near South Market Kidwai Nagar
99.	Park in front of Mandir Kidwai Nagar
100.	Park Back side of Mandir Kidwai Nagar
101.	Park near Safdarjung Fly over Triangular plot
102.	Park near Safdarjung Bridge Triangular Plot
103.	Park near Gwalier Pottery
104.	Park near Pillanji at Brig. Hoshiar Singh Road
105.	Park in front of Laxmi Bai Nagar Market
106.	Park behind Laxmi Bai Market
107.	Park in front of Palika Awas
108.	Todarmal Square Park
109.	Vakil Lane Park I
110.	Vakil Lane Park II
111.	Park along Railway Track Satya Sadan(Children park)
112.	Childrens Parks at India Gate
113.	Safdarung Madarasa Park

Note: The Chairperson may, from time to time, for reasons to be recorded in writing, by order, amend, vary, add, delete or substitute any entry in the Schedule.

SCHEDULE II

[Bye-law 1(2)]

List of Gardens

1. Talkatora Garden
2. Sanjay Jheel Park, Laxmi Bai Nagar
3. Moti Lal Nehru Place Roundabout
4. Windsor Place Roundabout
5. Following Roundabouts.

S.No.	Garden (Roundabout)
1.	Shanti Path- Niti Marg (Near Rail Museum)
2.	Shanti Path - Kautilya Marg
3.	Shantipath -Panchsheel Marg
4.	Satya Marg - Shanti path
5.	Race Course (Near Indira Smriti)
6.	Aurangzeb- Tughlak Road (Near Tughlaq Road PS)
7.	Aurangzeb Road- Janpath (Near Claridge Hotel)
8.	Akbar Road- Janpath (York Place)
9.	Akbar Road-Tughlak Road (Mathew Circle)
10.	Akbar Road- Mansingh Road (Near Vice President House)
11.	Aurangzeb Road- Shahjahan Road (Near Taj Man Singh Hotel)
12.	Sunehari Bagh Road -Maulana Azad Road
13.	Krishna Menan & K. Kamraj Marg (Sena Bhavan)
14.	Rajaji Marg
15.	South Block (Near DRDO)
16.	Teen Murti -Mother Teresa Road (Near Teen Murti Road)
17.	Nyay & Satya Marg
18.	Satya & Niti Marg
19.	Vinay & Satya Marg
20.	Panchsheel Niti Marg (Ashok Hotel)
21.	Panchsheel -Nyay Marg
22.	Kautilya Marg Samrat Hotel
23.	Mother Teresa-Baba Kharak Singh Marg (Near RML Hospital)
24.	Park Street-Mandir Marg
25.	Gole Dakhana
26.	Pt. Pant Marg (TKG)
27.	Krishi Bhavan Rail Bhawan
28.	Patel Chowk
29.	Ashoka Road (Near Aditya Sadan)

30.	Ashok Road – Janpath (Windsor place)
31.	North block
32.	Near Sansad Bhawan
33.	C Hexagon, India Gate
34.	Ashok Road & Mansingh Road
35.	Mandi House
36.	East Kidwai Nagar (enclosing a monument)
37.	Laxmi Bai Nagar Market
38.	Amrita Sher Gill Marg
39.	<u>Roundabout in Golf Link colony</u>
40.	N. P. Primary School Moti Bagh
41.	Moti Bagh near Basurkar Market
42.	K.G. Marg near CSOI
43.	Africa Avenue & Brig. Hoshiar Singh Rd
44.	Brig. Hoshiar Singh Road near Auto workshop
45.	Netaji Nagar Market
46.	Netaji Nagar colony
47.	Ghana Embassy (Ed. Hillary Lane) behind Rose Garden
48.	Kuwait Embassy (Tenzing Lane)
49.	Tees January Lane South
50.	Tees January Lane North
51.	Canning Lane
52.	Laxmi Bai Marg in Laxmi Bai Nagar near Type-V flats
53.	Doctor's Lane

Note: The Chairperson may, from time to time, for reasons to be recorded in writing, by order, amend, vary, add, delete or substitute any entry in the Schedule.

SCHEDULE III

[Bye-law 1(2)]

List of Recreation Grounds

S.No.	Name
1.	Sanjay Jheel Park
2.	Children's Park, India Gate
3.	Cricket Ground, Social Function/Marriage Ground in Talkatora Garden.
4.	Central Park, Connaught Place,
5.	Palika Bhawan Park at Netaji Nagar.
6.	Central Park, Lodhi Colony
7.	Subhash Park, Netaji Nagar.
8.	Terrace Park on Palika Bazar.
9.	Terrace Park on Palika Parking.
10.	Park in front of Netaji Nagar Market.
11.	Keshav Park, Sarojini Nagar,
12.	Vivekanand Park, Sarojini Nagar.
13.	D.G. Park, Sarojini Nagar,
14.	Vatika Park, East Kidwai Nagar.
15.	Central Market Park, Kidwai Nagar.
16.	Central Market Park, Laxmi Bai Nagar.
17.	Parks in front of Yashwant Place, Chanakyapuri.
18.	Park adjoining Jantar Mantar.

Note: The Chairperson may, from time to time , for reasons to be recorded in writing, by order, amend, vary, add, delete or substitute any entry in the Schedule.

फा. सं. 4/3/2007/श.वि./13393.—नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् द्वारा नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम सं. 44) के अध्याय 21, जिसे धारा 388 की उपधारा (1) के भाग 'ख' के साथ पढ़ा जाये, के अन्तर्गत पूर्व प्रकाशन के पश्चात् और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के पूर्व अनुमोदन व उक्त अधिनियम की धारा 391 के प्रावधानों के अनुक्रम में, बनाये गये उप नियमों के एतद्द्वारा निम्न प्रकार से प्रकाशित किया जाता है :

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (जल निकासी) उपनियम, 2012

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ (1) ये उपनियम 'नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (जल निकासी) उपनियम, 2012' के नाम से जाने जायें।
(2) ये उपनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।
2. परिभाषाएँ— इन उपनियमों में, जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हों—
 - (क) 'दाब रोधी' से तात्पर्य ऐसे उपकरण से है, जिसमें वायु संचरण का प्रावधान नलाकार पाइपों में जल-सील का संरक्षण करना है।
 - (ख) 'मलकुण्ड' (सैसपूल) में परिसरों से अपशिष्ट पदार्थों के निपटान के अभिग्रहण के लिए एक सैप्टिक टैंक, एक निपटान टैंक या कोई अन्य टैंक सम्मिलित है।
 - (ग) 'अध्यक्ष' में सम्मिलित है, कोई नगरपालिका अधिकारी अथवा अन्य नगरपालिका कर्मचारी जैसाकि अध्यक्ष द्वारा इस संबंध में प्राधिकृत किया जाए,
 - (घ) 'जल निकासी की संयुक्त-प्रणाली' का तात्पर्य ऐसी प्रणाली से है, जिसमें दुर्गन्धित पानी तथा सतही पानी उसी सीवर तथा नालियों द्वारा प्रवाहित हो।
 - (ङ) 'कनैक्शन' (संयोजन) से तात्पर्य परिसर के सीवर अथवा सार्वजनिक सीवर के साथ अथवा सतही जल नाली, दुर्गन्धित जल नाली के मिलन-स्थल से है।
 - (च) 'ड्राप कनैक्शन' से तात्पर्य नाली की ऐसी शाखा से है, जिसमें सीवर के कनैक्शन से पूर्व आने वाली निकास नाली के पाइपों का ऊर्ध्वाधर (लम्बमान) अन्तिम छोर है।
 - (छ) 'ड्राप मेनहोल' से तात्पर्य एक ऐसे मेनहोल से है, जिसमें ऊँची सतह पर किसी सीवर या निकास नाली को निचली सतह से जोड़ने के प्रयोजन हेतु एक ऊर्ध्वाधर ड्राप लम्बवत् रूप से समाहित किया गया है।
 - (ज) 'प्रपत्र' से तात्पर्य इन उपनियमों से संलग्न प्रपत्र से है।
 - (झ) 'अवरोधक मेनहोल अथवा अवरोधक चैम्बर' का तात्पर्य एक ऐसा मेनहोल, जिसमें अवरोधक ढक्कन तथा इसमें पहुँच प्रावधान हेतु साधन और प्रवाह के विरुद्ध स्वच्छ वायु के अन्दर आने तथा प्रवाह की ओर वायु संचरण कालम के प्रावधान से है।
 - (ञ) 'इनवर्ट' से तात्पर्य किसी क्रास सैक्शन पर जल निकासी अथवा सीवर के आन्तरिक निचले बिन्दु से है। मेनहोल चैम्बर में, चैम्बर के तल में चैनल, जो कि मेनहोल द्वारा सीवेज को प्रवाहित करता है।
 - (ट) 'मेनहोल' से तात्पर्य ऐसा मार्ग, जिसके द्वारा एक व्यक्ति सीवर अथवा अन्य बंद ढाँचे में निरीक्षण, सफाई तथा अन्य रखरखाव संबंधी कार्य करने के लिए सीवर के अन्दर अथवा बाहर आ-जा सकता है और इस पर एक उपयुक्त ढक्कन लगा हुआ है।
 - (ठ) 'जल निकासी की आंशिक पृथक प्रणाली' में पृथक प्रणाली के संशोधन सम्मिलित हैं, जिसमें कुछ सतही जल दूषित जल सीवरों तथा निकास नालियों में बह जाता है।

- (ड) 'शौचालय' से तात्पर्य एक ऐसे स्थल से है, जो शौच, मूत्र-विसर्जन अथवा दोनों से अलग है, जिसके साथ फिटिंग्स तथा उपकरणों तथा मानव मल के लिए पात्र, यदि कोई है, तथा जोड़ा गया है तथा इसमें शुष्क प्रकार का शौचालय, पाखाना या मूत्रालय सम्मिलित है।
- (ढ) 'रॉडिंग आई' से तात्पर्य हटाये जा सकने वाले ढक्कन के ऐसे मार्ग से है, जिससे निकास नाली सरिये के द्वारा अवरोधों को हटाये जाने में समर्थ हो।
- (ण) 'सेडल' से तात्पर्य फिटिंग करने के उद्देश्य से है, उसका आकार ऐसा हो ताकि किसी सीवर अथवा निकास नाली में कटे छेद पर पूरी तरह से फिट हो तथा संयोजन हेतु प्रयोग किया जाता है।
- (त) 'जल निकासी की पृथक प्रणाली' से तात्पर्य ऐसी प्रणाली से है जिसमें दूषित जल तथा सतही जल पृथक-पृथक सीवरों तथा नालियों में बहता है।
- (थ) 'सर्विस पाखाना तथा सर्विस मूत्रालय' से तात्पर्य क्रमशः हाथ से साफ किये जाने वाले एक शौचालय तथा एक मूत्रालय से है।
- (द) 'सीवरों' से तात्पर्य पाइप अथवा ऐसा उपकरण, जिनका समुदाय के तरल कूड़े के बहाव के उद्देश्यार्थ प्रावधान किया गया हो, अन्यथा जिसे मलक जल अथवा कीचड़ के नाम से जाना जाता है।
- (ध) 'सोखने वाले गड़ढे' से तात्पर्य तल के आसपास रिसाव के लिए सतही जल प्राप्त करने के लिए उचित रूप से तैयार किए गए गड़ढे से है।
- (न) 'मल अपशिष्ट' से तात्पर्य पाखानों, मूत्रालयों, ढलुवा सिंकों, अस्तबल अथवा गौशाला की नालियों तथा ऐसे अन्य स्थलों के विसर्जन से है।
- (प) 'मल पाइप' से तात्पर्य ऐसे पाइप से है, जो शौचालय, मूत्रालयों, दुकानों के सिंक इत्यादि से विसर्जित तरल कूड़ा ग्रहण करता है।
- (फ) 'बरसाती जल नाले' से तात्पर्य है कोई भी खुली नाली अथवा पाइप चाहे वह निजी अथवा सार्वजनिक परिसर में हो तथा केवल वर्षा जल के बहाव हेतु हो।
- (ब) 'मिट्टी के नीचे जल निकासी नाली' से तात्पर्य है भूमि की सतह से नीचे मिट्टी में मिले हुए जल को हटाने के लिए पाइप अथवा कोई अन्य साधन।
- (भ) 'सतही जल निकास नाले' से तात्पर्य है बरसाती जल सहित सतही जल के बहाव के लिए नाले,
- (य) 'व्यावसायिक इकाइयों द्वारा विसर्जित द्रव्यीय कचरा' से तात्पर्य किसी उत्पादन प्रक्रिया से, मल अथवा कूड़े-करकट के अतिरिक्त द्रव्यीय कचरे का बहाव,
- (र) 'सुराख' से तात्पर्य निकास प्रणाली से अथवा हवा के संचरण की व्यवस्था करने हेतु अथवा रिसाव अथवा विपरीत दिशा में प्रवाह से ट्रैप के बंद होने को रोकने हेतु ऐसी पद्धति के भीतर हवा के संचरण की व्यवस्था करने हेतु संस्थापित पाइप लाइन से है।
- (एए) 'संवातन पाइप' से तात्पर्य एक ऐसे पाइप से है, जो निकास नाली अथवा सीवर की दुर्गन्धित गैसों से वातावरण में सुरक्षित निकास की व्यवस्था करता है।
- (बी.बी) 'धोवन जल (मैला-पानी)' से तात्पर्य स्नान, वॉश-बेसिन, सिंक तथा ऐसे ही उपकरणों का मैला जल, जिसमें मानव तथा पशुओं का मल सम्मिलित न हो।
- (सी.सी) 'शौचागार (वाटर क्लोसेट)' से तात्पर्य एक ऐसे कुण्ड से है, जो जल निकासी पद्धति से जुड़ा एक पृथक पात्र है तथा जिसका यान्त्रिक अथवा स्वचालित कार्यवाही द्वारा संचालन से स्वच्छ जल की आपूर्ति से जल बहाव का पृथक प्रावधान है तथा इसमें एक कुण्ड अथवा एक खण्ड उपकरण से जुड़ा है, जो मानव के तरल तथा ठोस कूड़े को प्राप्त करने हेतु है तथा जल बहाव (फ्लश) द्वारा साफ किया जाता है।
- (2) इन उपनियमों में, जहाँ कहीं भी अन्य मानक विशिष्टताओं का उल्लेख किया गया है, इसमें उस सीमा तक हुए सभी भावी संशोधन सम्मिलित होंगे।
3. अध्यक्ष की शक्तियाँ : परिषद् अध्यक्ष, इन उप-नियमों में से किसी का भी अनुपालन करने के लिए साधनों की यथार्थता हेतु तथा सामान की उपयुक्तता तथा डिजाइन एवं कर्मचारियों के कार्य-कौशल की गुणवत्ता हेतु निर्णायक होगा। वह किन्हीं उपयुक्त मामलों में लिखित में आदेश द्वारा निर्दिष्ट सामान के अलावा अन्य सामान के उपयोग की अनुमति दे सकता है, यदि वह समझता है कि ऐसे सामान, समान रूप से उपयुक्त तथा उच्च कोटि के हैं।

नोटिस तथा नक्शों को प्रस्तुत करना

4. **निर्माण परिकल्पना :** प्रत्येक व्यक्ति, जो किसी सीवर या ट्रैप या उससे जुड़े उपकरण के साथ जल निकासी पाइप या अन्य संचारणीय साधनों की मरम्मत या निर्माण व्यवस्थित करने का इच्छुक है या ऐसा किया जाना अपेक्षित है तो ऐसे कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उप-नियम 5 से 9 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।
5. **निर्माण करने के आशय सम्बन्धी नोटिस :** (1) ऐसे आशय का लिखित में नोटिस संलग्न फार्म 'ए' की दो प्रतियों में परिषद् कार्यालय में दी जायेगी जिसकी प्रतिलिपियाँ परिषद् कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त की जा सकती हैं।

- (2) ऐसे नोटिस में आवेदक का पूरा नाम एवं पता होगा तथा गली और परिसर की निर्धारण संख्या बतायी जाएगी, जिसके आधार पर ऐसे कार्य निष्पादित किए जाने का प्रयोजन तथा सभी अपेक्षित विवरण नोटिस मुद्रित प्रपत्र 'अ' में दिये जायें।

6. नक्शे जमा करना :

- (1) उप-नियम 5 में संदर्भित नोटिस नक्शों तथा खण्डों (तीन प्रतियों में) स्पष्ट तथा टिकाऊ सामग्री पर अमिट माप पर बने हों, जिसका अनुपात 1 सें.मी. से 2 मी. तक से कम न हो, तथा खण्डों का लम्बवत् माप नक्शे के माप के समान होना चाहिए।
- (2) नक्शा एक पंजीकृत वास्तुविद्, अभियंता, ड्राफ्टमैन अथवा लाइसेंसधारी प्लम्बर द्वारा तैयार किया गया होना चाहिए तथा तैयारकर्ता एवं प्राप्ति द्वारा हस्ताक्षरित तथा निम्नलिखित को प्रदर्शित करेगा:-
- (क) किसी भी भवन का प्रत्येक तल जिसमें पाइपों या निकास नालियों का प्रयोग किया जाना है।
- (ख) भवन की छत सहित उसके विभिन्न भागों की स्थिति, संरचना, स्तर तथा व्यवस्था,
- (ग) संकल्पित सभी नई निकास नालियों के साथ उनके प्रस्तावित आकारों एवं अनुपात के आँकड़ों सहित,
- (घ) भू-सतह का स्तर तथा प्रस्तावित निकास नालियों की गहराई, तथा,
- (ङ) परिसर में प्रत्येक मेनहोल, गुल्ली, मलिन-जल पाइप, संवातन पाइप, वर्षा जल पाइप, शौचागार, मूत्रालय, पाखाना, स्नानागार, शौचालय सिंक, ट्रेप अथवा अन्य उपकरण जिनका उपरोक्त पैरा (ग) तथा (घ) में वर्णित अनुसार, किसी भी निकास नाली से जोड़ा जाना प्रस्तावित है तथा नालियों इत्यादि के संबंध में रंगों के अनुसार सुस्पष्ट किये गये हैं।

यह सूचना पूर्णतः अग्रभाग तथा खण्डों के साथ-साथ नक्शों पर भी दर्शायी जाए।

बशर्ते कि वर्तमान भवन में परिवर्तन अथवा परिवर्धन के मामले में शर्तें तभी संतोषजनक समझी जाएंगी यदि नक्शा मूल अथवा आगामी नक्शे के साथ सुगमतापूर्वक पहचाने जाने वाले प्रस्तावों हेतु पर्याप्त सूचनाएँ सम्प्रेषित करता है।

(3) नक्शे पर निम्नलिखित भी दर्शाये :

- (क) भवन में सभी खिड़कियाँ तथा अन्य खुलने वाले स्थानों की स्थिति,
- (ख) मलिन जल पाइप अथवा वायु संचरण पाइप के खुले छोर से 5 मीटर की दूरी तक भवन से जुड़ी सभी चिमनियों की ऊँचाई तथा स्थिति,
- (ग) माप जिससे नक्शा तैयार किया गया है,
- (घ) वर्षा जल के निपटान तक इसके बरसाती जल नालों में प्रवाह सहित सभी सैनेटरी उपकरणों की प्रकृति का विस्तारपूर्वक विवरण तथा,
- (ङ) स्नानागार तथा रसोईघर के मलिन जल के निपटान तथा कूड़े तथा मलिनता के पाइप के कनेक्शन तथा उपयुक्त अन्तर्बन्धक चैम्बर के साथ सीवर मलिनता के पाइप के कनेक्शन की प्रकृति में, जब अध्यक्ष द्वारा ऐसे चैम्बर की सामान्य अथवा विशेष आदेश द्वारा अपेक्षा की गई हो।

7. परिसरों के ब्लॉक का नक्शा : (1) उप-नियम 5 में संदर्भित नोटिस के साथ परिसरों (तीन प्रतियों में) का जिस पर भवन को निर्मित किया जाना है अथवा ऐसे कार्य किये जाने हैं, ब्लॉक नक्शा प्रस्तुत करना होगा, 1 सें.मी. से 100 से.मी. पर से कम के माप पर तैयार न किये जायें।

(2) परिसरों का ब्लॉक नक्शा निम्न को दर्शायेगा :

- (क) भवन का ब्लॉक नक्शा तथा परिसरों में अन्य सभी भवनों की स्थिति तथा समीप के भवनों के ऐसे भाग जो प्रस्तावित कार्य से प्रभावित हो सकते हों।
- (ख) परिसरों के समीप की सड़कों के नाम,
- (ग) सभी नालियों तथा सतही निकास नालियों की लाइनें, आकार और झुकाव, यदि कोई हों,
- (घ) भवन के निम्नतम तल तथा किसी आँगन एवं उसके निकटस्थ मैदान की सतह में अन्तर,
- (ङ) नक्शे का माप, तथा
- (च) निकास नालियों तथा अन्य उपकरणों को भिन्न रंगों से दर्शाया जाए।

बशर्ते कि किसी ऐसे मामले में ब्लॉक नक्शा जमा करना आवश्यक नहीं होगा, जहाँ ब्लॉक नक्शा में दिखाए जाने वाले अपेक्षित विवरण इससे पूर्व अपेक्षित विस्तृत नक्शे में दर्शाये गए हैं।

8. अनुप्रस्थ काट (क्रॉस सैक्शन) का प्रावधान कब किया जाए : यदि किसी मामले में अध्यक्ष द्वारा आवश्यक समझा जाता है तो नक्शे जिसका माप 1 से.मी. अनुपात 50 से.मी. से कम नहीं

होना चाहिए, के साथ सीमेंट के खुले स्थानों सहित ऑगन से प्रथम धुलाई को छोड़कर खुले नालों, भू-तल और किनारों या अन्य साधनों, जो सभी बरसाती जल के निष्कासन के लिए बरसाती जल नालों, पहले से विद्यमान या प्रस्तावित की अनुप्रस्थ काट उल्लेखित होनी चाहिए ।

9. **प्रस्तावित कार्यों का विवरण :** उप-नियम 7 में किये गये उल्लेख अनुसार नक्शे के साथ ऐसी निकास नालियों, मेनहोल, गुल्ली, पाइप, शौचागार, मूत्रालय, स्नानागार, शौचालय वॉशबेसिन अथवा उपकरणों अथवा ट्रैप लगाने अथवा जोड़ने, निर्माण की संकल्पित पद्धति का विस्तृत विवरण (तीन प्रतियों में) जमा कराना होगा। यह प्रपत्र 'बी' प्रतियों में किया जाएगा, जिसकी प्रतिलिपियाँ परिषद् के कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त की जा सकती हैं ।
10. **कार्य का प्रारम्भ :** अध्यक्ष द्वारा नक्शा स्वीकृत किये जाने के उपरान्त उसकी एक प्रति आवेदक को वापस कर दी जाएगी तथा कार्य तत्पश्चात् जारी किया जा सकता है ।
11. **नालियों को ढकने अथवा अन्य जल निकासी कार्यों का नोटिस :** कोई व्यक्ति जो किसी निकास नाली अथवा अन्य जल निकासी कार्य का निर्माण अथवा परिवर्तन करता है, को जल निकासी से जुड़ी नीवों, नालियों अथवा उपकरणों को ढकने से पूर्व अध्यक्ष महोदय को लिखित में नोटिस देगा कि ऐसी नीवें, नालियाँ अथवा उपकरण निरीक्षण के लिए तैयार हैं तथा दिनांक एवं समय का उल्लेख करेगा, जिस दिन वह ऐसी नीवों, नालियों अथवा उपकरणों को ढकने की कार्यवाही करेगा । ऐसे नोटिस प्रपत्र 'सी' में होंगे ।
12. **कार्य के समापन का नोटिस :** कोई व्यक्ति, जो किसी नाली का निर्माण अथवा परिवर्तन अथवा अन्य जल निकासी कार्य करता है, अध्यक्ष को लिखित में, तिथि तथा समय का उल्लेख करते हुए सूचना देगा कि ऐसी निकास नालियाँ अथवा कार्य अन्तिम निरीक्षण के लिए तैयार होंगे । ऐसे नोटिस प्रपत्र 'डी' में होंगे ।
13. **नगरपालिका सीवर के साथ संयोजन (कनेक्शन) :**
 - (1) किसी नगरपालिका सीवर से किसी निकास नालों का कोई कनेक्शन अथवा नगरपालिका सीवर से पहले से जोड़ा गया कोई विद्यमान निजी नाले से कोई निकास नाली का संयोजन तब तक नहीं जोड़ा जाएगा जब तक अध्यक्ष द्वारा एक प्रमाण-पत्र जारी नहीं कर दिया जाता है कि जोड़े गए ऐसे सभी निकास नाले तथा उपकरण इन उप-नियमों की सभी अपेक्षाओं के अनुरूप हैं ।
 - (2) लाइसेंस प्राप्त प्लम्बर द्वारा ऐसे सभी कनेक्शन परिषद् के विधिवत् प्राधिकृत अधिकारी अथवा अध्यक्ष द्वारा प्राधिकृत नगरपालिका कर्मचारी के पर्यवेक्षण में किया जाएगा तथा कनेक्शन के लिए आवेदन के साथ उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति तथा कनेक्शन करने से पूर्व ऐसी राशि, जो अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट राशि को कनेक्शन की लागत पूर्ण करने के लिए जमा कराया जाये ।
14. **अध्यक्ष द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा निरीक्षण :** (1) प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अथवा जिसके लिए कोई निकास नाली या इससे संबंधित कोई कार्य, पाइप बिछाने, निर्माण, नियत अथवा परिवर्तित वह उचित समय पर परिषद् के प्राधिकृत अधिकारी को निरीक्षण के उद्देश्य हेतु ऐसे नाले या कार्य के समीप आसानी से पहुँच सके । अध्यक्ष सुनिश्चित करेंगे कि इन उप-नियमों के लिए मूल अपेक्षाओं (आवश्यकताओं) को पूर्ण किया गया है, किन्तु ऐसा कोई सर्वेक्षण नहीं किया जा सकता है जिससे गृहस्वामी अथवा उसके प्लम्बर को कार्य के निष्पादन में देखरेख करने तथा अच्छा एवं पर्याप्त सामान की व्यवस्था तथा कर्मचारी नियुक्त करने के दायित्व से मुक्त नहीं किया जा सकता है ।
- (2) आपत्तिक मामले, जिनमें निकास नालियों अथवा अन्य उपकरणों में तत्काल परिवर्तन किया जाना है, उन परिसरों के स्वामी तथा अधिवासी को अध्यक्ष के सम्पर्क में रहना चाहिए, जो तात्कालिक तथा उपयुक्त मामलों में आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है तथापि यह स्वामी को अध्यक्ष के पास नक्शा इत्यादि जमा करने एवं स्वीकृति प्राप्त करने के दायित्व से मुक्त नहीं करता है ।
15. **भवनों की जल निकासी :** सभी परिसरों तथा भवनों की जल निकासी के लिए उचित प्रावधान किये जायेंगे । बरसाती जल का पृथक रूप से निपटान नई दिल्ली के ऐसे क्षेत्रों में जहाँ सीवेज तथा मलिन-जल की निकासी के लिए पृथक पद्धति प्रचलन में है । यदि अध्यक्ष पाइपों द्वारा विसर्जन को अव्यावहारिक समझता है तो सीवेज तथा मलिन-जल का विसर्जन पाइपों द्वारा इस अपवाद के साथ किया जाये कि मलिन-जल यथासम्भव कम दूरी तक के एक सतही नाले द्वारा विसर्जित किया जाए ।

16. **ऑगन की जल निकासी** : आंतरिक ऑगन के जल की निकासी सीवर अथवा बरसाती जल नाले जैसा भी मामला हो, में विसर्जन किया जाएगा। अन्य सभी ऑगनों में एक अथवा अधिक जल बहाव नालियों का प्रावधान किया जाए, जिसके द्वारा वर्षा-जल निकास-प्रणाली में जा सके।

स्पष्टीकरण — (क) एक आंतरिक ऑगन का अर्थ एक ऐसे ऑगन से है, जो सभी ओर से कमरों अथवा बरामदे अथवा पड़ोस के घर की दीवार द्वारा विभक्त करते हुए घिरा हो तथा इसमें भवन के प्रथम तथा उच्च तलों पर स्थित ऑगन भी सम्मिलित है।

(ख) बाहरी ऑगन एक ऐसा ऑगन है, जिसमें कम से कम एक दीवार खुले स्थान के पार्श्व में हो।

17. **निम्नतम तल की सतह** : प्रत्येक नए भवन का निचला तल ऐसे स्तर पर निर्मित किया जायेगा, जिसमें भवन की सुचारु जल निकासी के लिए पर्याप्त एक नाली का निर्माण की अनुमति होगी तथा इस नाली का अपेक्षित जुड़ाव ऐसे किसी सीवर के साथ होगा, जिसके माध्यम से विधिसम्मत इस नाली के जल का विसर्जन होगा। सीवर में प्रविष्ट होने वाली नाली की सतह का स्तर ऐसा हो कि कोई उल्टा संयोजन नहीं किया जाये।

घरेलू जल-निकासी

18. **सामग्री** : (1) इन उप-नियमों में विनिर्दिष्ट किन्हीं उपकरणों अथवा किसी निर्माण में प्रयुक्त सभी सामग्री भारतीय मानकों के संबंधित ब्यूरो का आधुनिक संस्करण, जहाँ ये मानक उपलब्ध एवं लागू हों, के अनुरूप होगा। जहाँ ऐसे मानक नहीं हैं, सामग्री उच्च गुणवत्ता वाली तथा बेहतर कारिगरी के अनुरूप होगी।
- (2) कंक्रीट 20 मि.मी. से 40 मि.मी. तक के उचित आकार के टोस पत्थर तथा सीमेंट का मिश्रण हो, इसको कार्य की प्रकृति के अनुसार जैसा भी हो निर्दिष्ट किया जाए। सीवेज कार्यों से सम्बद्ध संरचना के साथ जुड़ने में आने वाले किसी ढाँचे में चूने का प्रयोग न किया जाये।
- (3) कंक्रीट के लिए मसाले में एक भाग सीमेंट एवं 3 भाग रेत के अनुपात में मिलाया जाएगा।
19. **निकास नाली का आंतरिक व्यास** : प्रत्येक निकासी नाली का आंतरिक व्यास 150 मि.मी. से कम नहीं होगा तथा प्रवाह के लिए आवश्यक आकार से अधिक भी न हो या अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित के अनुसार हो सकता है।
20. **निकास नाली कंक्रीट की बिछाई जाये** : पक्की भूमि को छोड़कर प्रत्येक निकास नाली कम से कम कंक्रीट की 150 मि.मी. मोटी सतह पर बिछाई जाएगी तथा जिसकी न्यूनतम चौड़ाई कम से कम कॉलर अथवा सॉकेट के बाह्य व्यास के बराबर होगी। जहाँ निकास नाली के ऊपर वाहनीय यातायात गुजरने की सम्भावना है, कंक्रीट की सतह निकास नाली के दोनों तरफ 150 मि.मी. या पाइप के बाह्य व्यास तक जो भी अधिक हो, बढ़ाई जानी चाहिये एवं यह पाइप के शीर्ष तक झुकावदार होनी चाहिए। गीली या दलदली भूमि में पाइप बिछाने के लिए पाइप चारों तरफ से कम से कम 150 मि.मी. मोटी कंक्रीट द्वारा ढका हो।
21. **ग्रेडियन्ट्स (ढाल का माप)** : (1) ढाल ऐसा होगा, जो पाइपों से 0.90 मी. से 1.05 मी. प्रति सैकण्ड के वेग से पाइपों में अर्ध प्रवाह-व्यास पाइप स्वतः साफ करता है। निम्नलिखित ढालों की अनुशंसा की जाती है :

150 मि.मी. व्यास की पाइप — एक सैकण्ड में 60 मी. से 1 सैकण्ड में 80 मी.

200 मि.मी. व्यास की पाइप — एक सैकण्ड में 80 मी. से 1 सैकण्ड में 120 मी.

- (2) अत्यधिक तीव्र ढालों के कारण 1.50 मी. प्रति सैकण्ड से अधिक वेग के लिए ढलवा लोहे के पाइपों का प्रयोग किया जाना चाहिए।
22. **पाइपों को जोड़ना** : निकास नाली में प्रत्येक जोड़ निम्न वर्णित जोड़ने के सामान के साथ इस प्रकार होगा ताकि निकास नाली की निरन्तरता बिना किसी अवरोध के बनी रहे।
- (1) यदि जल निकासी नाली स्टोनवेयर के पाइपों या धातु के अतिरिक्त किसी अन्य सामग्री से निर्मित की जाती है तो पाइपों को सॉकेट के साथ जोड़कर उस पर सीमेंट लगाया जाये या अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित कोई अन्य उपयुक्त सामग्री का प्रयोग किया जाये। यदि सीमेंट का प्रयोग किया जाता है तो 2 भाग सीमेंट के साथ 7 भाग साफ-बारीक रेत मिलाई जाये।
- (2) सभी डाट (प्लग वाले) एवं सॉकेट पाइप सीवेज के बहाव की दिशा में प्रत्येक पाइप की डाट के सिरे के साथ लगाये जायें एवं ऐसे पाइप पूर्व में बिछाए गए पाइप की सॉकेट में रखे गए प्रत्येक पाइप के डाट के सिरे के अनुसार रखे जायें।
- (3) जोड़ अधिकतम 15 मि.मी. गहराई में गैसकिन के रिंग (छल्ले) को दबाते हुए बनाये जायेंगे, जो सॉकेट के आधार में भली प्रकार से बिटुमन में डुबोया गया होगा ताकि डाट के सिरे को सॉकेट के

साथ बंद किया जाये, इससे पूर्व बिछाये गये पाइप को उल्टा करने के साथ पाइप के छेद में औंधा प्रवाह बिटुमन के रास्ते को मसाले को उस वक्त तक दबावपूर्वक जोड़ में डाला जाना होगा जब तक डॉट एवं सॉकेट के मध्य पूरा स्थान पूर्णरूप से नहीं भर जाता। बिछाने के उपरान्त प्रत्येक पाइप को अन्दर से सावधानीपूर्वक साफ करना होगा और यह देखते हुए जाँच करनी होगी कि कोई मसाला अन्दर तो नहीं छूट गया है और बहाव पूर्णरूप से हो रहा है। पाइप इस प्रकार जोड़े जायें कि यह हमेशा अध्यक्ष द्वारा निर्देशित के अनुसार उचित एवं संक्षम हों।

- (4) यदि पाइप ढलवे लोहे वाले सॉकेट पाइप से निर्मित है तो उपयुक्त रूप से रिसाव बंद करने हेतु जोड़ जूट या सूतली और लैड धातु के गैसकिन सहित प्रयोग किया जाये। लैड और गैसकिन की गहराई निम्न प्रकार से निर्धारित होगी :

पाइप का आकार (मि.मी.)	रिसाव बंद करने का स्थल (मि.मी.)	लैड की गहराई (मि.मी.)	लैड का वजन (किलो ग्राम)	सूत का वजन (ग्राम)
80	10	45	1.82	135
100	10	45	2.16	170
150	10	45	3.60	340

- (5) यदि नाली उभारदार पाइपों से निर्मित है तो जोड़ संबंधित विशिष्टताओं में उल्लेखित अनुसार रबड़ या किसी अन्य उपयुक्त जोड़ने वाले पदार्थ के साथ मजबूती से बंद किए जायेंगे।
- (6) सभी पाइपों को कुशलता से जोड़ा जाएगा एवं पाइप के अन्दर किसी दिखाई देने वाले पदार्थ या अनियमितता को सावधानीपूर्वक हटा दिया जाएगा।
23. **नालियों जल-रिसाव रोधी हों :** (1) प्रत्येक नाली को इस प्रकार से निर्मित किया जाएगा, जो ऊँचाई वाली पाइप से कम से कम 1.20 मीटर के दबाव को रोकने के साथ-साथ जल-रिसाव रोधी भी हो।
- (2) किसी नाली को तब तक नहीं ढका जायेगा, जब तक अध्यक्ष की उपस्थिति में इसकी जाँच कर अध्यक्ष द्वारा पास न कर दिया गया हो। जल नाली के पास करने का रिकार्ड किसी पंजीकृत प्लम्बर को दिया जाएगा।
24. **खुदाई :** सभी खुदाइयाँ, जहाँ आवश्यक हों, उपयुक्त रूप से लकड़ी से ढकी हुई होगी।
25. **पाइपों का बिछाना :** (1) ढलुवा लोहे के पाइप से निर्मित सभी भूमिगत नालियों भली प्रकार सख्त भूमि पर बड़े पत्थरों को छोड़कर चयनित पदार्थों से चारों तरफ से भरते हुए तथा पानी छिड़कते हुए उस स्थान पर भली प्रकार कुटाई कर बिछाई जाये।
- (2) जहाँ ऐसी नालियाँ अनुकूल भूमि पर मुलायम या हिलती-डुलती अवस्था में हैं या जहाँ खुदाई वाले स्थान में पानी नज़र आ रहा है तो ऐसी नालियाँ अध्यक्ष के आदेशानुसार सीमेंट कंक्रीट के साथ चारों तरफ से पूर्णतया ठीक रूप में ढक दी जानी चाहिए।
26. **भवनों के नीचे नालियाँ :** कोई भी नाली अध्यक्ष की अनुमति के बगैर भवन के किसी भाग के नीचे से नहीं बहेगी। ऐसे मामलों में लैड के जोड़ों वाली भारी ढलुवा लोहे वाली पाइपों का प्रावधान किया जायेगा। ढलुवा लोहे के पाइप न्यूनतम व्यास 150 मि.मी. या अध्यक्ष द्वारा निश्चित व्यास के अनुरूप होगा। जल निकासी पाइप परिसर के नीचे पूर्ण दूरी हेतु सीधी लाइन में बिछायी जायेंगी तथा नाली के प्रत्येक छोर पर मेनहोल की व्यवस्था की जायेगी। यदि पाइप या उसका कोई भाग भूमि के प्राकृतिक सतह पर बिछाया जाता है तो इसके लिए ईट कंक्रीट का अवलम्बन अवश्य किया जाए एवं इसके नीचे का हिस्सा भूमितल से कम से कम 150 मि.मी. नीचे हो।
27. **दीवार की नीचे नालियों का बचाव :** किसी दीवार के नीचे एक मेहराब/वृत्तखण्ड, पत्थर की सिल्ली या लोहे के सहारे बिछाई गई कोई नाली या सीवर और जिसका वजन जल-निकासी या सीवर पर नहीं पड़ेगा, आघात नहीं करेगा एवं ऐसी नाली या सीवर को किसी प्रकार के अवरोध या अन्य नुकसान को रोकने हेतु पर्याप्त आकार व क्षमता का होगा।
28. **नाली में कोई समकोणी जोड़ नहीं :** भवन की सीवर में मिलने वाली जल-निकासी नालियाँ इस प्रकार निर्मित की जायें कि कोई समस्तरीय या लंबवत् समकोणीय जोड़ न बनें। नालियों के सभी जोड़ समतल बहाव की दिशा में तिरछे घुमावदार होंगे।

मेनहोल (निरीक्षण चैम्बर)

29. **अन्तर्राधक सीवर ट्रैप :** अध्यक्ष द्वारा जब तक अपेक्षित न हो, परिषद् द्वारा स्वामी के खर्च पर गली में बिछाई गई नाली एवं स्वामी द्वारा बिछाई गई पाइप के मध्य कनेक्शन सीवर ट्रैप का

अन्तर्बन्धक करते हुए 150 मि.मी. व्यास के स्टोनवेयर के साथ कम से कम 50 मि.मी. की जल सील छत के ऊपर एवं पाइप के खुली तरफ के सिरे पर 75 मि.मी. का हवा निकलने का पाइप लगाते हुए वायु के संचरण से संबंधित उप-नियमों में दी गई शर्तों का अनुपालन करते हुए एक निरीक्षण चैम्बर निर्मित किया जायेगा।

30. **मैनहोल या निरीक्षण चैम्बर का प्रावधान :** (1) नाली के व्यास या ग्रेडियेन्ट्स सीध के प्रत्येक परिवर्तन पर सीमेंट कंक्रीट पर ईंटों के द्वारा मैनहोल या निरीक्षण चैम्बर का निर्माण किया जायेगा और उसके आन्तरिक भाग पर 15 मि.मी. मोटा रेत-सीमेंट का प्लस्तर किया जाये (एक भाग सीमेंट: 2 भाग रेत) चैम्बर में अर्धवृत्त की चैनल, जो स्टोनवेयर की या सीमेंट कंक्रीट के मिश्रण 1: 2: 4 (एक भाग सीमेंट दो भाग रेत: चार भाग 20 मि.मी. आकार के ग्रेडिड स्टोन) का हो और जल निकासी की चौड़ाई एवं गहराई तक मसाले से चिनाई की जाये। दीवारें भूमि की सतह तक बनाई जायें तथा ढलवे लोहे के वायुरोधी ढक्कन से ढका जाये। जहाँ तक सम्भव हो नालियों में मोड़ और जोड़ मैनहोल में ही हों। मैनहोलों के बीच की दूरी 20 मीटर होनी चाहिए।
- (2) मैनहोल या निरीक्षण चैम्बर के सभी एंगल वृत्ताकार होने चाहिए, जब 15 मि.मी. मोटा सीमेंट का प्लस्तर (एक भाग सीमेंट: दो भाग रेत) द्वारा समतलीकरण किया जा रहा हो।
- (3) किनारों पर पैड़ी इस रूप में बनाई जाये कि किसी दुर्घटनावश चैम्बर में जल भर जाने से जल में किसी प्रकार की छपछपाट का आधार न बने।
- (4) यदि जल निकासी पाइप का व्यास बढ़ाया जाता है तो पाइपों के ऊपरी सिरे को उसी स्तर पर नियत किया जाये और मैनहोल चैम्बर के उल्टी ओर आवश्यक ढलान दी जाये।
- (5) विभिन्न स्तरों की जल निकासी की दो पाइपें मैनहोल में मिलती हैं और मेहराबों के स्तरों का अन्तर 0.60 मी. से अधिक है तो ऊपरी से निचले स्तर का योजन बैक-ड्राप से किया जाये।

31. **चैम्बरों का आकार :** (1) चैम्बर ऐसे आकार के होंगे कि आवश्यक जाँच तथा/नालियों की सफाई में कठिनाई न हो। चैम्बरों का न्यूनतम आन्तरिक आकार निम्न प्रकार से होगा :—

- (क) 75 सें.मी. तक अथवा उससे कम की गहराई का मैनहोल 70 सें.मी. x 70 सें.मी.
 (ख) 75 सें.मी. से 1.50 मी. तक गहरे मैनहोल 0.90 मी. x 0.80 मी.
 (ग) 1.50 मी.—2.10 मी. के मध्य गहराई के मैनहोल—शंकू या गुम्बदीय आकार का मैनहोल जिसका आन्तरिक व्यास निचले भाग पर 1.22 मी. एवं ऊपरी भाग पर 560 मि.मी.
 (घ) 2.10 मी. से अधिक गहराई के मैनहोल—शंकू या गुम्बदीय आकार के मैनहोल जिसका आन्तरिक व्यास निम्नतम स्तर पर 1.52 मी. तथा ऊपरी भाग तक कुल 560 मि.मी.
 (2) 1.20 मीटर से अधिक गहराई वाले सभी मैनहोलों में अध्यक्ष द्वारा स्वीकृत परिमाण एवं लचीले ढलुआ लोहे की पैड़ी होगी।

32. **मैनहोल ढक्कन :** (1) मैनहोल के ढक्कन एवं उनके फ्रेम स्टील रेशे से प्रबलित कंक्रीट या सीमेंट कंक्रीट से प्रबलित या अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित डिजाइन के अनुरूप होगा। आकार इस प्रकार का होगा कि 0.90 मी. गहराई से अधिक वाले मैनहोलों का छेद कम से कम 500 मि.मी. व्यास का होगा या वर्ग या आयत आकार के ढक्कन के मामले में चौड़ाई कम से कम 0.45 मीटर होगी। ढक्कन हवा बन्द, ग्रीस से सील किये हुए तथा फ्रेम के खोंचे में किनारों के साथ ठीक तरह से फिट होंगे तथा अपने फ्रेम में स्थिर स्थिति में होंगे।

2. ढक्कनों के आकारों के लिए फ्रेमों सहित न्यूनतम वजन निम्न प्रकार से है :

- क) सार्वजनिक मार्गों तथा निजी मार्गों तथा सड़क की पटरियों हेतु 500 मि.मी. व्यास
 ख) अहातों तथा भवनों के भीतर :
 600 मि.मी. x 450 मि.मी.

33. **मैनहोल जल रोधी हो :** सभी मैनहोलों (अथवा निरीक्षण चैम्बरों) का निर्माण इस प्रकार किया जाये जो परीक्षण के दौरान जल रोधी हो। इसका परीक्षण मैनहोल (शाफ्ट से पृथक) में जल भर कर किया जाये। मैनहोल में पानी गिरना कम से कम 3 घंटे के लिए 25 मि.मी. से अधिक नहीं होना चाहिए तथा इस अवधि के बाद जल-रोधन के लिए ईंटों की दीवार की जाँच की जायेगी।

34. **भवनों के भीतर निकास नाली हेतु प्रवेश-मार्ग :** (1) भवन के भीतर केवल व्यवसायिक कचरे के संचरण (बहाव) हेतु निकास नाली के अतिरिक्त कोई प्रवेश-मार्ग नहीं बनाया जाये, सिवाय :

- (आई) उपयुक्त ढक्कन के साथ जकड़ी हुई ट्रेप जल नाली।
 (जे) एक प्रवेश-मार्ग, जोकि किसी डब्ल्यू. सी. पैन, स्नानागार, सिंक, मूत्र-विसर्जन पात्र या शौचालय के बेसिन का एक अनिवार्य हिस्सा है।
 (के) किसी अन्य निकास नाली के साथ जुड़ी नाली।

- (2) सिवाय, जहाँ अध्यक्ष संतुष्ट हों, कि यह अव्यावहारिक है, ढके हुए क्षेत्र में किसी मैनहोल की अनुमति नहीं होगी।

मलिन एवं धोवन-जल-पाइप (वेस्ट पाइप)

35. **मलिन जल पाइपों का आकार :** ठोस अथवा तरल मैले का बहाव करने वाला एक मलिन जल पाइप वृत्ताकार होगा तथा उसका आन्तरिक व्यास 100 मि.मी. से कम नहीं होगा।
36. **मलिन जल पाइप भवन के बाहर होने चाहिए :** सिवाय, जहाँ अध्यक्ष संतुष्ट है कि यह अव्यावहारिक है, मलिन जल पाइप भवन के बाहर अथवा उपयुक्त रूप से डिजाइन किए गए पाइप शाफ्टों में नियत होना चाहिए तथा ऊपर की तरफ निरन्तर इसके व्यास में बिना परिवर्तन (सिवाय वहाँ जहाँ यह समान रूप में अपरिहार्य है) बिना किसी मोड़ व एंगल के ऐसी ऊँचाई तथा स्थिति पर होंगे कि इसके खुले अन्तिम छोर से सुरक्षित रूप से दूषित वायु बाहर निकल सके। खुले सिरे की स्थिति तथा ढक्कन इस प्रकार का होगा कि नालियों में वायु संचरण से संबंधित उप-नियमों में निर्धारित शर्तों का अनुपालन हो। बाहरी खोंचे में बिछाये गए पाइप भवन से बाहर हो। जहाँ पाइप शाफ्टों का प्रावधान है, क्रॉस सेक्शन क्षेत्र ऐसा होगा कि शाफ्टों में संस्थापित किए जाने वाले पाइपों का प्रवेश अबाध तथा निर्विघ्न हो तथा क्रॉस खण्ड किसी भी मामले में 0.90 मी. x 0.90 मी. से कम नहीं होगा। सभी पाइप शाफ्टों के लिए प्रवेश मार्ग का प्रावधान भूतल पर एवं वायु संचरण की सुविधा के साथ होगा।
37. **मलिन जल पाइप कनेक्शन :** भवन के अन्दर अथवा बाहर सभी मलिन जल पाइपों को किसी बरसाती जल पाइप अथवा किसी स्नानागार, सिंक अथवा वॉश-बेसिन के धोवन पानी के पाइप से नहीं जोड़ा जायेगा तथा ऐसे मलिन जल के पाइपों में या जहाँ इन्हें जोड़ा गया है, के बीच ऐसी कोई नाली नहीं होगी।
38. **मलिन जल पाइपों के लिए सामग्री :** मलिन जल पाइपों को संगत भारतीय मानक विशिष्टताओं से संबंधित आधुनिक संस्करण की पुष्टि करते हुए लैंड (शीशा धातु), अग्नि-रोधी (ऐस्बेस्टस) सीमेंट या ढलुआ लोहे द्वारा निर्मित किये जायेंगे।
- बशर्तों—** जहाँ भवन के भीतर मलिन जल निकासी पाइप का निर्माण आवश्यक है, तो इसे जोड़ों को भली प्रकार साफ करते सिक्के गला या भारतीय मानक विशिष्टताओं के अनुसार पिघले लैंड के साथ ढलवे लोहे से किया जाये ताकि इस का निर्माण स्पष्ट दिखाई देने वाली उचित झरी काट कर किया जाये ताकि सहज रूप से इन पर कार्य किया जा सके। यदि मलिन, धोवन-जल या वायु संचरण पाइपों को बाहरी दीवारों के बाह्य भाग के अलावा दीवारों की चैसिस में बिछाया जाता है तो पाइपों को भवन के भीतर बिछाया हुआ माना जायेगा।
- (2) भवन के बाहर ढलवे लोहे की मलिन-जल पाइपों के जोड़ों को रस्सी की डोरी द्वारा सीमेंट, उबले हुए अलसी के तेल, सन के टुकड़ों वाले मिश्रण से इसकी दरारों को भरते हुए वायु-रोधी किया जायेगा।
39. **रंग से रंगाई :** यदि मलिन जल के पाइपों की काले रंग के अतिरिक्त किसी अन्य रंग से रंगाई की जाती है तो पाइपों पर निम्न विधि अनुसार रंग किया जाये।
प्रथम कार्यवाही : पाइपों एवं फिटिंग्स पर 'नॉटिंग वार्निश' के दो कोट किए जायें तथा दूसरा कोट पहले कोट के पूरी तरह सूख जाने के बाद किया जाएगा।
दूसरी कार्यवाही : 'नॉटिंग वार्निश' के नीचे वाले कोट के ऊपर सफेद जस्ता रंग से अपेक्षित रंग के साथ कोट किया जाए।
40. **मलिन जल पाइपों के लिए अवलम्बन (सपोर्ट) :** मलिन जल की पाइप भाग को कंकरीट की सतह के ऊपर सशक्त रूप से अवलम्बन (सपोर्ट) देते हुए दीवार के साथ मजबूती से जोड़ दिया जाए। मलिन जल पाइप दीवार की सज्जित सतह से कम से कम 25 मि.मी. की दूरी पर जोड़ा जाएगा तथा केवल अनुमोदित प्रकार के कलैम्प रिंग (होल्डर बैट) का प्रयोग किया जाएगा। कील लगाना (टोकना) निषेध है।
41. **धोवन जल पाइप :** (1) भवन में प्रत्येक स्नानागार, शौचालय, वॉश-बेसिन अथवा सिंक के धोवन या जल के बहाव को निकास नाली में ले जाने हेतु 32 मि.मी. से 50 मि.मी. आन्तरिक व्यास वाली पाइप का प्रावधान करना होगा तथा ऐसे शौचालय, बेसिन या सिंक के नीचे साइफन ट्रेप द्वारा जॉच एवं सफाई हेतु जोड़ा जाए तथा बाह्य हवा में वायु संचरण हेतु खुलेगा, ऐसा करना ट्रेप के सील के संरक्षण हेतु अनिवार्य होगा। ऐसे पाइप, नालियाँ इत्यादि लोहे, लैंड, स्टोनवेयर, अग्निरोधी सीमेंट अथवा ऐसे उपयुक्त पदार्थों द्वारा निर्मित होंगे, जिनका अनुमोदन अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा। बेल ट्रेप ट्यूब ट्रेप अथवा एक डी ट्रेप के नाम से जाने वाले ट्रेप की किसी नाली या शौचालय, बेसिन अथवा सिंक के धोवन जल पाइप से जोड़ते हुए निर्माण नहीं किया जाएगा।

2. यदि सिक्का लैंड पाइप का प्रयोग किया जाता है, वे पूर्णतया एक समान मोटाई के होंगे तथा 40 मि.मी. व्यास पाइप हेतु वजन कम से कम 4.0 कि.ग्रा./मीटर तथा 50 मि.मी. पाइप हेतु 50 कि.ग्रा./मीटर होगा।
3. यदि ढलवा लोहे के पाइपों का प्रयोग किया जाता है तो ढलवा लोहे की डाट एवं साकेट तथा वायु संचारण पाइपों हेतु भारतीय मानक संहिता के संबंधित नियमों का पालन करना होगा।
4. यदि गेलवैनीजैड पाइपों का प्रयोग किया जाता है तो ये इस कार्य हेतु उत्तम गुणवत्ता की होनी चाहिए।
5. यदि अग्निरोधी सीमेंट (एस्बेस्टस) पाइपों का उपयोग किया जाता है तो वे संबंधित भारतीय मानक संहिता के नियमों को पूर्ण करेंगे।

42. **खुली हवा में धोवन-जल पाइपों का विसर्जन :** भवन से धोवन जल को निकास नाली में ले जाने वाली भवन की प्रत्येक पाइप बाहरी दीवार से न्यूनतम व्यवहार्य रूप से सीधी जुड़ी होगी एवं स्थिति तक ढकी बरसाती नाली में विसर्जित होगी। धोवन जल पाइप इतनी ऊँचाई के व्यास में जब अपरिहार्य बिना किसी परिवर्तन के एवं बोर्ड बैंड या एंगल तक रखी जाये, जिससे उसके ऊपरी खुले सिरे से दूषित वायु का सुरक्षित निकास हो एवं खुले सिरे की स्थिति एवं उसकी कवरिंग वायु संचारण से संबंधित उप-नियमों की शर्तों का अनुपालन करते हुए की गई हो। जल को नीचे की ओर ले जाने वाले पाइप का व्यास 75 मि.मी. तथा यह ढलुवा लोहे की होनी चाहिए।
43. **अतिस्त्राव (ओवर-फ्लो) वाले पाइप :** किसी सिस्टर्न से अतिस्त्राव वाले पाइप को परिसर की बाहरी दीवार के साथ-साथ लगाया जाए तथा इस पाइप को खुली तथा सहज स्थिति में छोड़ा जाए ताकि नमी का कारण न बने। अतिस्त्राव पाइप एक ऐसे उपाय द्वारा मच्छर रहित होंगे जो इसके परिचालन कार्य में रुकावट उत्पन्न न करे। अपनाए गए उपकरण अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित अवश्य होने चाहिए।
44. **धोवन जल के पाइप हेतु अवलम्बन (सपोर्ट) :** धोवन जल पाइप मजबूती से दीवार में लगे हों तथा 25 मि.मी. स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए, उचित रूप से कलेम्प रिंग (होल्डर बेट) द्वारा लगाए जाए, बशर्त हमेशा कि यह पर्याप्त होगा कि पाइप इस प्रकार दीवार के साथ सुरक्षित हो, जिसे अध्यक्ष द्वारा सामान रूप से उपयुक्त एवं ठीक समझा जाता है।

मलिन जल पाइप, धोवन जल पाइप तथा वायु संचारण पाइप का संयोजन (कनेक्शन)

45. **पाइप तथा जोड़ वायु-रोधी हो :** (1) सभी मलिन जल पाइप, धोवन जल के पाइप वायु संचारण पाइप तथा अन्य सभी पाइप, जो भूमि से ऊपर हों, धुँआ उत्पादित कर या उसमें डालकर, अध्यक्ष के समक्ष पूर्णतया वायु रोधी सिद्ध करने होंगे।
(2) प्रत्येक लाइसेंसधारी प्लम्बर के लाइसेंस की यह शर्त होगी कि वह धुँआ जॉचने वाली मशीन रखे, जिस पर परिषद् की संख्या के साथ अमिट स्टाम्प लगी होगी, जो ऐसी संख्याओं का रिकार्ड रखेगी।
46. **लैंड एवं लोहे के जोड़ :** जहाँ किसी लैंड धोवन जल पाइप, वायु संचारण पाइप अथवा ट्रेप को किसी लोहे की पाइप अथवा निकास नाली से जोड़ा जाता है, तो ऐसे धोवन जल पाइप तथा ऐसी लोहे की पाइप के मध्य तौबे या पीतल के काँटेदार छल्ले में डाले जायें और ऐसे लैंड के धोवन जल पाइप से साफ करते हुये जोड़ा जायेगा। ऐसे लोहे के पाइप या निकास नाली के साथ जिन्हें पिघले लैंड के साथ उचित-झिरी काटते हुए एक समय में प्रत्येक जोड़ की एक तरफ से उड़ेलते हुये सतह समतल करते हुए लैंड की पर्याप्त मात्रा से बंद कर दिया गया हो।
47. **स्टोनवेयर एवं लैंड के पाइप के जोड़ :** जहाँ स्टोनवेयर या अर्द्ध काँच रूपांतरित पाइप, जो लैंड के मलिन जल पाइप या धोवन जल पाइप या ट्रेप से सीवर से जुड़े हों, वहाँ ऐसे स्टोनवेयर या काँच रूपांतरित पाइप एवं ऐसी दूषित जल पाइप, मलिन जल पाइप या ट्रेप के साथ तौबे, ढलुवा पीतल या अन्य उपयुक्त धातु का साकेट जोड़ दिया जाए, जिसे ऐसे स्टोनवेयर या काँच रूपांतरित या पाइप के साथ जोड़े गये पाइप के जोड़ के एक भाग में पोर्टलैण्ड सीमेंट एवं तीन भाग रेत के मसाले के साथ लैंड के धोवन जल पाइप, मलिन जल पाइप या ट्रेप के साथ धातु के जोड़ की तरह जोड़ा जाये।
48. **ढलुवा लोहे एवं स्टोनवेयर के पाइपों का संयोजन :** जहाँ ढलुवा लोहे का मलिन जल पाइप, धोवन जल पाइप, वायु संचारण पाइप या ट्रेप स्टोनवेयर या अर्द्ध काँच के पाइप या नाले को साकेट के द्वारा जोड़ा जाये और जोड़ एक भाग पोर्टलैण्ड सीमेंट एवं तीन भाग रेत के मसाले से लगाया जाये। जहाँ कोई डब्ल्यू.सी. पैन या स्टोनवेयर के ट्रेप को ऐसे पैन के साथ ढलुवा लोहे के साथ जोड़ा जाता है तो स्टोनवेयर के डाट और ढलुवा लोहे का साकेट लचीली प्रकृति का हो। ऐसे जोड़ बिटुमन एवं अग्निरोधी फाइबर के टुकड़े (डस्ट नहीं) के मिश्रण या सीमेंट पुट्टी अर्थात् सीमेंट, दो बार अबसा हुआ अलसी के तेल के साथ सन (हेम्प) के टुकड़ों के मिश्रण से बनाये जायें।

जल-निकासी नालियों में वायु-संचारण

49. **वायु-संचारण के लिए नालियों में खुला स्थान छोड़ना :** निकास वायु संचारण पाइप नाली जिसका उद्देश्य भवन से गंदे पानी को बहा ले जाना होता है, निम्न स्थानों पर न्यूनतम निर्दिष्ट आकार की ढलुआ लोहे या जी.आई. वायु संचारण पाइपों का प्रावधान होगा:-
- क) घर की नाली जहाँ पालिका परिषद् की सीवर से मिलती है, उस सीवर ट्रेप चेम्बर तक लगाने के लिए 75 मि.मी. व्यास की वायु संचारण पाइप या इतनी ही क्षमता की पाइप ।
- ख) प्रत्येक पाइप नाली के ऊपर लगाने के लिए 75 मि.मी. व्यास की वायु संचारण पाइप या इतनी ही क्षमता की पाइप उपनियम-51 में निर्दिष्ट ऊँचाई तक लगाई जानी चाहिए ।
50. **वायु संचारण पाइप या शाफ्ट के खुले सिरे की स्थिति:-**
प्रत्येक नाली से सीधे खड़ी दिशा में इतनी ऊँचाई तक ऐसी पाइप या वायु संचारण शाफ्ट इतनी ऊँचाई तक ले जाई जाए ताकि उससे दूषित हवा का सुरक्षित निष्कासन हो और यथासम्भव परेशानी कम हो ।
50. **वायु संचारण पाइप :** (1) परिसर के मलिन जल के बहाव वाली पाइप के साथ कम से कम एक वायु संचारण पाइप लगी हो, जो व्यावहारिक रूप से भवन के पास तथा जो पाइप मलिन जल को सीवर में ले जाने वाली पाइप अथवा अन्य साधन से यथासम्भव दूरी पर होनी चाहिए, जहाँ नाली जाकर रिक्त होती है ।
- (2) वायु संचारण पाइप या शाफ्ट मकान की छत के ऊपरी छप्पर से 60 से.मी. ऊपर या छत वाली खिड़की या मुँडेरदार दीवार की स्थिति में इस पाइप को छत की मेड़ या खिड़की से 2 मी. ऊपर तक ले जाया जाए ।
- (3) समतल छत 20 मीटर से अधिक एवं जहाँ पहुँचना सम्भव हो तो वहाँ पर इसकी मुँडेर से ऊँचाई कम से कम 3 मी. के क्षैतिज दूरी पर स्थित खिड़की के ऊपर कम से कम 2 मी. ऊँचाई तक ले जाया जाए तथा किसी भी मामले में इसकी ऊँचाई कुर्सी स्तर से कम से कम 3 मी. ऊँची होनी चाहिये ।
- (4) यदि पड़ोसी भवन ऊँचा है तो वायु संचारण पाइप की पड़ोसी भवन की छत, जहाँ भी सम्भव हो, से ऊँचा होना चाहिए ।
52. **खुली नालियों को जाली या ढक्कन द्वारा सुरक्षित करना :**
- (1) एतदपूर्व उल्लेखित किसी प्रकार की व्यवस्था के अनुसार यदि किसी खुले स्थल का प्रावधान किया गया है, पाइप के किसी प्रकार की अड़घन या नुकसान को पाइप के खुले स्थान से किसी पदार्थ के अन्दर जाकर रोकने हेतु जाली छिद्रक, ढक्कन, तार की गुम्बद या किसी अन्य उपयुक्त ढक्कन से ढक दिया जाएगा ।
- (2) ऐसी जालियों या ढक्कनों को इस प्रकार निर्मित कर रखा जाये कि इसमें वायु संचारण के लिए पर्याप्त संख्या में छिद्र हों, खुले स्थान, जिस पर जाली या ढक्कन लगाया जाना है, की पाइप या वायु संचारण शाफ्ट के आशिक क्षेत्र से कम न हो ।
53. **पाइपों में एंगल या मोड़ न हों :** अपरिहार्य कारण को छोड़कर इससे पूर्व उल्लेखित किसी भी व्यवस्था में कनेक्शन में प्रयुक्त किसी भी पाइप या वायु संचारण शाफ्ट में कोई एंगल या मोड़ नहीं बनाया होगा ।
54. **वायु संचारण पाइपों का आकार :** वायु संचारण के उद्देश्य हेतु प्रयुक्त प्रत्येक पाइप व वायु संचारण शाफ्ट का व्यास न्यूनतम 75 मि.मी. या समकक्ष अनुभागीय क्षेत्र के समकक्ष की पाइप होनी चाहिए ।
55. **जहाँ पर पृथक वायु संचारण पाइप अपेक्षित नहीं :** किसी निकास नाली के सिरे पर वायु संचारण पाइप के पृथक प्रावधान की अपेक्षा नहीं है, यदि उपनियम-51 के अन्तर्गत निर्दिष्टानुसार ऊँचाई तक एक दूषित वायु निकास पाइप का प्रावधान किया गया है ।
56. **वायु संचारण पाइपों या शाफ्ट के लिए सामग्री :** एतदपूर्व उल्लेखित अनुसार व्यवस्था से संबंधित प्रत्येक पाइप या वायु संचारण शाफ्ट ढलुवा लोहे या जस्ती लोहे का होगा । इस पाइप या वायु संचारण शाफ्ट का सबसे ऊपरी भाग माइल्ड स्टील बायलर ट्यूब का हो ।

57. **शौचागार नाली (वाटर क्लोसेट ट्रेप) में वायु संचारण-एन्टीसाइफन के विरुद्ध प्रावधान :**
उन सभी मामलों में जहाँ पर एक के ऊपर एक शौचागार हों तो सबसे ऊपर के शौचागार को छोड़कर सभी शौचागारों से 50 मि.मी. आकार का एक एन्टीसाइफन पाइप छत के ऊपर की ऊँचाई तक ले जाया जाये और इसकी ऊँचाई उपनियम-51 में निर्दिष्टानुसार हो । यह भूतल पर भवन की जल-निकासी पाइप से जुड़े, अर्थात् सांझी मलिन जल निकासी पाइप से शौचागार पर लागू नहीं होगा । एन्टीसाइफन पाइप ऐसी ट्रेप से जोड़ी जाएगी, जो ट्रेप के उच्चतम भाग से 75 मि.मी. से कम तथा 300 मि.मी. से अधिक न हो तथा जोकि जल-सील की तरफ तथा मलिन जल पाइप के समीपस्थ हो ।

खुली नालियाँ :

- 58 खुले नालों व सतही जल निकासी नालियों का निर्माण :
- (1) किसी भी स्थिति में घर के मलिन जल की निकासी गली के सीवर में होने के लिए कोई नाली घर के अन्दर किसी भी स्थिति में खुली नहीं होगी । सभी खुली निकास नालियाँ या सतही जल-निकासी नालियों का निर्माण सीमेंट कंकरीट मिश्रण से (1 भाग सीमेंट, 2 भाग रेत, 4 भाग सामान्य गिट्टी 20 मि.मी.) अच्छी तरह से उचित आकार की जल निकासी मार्ग तथा सीमेंट मसाले से प्लास्टर कर बनाये जायें या सीमेंट के मिश्रण या अर्धवृत्ताकार स्टोनवेयर के सॉकेट वाले जल निकासी मार्ग, जिसमें दोनों तरफ कम से कम 75 मि.मी. चौड़ाई एवं न्यूनतम 75 मि.मी. गहरी सतह बिछाते हुये तैयार किया जाये । जल निकासी मार्ग के ऊपर नाली को सीमेंट मसाला (1 भाग सीमेंट, 2 भाग रेत) के साथ 20 मि.मी. मोटा सीमेंट का प्लास्टर करते हुए निर्मित किया जाये ।
 - (2) कोई भी नाली न्यूनतम 75 मि.मी. गहराई और 75 मि.मी. चौड़ाई से कम निर्मित न की जाये और सभी नालियों की चौड़ाई एक समान परिमाण की हो ताकि सफाई की सभी आवश्यकताओं को पूरा कर सके और इन नालियों का ऐसी सामग्री से निर्माण किया जाए कि समय-समय पर सारा मलिन जल खुले नाले में चला जाए ।
 - (3) यदि आवश्यक हो तो कर्ब 75 मि.मी. से कम चौड़ाई के साथ जुड़ी भूमि की सतह से ऊपर या अपेक्षित ऊँचाई तक बनाई जाए ।
59. **ट्रेप एवं गाद ग्राही :**
खुले नालों के सिरे पर 60 सें.मी. लम्बे, 20 सें.मी. चौड़े और नाले की तलहटी से 30 सें.मी. गहरे गाद-चैम्बर का निर्माण किया जाये, जिसमें खुले नाले से गाद-चैम्बर के मध्य 400 मि.मी. आकार का ढलवे लोहे की लम्बवत् जाली का निर्माण किया जाये । इसका विसर्जन निरीक्षण चैम्बर से जुड़े ट्रेप में हो ।
60. **ऊँचे स्थानों पर बने घर की जल-निकासी :**
यदि किसी घर की सतह खुले नाले की सतह से काफी ऊँचे होने की स्थिति में भूतल के सभी धुलाई वाले स्थलों के जल का निकास 75 मि.मी. विसर्जन पाइप से खुले नाले में हो तथा इस पाइप को इतने नीचे तक लाया जाए ताकि जल में उछाल पैदा न हो ।
61. **भू-सतह पर पटरी :**
घर की सभी बरसाती नालियों की सतह उपयोग में नहीं आई या खुली नालियों के लिए प्रयुक्त हुई, उन पर तैयार किये नीले पत्थर या भारतीय पेटेंट पत्थरों या अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित पत्थरों से पटरी बनाई जाए । बरसाती नाले की निचली सतह पर जहाँ भिन्न निकास पद्धति है, चाहे मलिन जल या सीवर के लिए खुला नाला बीच में या एक ओर आता हो, पर एक घेरा बनाया जाये ताकि सीवेज के सामान्य प्रवाह का विसर्जन निरीक्षण-चैम्बर में हों तथा बरसात का पानी उछलकर खुले में आकर बरसाती नाले में चला जाए ।
62. **शौचागार को खुली नालियों के साथ न जोड़ा जाए :**
कोई शौचागार या मल को हटाने की व्यवस्था को जल के बहाव से न किया जाये तथा खुले नाले से न जोड़ा जाए ।
63. **खुली निकास-नालियों आदि हेतु उपनियम :** उपनियम 58 से 62 के प्रावधान सभी खुली निकास नालियों या परिषद् के सीवर प्रणाली से जुड़े अन्य समान प्रकृति के कार्यों हेतु लागू होंगे ।

ट्रेप

64. **प्रवेश द्वार को ट्रेप किया जाना :** (1) पाइप नालों में खुलने वाले सभी प्रवेश द्वार, उपनियम-50 के अन्तर्गत बने हुए को छोड़कर, सक्षम ट्रेपों से ट्रेप कर इस प्रकार निर्मित किये जाएं कि 50 मि. मी. की पर्याप्त जल सील को बनाये रखने में समर्थ हो ।

- (2) ऐसी किसी नाली का निर्माण या कोई ट्रैप फिक्स नहीं की जाएगी, जिसका ढक्कन हटाने से वह सील रहित हो जाये।
65. **नालियाँ एवं परनाले (ट्रैप और गुल्लियाँ) :**
- (1) सभी परनाले (बरसाती नालियाँ) ट्रैप, फ्रेटिंग, ढक्कन या दूसरे उपकरण अध्यक्ष महोदय द्वारा स्वीकृत पद्धति, आकार और गुणवत्ता के होंगे। सभी स्टोनवेयर की बरसाती नालियाँ सीमेंट कंकरीट के न्यूनतम 100 मि.मी. मोटाई के मिश्रण पर (सीमेंट-1; खुरदरा रेत-2; यथासंभव ऊँचाई पर बनी 20 मि.मी. सामान्य आकार की पत्थर गिट्टी-4 की सतह पर यथासंभव वाली ऊँचाई पर रखी जाएगी एवं पूर्णतया कंकरीट से जुड़ी हो।
- (2) सभी परनाले ट्रैपों को उचित आकार की लोहे की जाली से ढका जाएगा। जब कभी इस संबंध में अध्यक्ष द्वारा निर्देश दिया जाता है तो अनुमोदित आकार का कब्जेदार ढक्कन लगाया जायेगा।
66. **विच्छेदित ट्रैप :-**
- जब तक अध्यक्ष के अन्यथा आदेश न हों, किसी भवन की निकास नाली, जो तत्काल किसी सीवर से जुड़ी है, ऐसी निकास नाली में सबसे नीचे की नाली पर भवन से इतनी दूरी पर विच्छेदन ट्रैप का प्रावधान किया जाएगा जो कि सीवर से इतनी समीप हो कि सीवर से संयोजन के लिए व्यावहारिक हो।
- (2) ऐसी प्रत्येक ट्रैप को सफाई के उद्देश्य के लिए यथोचित सुविधाजनक तरीके से लगाया जाए।
67. **फर्श ट्रैप :**
- अध्यक्ष के अनुमोदन पर भारतीय रसोई घर से निकला धोवन जल (जहाँ सिंक प्रयोग नहीं होता है तथा स्नानागार से निकले धोवन जल के निकास के लिए एक फर्श ट्रैप का प्रावधान किया जाएगा। फर्श ट्रैप को उचित जाली से ढका जायेगा। भू-तल होने की स्थिति में यह धोवन जल स्टोनवेयर के बने परनाले से 75 मि.मी. सी.आई. पाइप से विसर्जित होगा और प्रत्येक नीचे वाला या दूषित जल पाइप को बरसाती नाली में विसर्जित होने वाली नाली विच्छेदन द्वारा बरसाती नाली के पाइप से विच्छेदित की जाएगी।
68. **फर्श के ट्रैप के लिए वायु संचारण :**
- यदि ऊपरी तल के फर्श ट्रैप सीधे ही धोवन जल के पाइप से जुड़े हो, तो इस पाइप के व्यास में कमी किये (जब तक अपरिहार्य न हो) बिना किसी मोड़ और कोण के इतनी ऊँचाई और सीध में लगाया जाए कि उस पाइप के ऊपरी सिरे से दूषित वायु सुचारु रूप से बाहर निकालने के लिए हो और उस पाइप के ऊपरी अंतिम सिरे के लिए वायु संचारण सम्बन्धी उपनियमों की शर्तों का पालन करते हुए ढक्कन लगाया गया हो।
69. **फर्श ट्रैप के चारों ओर फर्श :**
- जहाँ कहीं किसी फर्श ट्रैप में फर्श ट्रैप का प्रावधान किया जाता है तो फर्श ट्रैप के चारों तरफ फर्श सख्त, समतल और अगम्य पदार्थ से बनाया जाये तथा उसका ढलाव फर्श ट्रैप की दिशा में हो।
70. **सिंक के धोवन जल को फर्श ट्रैप में न डाला जाए :**
- सिंक की ट्रैप फिटिंग के यथासंभव समीप से पृथक गाद तथा उसके जल का विसर्जन बाहर से होगा तथा उसका संयोजन नीचे जाने वाली धोवन जल की पाइप या बरसाती नाली (विसर्जन) से जोड़ा जाए।

बरसाती जल निकासी

71. **बरसाती जल निकास का पृथक प्रावधान :**
- उन क्षेत्रों को छोड़कर, जहाँ जल निकासी की संयुक्त प्रणाली प्रचलित है समस्त वर्षा जल को बरसाती जल निकासी में मोड़ दिया जाएगा जो कि पालिका के किसी खुले सीवर से जोड़ने से दूर रखा जाएगा और पुनः ऐसे कर्ब या अन्य उपकरणों का, आवश्यकतानुसार प्रावधान कर रखरखाव किया जाये ताकि

वर्षा के समस्त जल को बरसाती जल निकासी में जाने से रोका जायेगा बरसाती जल निकासी अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित स्थान पर विसर्जित होगी।

72. **बरसाती जल निकासी का डिज़ाइन :-**

जहाँ बरसाती जल निकासी को पालिका परिषद् के बरसाती जल नाले में डालने के लिये वर्षा जल की विसर्जन नाली आवश्यक है, तो ऐसे नालों का डिज़ाइन अध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट उसमें पड़ने वाले वर्षा जल के दबाव के अनुसार होगा। प्रत्येक पृथक भूखण्ड के लिए पृथक बरसाती नाली हो, जो कि खुली या बन्द पालिका परिषद् नाले से संयोजित होगी। ढके नाले तक जोड़ा जाने वाला ऐसा संयोजन पाइप के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें आरम्भ में ही जाली की व्यवस्था होगी तथा उसका ढलाव स्तर संबंधित संग्रहित नाले से नीचा नहीं होगा। भूखण्ड से आने वाले बरसाती जल की नाली में कोई बहाव नहीं होगा।

निचली सतह की जल निकासी

73. **निचली सतह के मिट्टी की जल निकासी :-**

प्रत्येक नये भवन के स्थल की निचली सतह से जल की सुचारु निकासी उपयुक्त स्टोनवेयर के माध्यम से उचित मुहाने तक होगी। जब कभी भी स्थल में नमी वाली मिट्टी होती है तो ऐसी सावधानी आवश्यक है।

74. **मिट्टी की निचली सतह की निकासी में ट्रैप का प्रावधान :**

कोई फिल्टर पाइप को ऐसी पद्धति अथवा ऐसी स्थिति में न बिछाया जाए जो कि सीधे किसी सीवर से जुड़ा हो अथवा किसी ऐसी नाली के साथ निर्मित न हो, पूर्णतः अपरिहार्य को छोड़कर, जो सीवर से पद्धति की सुगमता के लिए बनाई गई हो और ऐसे मामले में मिट्टी मिली जल नाली व सीवर के बीच सक्षम व उचित ट्रैप लगा दिया जाए।

75. **मिट्टी की निचली सतह की जल निकास नाली पर ट्रैप के खुलने के स्थान पर वायु संचारण :**

(1) मिट्टी की निचली सतह के जल में ट्रैप वाले स्थान पर यथासंभव ट्रैप के समीप वायु संचारण के लिए खुले स्थान का प्रावधान रखा जाएगा ताकि नाली का खुली वायु से सीधा सम्पर्क बना रहे।

(2) वायु संचारण मार्ग का प्रावधान उपनियम-52 में निर्दिष्ट अनुसार उपयुक्त जाली के साथ किया जायेगा।

76. **ट्रैप तथा सीवर के मध्य मिट्टी की निचली सतह की जल निकासी :-**

ट्रैप और सीवर के मध्य मिट्टी की निचली सतह की जल निकासी का निर्माण सीवर के संबंध में उपनियमों में निर्दिष्ट पद्धति के अनुसार किया जाएगा।

शौचागार (वाटर क्लोसेट)

77. **शौचागार (वाटर क्लोसेट) तथा शौचालय का प्रावधान :**

कोई भी व्यक्ति निम्न पद्धति व स्थिति में शौचागार या शौचालय का निर्माण नहीं करेगा :-

(ए) शौचालय-शौचागार (वाटर क्लोसेट) या रास्ता या स्नानागार के स्थान, स्नानघर या छत को छोड़कर किसी कक्ष या भवन के भाग के नीचे प्रत्यक्षतः नीचे या ऊपर निर्माण नहीं करेगा। बशर्ते कि अध्यक्ष महोदय अपेक्षाओं के बिना संचालित करें यदि वह संतुष्ट है कि जिस फर्श पर शौचागार (वाटर क्लोसेट) या शौचालय का निर्माण किया जाना है, उसकी सामग्री मिश्रण या उसकी मोटाई पूर्णतः गिराव रोधी तथा अप्रभावित होने वाली अर्थात् अभेद्य है।

(बी) किसी कुँआ अथवा टैंक अथवा जल प्रवाह से जो कि (प्राकृतिक या मानव निर्मित) मानव उपयोग या घरेलू प्रयोजनों के लिए अथवा किये जाने की संभावना है उनसे 6.0 मीटर की दूरी के भीतर निर्माण नहीं करेगा अन्यथा कुँए, स्रोत, टंकी या जल प्रवाह को प्रदूषित कर देगा।

78. गंदे जल, मूत्रालय, जल वाहित शौचालय तथा शौचागार (वाटर क्लोसेट) तथा ढलाव युक्त सिंक के जल को ग्रहण करने वाले पात्र की स्थिति :

किसी प्रकार के ठोस या द्रव्यीय गंदे जल को ग्रहण करने हेतु प्रयोग किया जाने वाला प्रत्येक पात्र शौचागार (वाटर क्लोसेट) या जल वाहित शौचालय में स्थित होगा।

79. शौचागार (वाटर क्लोसेट) में प्रवेश :-

- (1) किसी भी शौचागार का निर्माण नहीं किया जाएगा जो प्रत्यक्षतः किसी ऐसे कक्ष से जुड़ा हो, जो मानव उपभोग हेतु खाद्य उत्पादन, निर्माण अथवा भंडारण अथवा फैक्ट्री कार्यशाला अथवा कार्यस्थल के रूप में प्रयोग किया जा रहा है।
- (2) प्रत्येक शौचागार या जल वाहित शौचालय, जिसे प्रत्येक प्रयोगकर्ता फ्लश नहीं कर सकता हो, उसका निर्माण इस प्रकार किया जाए कि उसमें केवल खुले स्थान से प्रवेश किया जा सकता हो।

80. शौचागार (वाटर क्लोसेट) और जल वाहित शौचालय के निर्माण का तरीका :-

(1) प्रत्येक शौचागार (वाटर क्लोसेट) के फर्श का न्यूनतम क्षेत्र 1.20 वर्ग मीटर तथा न्यूनतम चौड़ाई 1.05 मीटर होगी। शौच के प्रयोजन हेतु प्रत्येक जल वाहित बहुउद्देशीय अथवा सार्वजनिक शौचालय खण्ड, का न्यूनतम माप 90 सेंटीमीटर x 105 सेंटीमीटर होगा।

(2) यदि शौचागार (वाटर क्लोसेट) या जल वाहित शौचालय की कोई दीवार उस कमरे के साथ सांझी है, जिसमें मानव उपभोग के लिए खाद्य सामग्री का उत्पादन, निर्माण या भंडारण या फैक्ट्री या कार्यशाला या कार्य-स्थल के रूप में प्रयुक्त होता हो तो शौचागार (वाटर क्लोसेट) या शौचालय को ईट-चिनाई की एक ठोस दीवार अथवा विभाजन द्वारा विभक्त किया जायेगा तथा जो फर्श से छत तक पूर्णतः ऊँचा हो।

(3) प्रत्येक भारतीय प्रकार के शौचागार (वाटर क्लोसेट) या जल वाहित शौचालय में ठोस, समतल और रिसाव-रोधी सामग्री से बने फर्श का प्रावधान किया जायेगा, धुलाई हेतु पात्र की दिशा में नीचे की तरफ 12 मि.मी. की ढलान होगी। सभी शौचागार (वाटर क्लोसेट) या शौचालय में उचित दरवाजे और साज-सज्जा का प्रावधान होगा।

(4) तल पर बने सभी जल युक्त शौचागार अथवा जल वाहित शौचालय फर्श भूमि से कम भूमि से कम 150 मि.मी. की ऊँचाई पर होने चाहिए।

81. शौचागार (वाटर क्लोसेट) में खिड़कियाँ :

(1) प्रत्येक शौचागार (वाटर क्लोसेट), जिसकी एक दीवार गली या आँगन या खुले स्थान की ओर हो उस दीवार की तरफ एक वर्ग मीटर से कम न हो, की खिड़की निर्मित की जायेगी, जो प्रत्यक्षतः खुली हवा में खुले।

(2) उपयुक्त बरामदा या बन्द बरामदे को छोड़कर उक्त बाह्य खुली हवा में बरामदा सम्मिलित नहीं है।

82. शौचागार (वाटर क्लोसेट) में वायु संचारण :

प्रत्येक शौचागार (वाटर क्लोसेट) में पर्याप्त व स्थाई वायु संचारण के लिये बाह्य दीवार में खुला स्थान रखते हुए वायु शाफ्ट या किसी उपकरण अथवा अन्य प्रभावी पद्धति द्वारा प्रावधान किया जायेगा। इस तरह का सतत वायु संचारण क्षेत्र 0.50 वर्ग मीटर से कम नहीं होगा।

83. शौचागार (वाटर क्लोसेट) में जल बहाव (फ्लशिंग) हेतु पानी की टंकी :

(1) प्रत्येक शौचागार (वाटर क्लोसेट) के साथ जल बहाव (फ्लशिंग) के प्रयोजनार्थ पर्याप्त क्षमता की जल टंकी लगी होगी। जिसकी न्यूनतम क्षमता 12.5 लीटर और जब तक अध्यक्ष की अनुमति न हो तो इस टंकी की क्षमता 15 लीटर से अधिक नहीं होगी, जो कि पेय जल हेतु प्रयुक्त टंकी से भिन्न व अलग होगी और इस तरह से निर्मित और फिट की गई होनी चाहिए कि शौचागार में ऐसी जल आपूर्ति हेतु जल सीधा प्रवेश करे, इसलिए भवन के किसी सर्विस पाइप और शौचागार के जल बहाव टंकी के अतिरिक्त किसी उपकरण से योजन नहीं होना चाहिए।

(2) 'निम्न स्तर' के जल बहाव टंकी के मामले को छोड़कर टंकी की तली से न्यूनतम 1.5 मीटर की ऊँचाई तक जल प्रवाही पाइप का जल बहाव के लिए प्रावधान किया जाएगा।

(3) प्रत्येक ऐसी जल टंकी के लिए एक उचित बाल कॉक और स्टाप कॉक का आपूर्ति पाइप में प्रावधान किया जायेगा और जब तक अध्यक्ष के आदेश अन्यथा न हों, अतिरिक्त बहाव वाले पाइप के साथ एक ऊपरी पाइप को खुली हवा में खुला रखा जाए, परन्तु किसी आन्तरिक जल निकासी या बरसाती जल नाली के ऊपर न हो।

84. जल बहाव टंकी (फ्लशिंग) मच्छर रोधी हो :

सभी जल बहाव टंकियाँ (सिस्टर्न) मच्छर-रोधी होनी चाहिए।

85. शौचागार (वाटर क्लोसेट) के लिए टैंक :

(1) प्रत्येक शौचागार या शौचालय में निम्न क्षमता की बन्द आरक्षित टैंक का प्रावधान किया जायेगा :

(अ) पहली पाँच सीटों के लिए 300 लीटर क्षमता/प्रति सीट

(ब) 6 तथा 20 सभी सीटों के लिए 200 लीटर/प्रति सीट
तथा

(स) 20 से अधिक सीटों पर 150 लीटर/प्रति सीट

(2) प्रत्येक ऐसा टैंक जस्टेदार लोह से बना होना चाहिए, जिसकी मोटाई 14 बर्मिंघम वायर गेज से कम न हो या अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित अन्य पदार्थ से टैंक बना हो।

(3) ऐसे आरक्षित टैंक से शौचागार (वाटर क्लोसेट) या शौचालय के अलावा किसी अन्य कार्य के लिए कनेक्शन नहीं लिया जाना चाहिए।

86. जल बहाव (फ्लश) पाइप :

जल बहाव टंकी के साथ पैन, बेसिन कुण्ड या अन्य पात्र के साथ संयोजित पाइप लैंड का बना हो जिसके साथ शौचागार (वाटर क्लोसेट) या शौचालय का प्रावधान किया जाये, ऐसी पाइप और यूनिथन या उम भाग का आंतरिक व्यास 32 मि.मी. से कम न हो और यथा-सम्भव खड़े रूप में फिक्स तथा निर्मित किया जायेगा। जल बहाव (फ्लश) पाइप जल प्रवाही टंकी (फ्लशिंग सिस्टर्न) के साथ ब्रास यूनिथन और प्लम्बर्स वाईर्ड जोड़ से जुड़ा हो और शौचागार (वाटर क्लोसेट पान) के साथ उबले हुये रेड लैंड का तेल एवं सीमेंट (रेड लैंड बायल्ड आयल) द्वारा जुड़ा हो, बशर्त कि अध्यक्ष जिसे भी वह उचित समझे, लैंड पाइप के स्थान पर जस्टेदार लोह के पाइप की अनुमति दें।

87. शौचागार (वाटर क्लोसेट) के उपकरण :

शौचागार (वाटर क्लोसेट) के साथ उपयुक्त उपकरण से किसी पैन, बेसिन कुण्ड या अन्य पात्र को प्रभावी जल-प्रवाह हेतु सुसज्जित किया जायेगा तथा ऐसे उपकरण पैन, बेसिन या अन्य पात्र में प्रभावी जल प्रवाह (फ्लशिंग) व सफाई के लिए और इसके साथ जुड़े ट्रेप में जमा ठोस या द्रव्यीय गंदगी का समय-समय पर प्रभावी व तुरन्त प्रवाह होता रहे।

88. **शौचागार (वाटर क्लोसेट) पैन, कुण्ड अथवा अन्य पात्र :**
 शौचागार (वाटर क्लोसेट) चिकने कांचीय ग्लेज्ड अशोषक पदार्थ से बने पैन कुण्ड, बेसिन, अन्य पात्र से सुसज्जित होंगे और उसका आकार, क्षमता इस प्रकार से होगी, कि उसमें पर्याप्त पानी आ सके और समय-समय पर ऐसे पैन, बेसिन, कुण्ड व अन्य पात्र से जल प्रवाह (फ्लशिंग) से जो गन्दा पानी आता है, वह किसी हिस्से पर बिना गन्दगी छोड़े पात्र को पूर्णरूपेण सहज साफ कर दे।
89. **साइफन ट्रेप :**
 ऐसे पैन, बेसिन, कुण्ड या अन्य यथोचित पात्रों के एकदम नीचे या इसके सम्पर्क में साइफन ट्रेप का निर्माण किया जाए ताकि हर समय किसी नाली या मलिन जल की पाइप और ऐसे पात्र, बेसिन या अन्य उचित पात्रों के मध्य यह एक जल-सोल का कार्य करेगा। शौचागार (वाटर क्लोसेट) उपकरणों के साथ डी-ट्रेप या कोई ऐसे ट्रेप का निर्माण या फिटिंग न की जाए, जो अपने आप साफ (सेल्फ क्लीनिंग) न हो सके।
90. **शौचागार (वाटर क्लोसेट) व मलिन जल के पाइप का संयोजन (कनैक्शन) :**
 (1) ढलवा लोहे से बना मलिन जल पाइप की शाखा और शौचागार के मध्य बैंड लैड या ढलवा लोहे से बना होगा। प्रथम बैंड के मामले में तथा पाइप का व्यास 100 मि.मी. हो और उसका भार 10.90 कि.ग्रा. प्रति मीटर से कम का न हो। धातु की मोटाई अनुमानतः 3 मि.मी. और 3.17 कि.ग्राम लैड की शीट के बराबर होगी। लैड बैंड का कनैक्शन पीतल के फैरूल से होगा जो लैड पाइप से जुड़ा होगा तथा चीनी-मिट्टी के ट्रेप एवं पीतल के फैरूल के मध्य जोड़ सीमेंट उबले आयल एवं सूत का बना होगा। ढलवा लोहे के बैंड ब्रिटिश मानक विशिष्टता संख्या 78-1938 के अनुसार होंगे।
 (2) मलिन जल पाइप और शौचागार (वाटर क्लोसेट) के मध्य कनैक्शन ट्रेप सफाई के उद्देश्य से दीवार की बाहरी ओर लगे स्कू-कैप के साथ फिट किये गये पाइप के साथ होगा।
91. **पात्र फिक्स न किये जाएँ :**
 किसी भी पात्र, जल टंकी (सिस्टर्न) या शौचागार के किसी उपकरण के चारों ओर लकड़ी अथवा अन्य सामग्री का ढाँचा फिक्स न किया हो।
92. **शौचागार (वाटर क्लोसेट) और शौचालय (लैट्रिन) की दीवारें :**
 भारतीय किस्म के प्रत्येक शौचागार (वाटर क्लोसेट) या शौचालय (लैट्रिन) की दीवार प्लेटफार्म से 0.90 मीटर से कम की ऊँचाई पर पक्की ईंटों से निर्मित की जाएगी, जिस पर 1:3 (1 भाग सीमेंट : 3 भाग रेत) के मिश्रण का प्लस्तर या दूसरे रिसाव-रोधी पदार्थों से दीवार पर समतल प्लस्तर करते हुए चारों कोने गोलाई युक्त होंगे।
93. **जल से भरी बाल्टी से शौचालय की सफाई (द्वितीय श्रेणी का सीवर कनैक्शन) :**
 (1) "बकेट फ्लश लैट्रिन" हर अर्थ में "वाटर फ्लश शौचागार" के समान है सिवाय इसके कि इसमें फ्लशिंग उपकरण व जल के भंडारण अनिवार्य नहीं। प्रत्येक उपयोगकर्ता उपयोग के बाद पात्र को जल से भरी बाल्टी द्वारा साफ करता है।
 (2) अध्यक्ष किसी भी क्षेत्र के लिए जल भरी बाल्टी से साफ करने वाले शौचालय की अनुमति दे सकते हैं, बशर्ते कि ऐसे शौचालय की स्वीकृति केवल घर के लिए ही की जाए, जिनमें पेय जल का कनैक्शन न हो।

(3) उपनियम 83, 84, 85 तथा 86 (फ्लशिंग वाटर के लिए जल बहाव टंकी व भंडारण टंकी) को छोड़कर सभी जल की बाल्टी से साफ किये जाने वाले शौचालयों में इन उपनियमों का प्रत्येक स्थिति में अनुपालन किया जाए।

94. **ट्रफ लैट्रिन :**

प्रत्येक ट्रफ लैट्रिन को इस प्रकार से निर्मित किया जाए कि वह ऊपर की बजाय तल की तरफ चौड़ी हो और शौचालय की इस प्रकार से व्यवस्था की जाए कि इसमें वायु के अतिरिक्त प्रवेश न हो सके और इस प्रकार से फिट किया जाए कि स्वचालित फ्लशिंग पद्धति से पर्याप्त क्षमता के साथ जल निकासी द्वारा प्रत्येक बार गंदगी पूर्णतया साफ हो जाये।

95. **मल खत्ता :**

(पेल शूट) सर्विस शौच खुड्डी या पात्र से मल संग्रह को सीवर में विसर्जित करने के लिए प्रत्येक पेल शूट का अध्यक्ष द्वारा स्वीकृत आकार के अनुसार निर्माण किया जाएगा, जहाँ सार्वजनिक जल बहाव शौचालय (फ्लश) लैट्रिन के साथ एक ऐसा पात्र जुड़ा होता है, जिससे प्रवेश के लिए एक पृथक द्वार का प्रावधान किया जाये तथा जन सामान्य से उपयुक्त ओट हेतु ईंटों की कम से कम 1.80 मीटर ऊँची दीवार होनी चाहिए।

(2) प्रत्येक पेल शूट (दीवार में बनी टंकी) में जल बहाव के लिए जल संग्रह हेतु एक टंकी का प्रावधान रख कर उपलब्ध कराया जाये, जिसकी सीवर में विसर्जित किए जाने वाले मल की क्षमता 15 लीटर से 250 लीटर से कम नहीं होनी चाहिए।

मध्यवर्ती जल प्रबन्धन पद्धति पर शौचालय

96. **परिभाषा :**

“मध्यवर्ती पद्धति पर शौचालय” का तात्पर्य एक ऐसे शौचालय से है, जिसमें भूतल पर मलमूत्र सुविधाजनक रूप से एक पात्र में इकट्ठा तथा नियमित निर्धारित अंतराल पर जल बहाव (फ्लश) की सहायता से स्वचालित टैंक में विसर्जित होता है एवं इस टैंक के पात्र से ऊँचाई 1.80 मीटर से कम नहीं होती तथा इसमें लगातार जल आपूर्ति के लिए एक पृथक टैंक द्वारा आपूर्ति सतत रूप में रहेगी।

97. **पेन अथवा पात्र :**

मध्यवर्ती जल वाहित पद्धति में प्रत्येक शौच खुड्डी में एवं स्टोनवेयर (पोर्सलिन) टाइलों अथवा पक्की मिट्टी से बने जल-पात्र को उपलब्ध कराया जाएगा जिसमें तीव्र ढलाव सहित मिडपोस्ट फ्लेट शीशे की प्लेट लगी होती है, जिसमें दोनों ओर सीमेंट या पोर्सलिन टाइलें जड़ी होती हैं।

98. **निरीक्षण छिद्र :**

सीटों के वर्ग के किसी ऐसे शौचालय के मामले में सफाई के उद्देश्य हेतु ऊर्ध्वाकार पाइपों अथवा कम से कम 3.00 मीटर की दूरी, जो भी कम हो, के साथ भूमिगत नाली के प्रत्येक जंक्शन पर निरीक्षण छिद्र छोड़ने की व्यवस्था की जाए। इन छिद्रों को कब्जा लगे सीआई फ्रेमों के द्वारा ढका जाएगा। बरसाती नालियों (गुल्ली ट्रेप्स) के ऊपर खुले स्थानों पर भी इसी प्रकार के ढक्कन होंगे।

99. **फ्लशिंग टैंक :**

फ्लशिंग टैंक की क्षमता ऐसे शौचालय के पीछे नाली की लम्बाई तथा परिसरों के तलों की संख्या जिसमें शौचालय स्थापित हैं, द्वारा निर्धारित की जाएगी। एक शौचालय के मध्य से अगले शौचालय के मध्य तक की दूरी 0.90 मी. से कम नहीं होगी तथा प्रत्येक 30 से.मी. बहाव के लिए 5 लीटर जल तथा प्रत्येक तल हेतु शौचालयों की संख्या के अनुरूप प्रत्येक तल पर 5 लीटर अतिरिक्त जल-मात्रा उपलब्ध कराई जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि नाली की लम्बाई 3.60 मीटर है तथा यहाँ पर तीन

ऊपरी तल हैं, तो टैंक की क्षमता 75 लीटर होगी। यदि नाली की लम्बाई 6.00 मीटर है तथा यहाँ पर 6 शौचालय सीटों के साथ केवल एक तल है, टैंक की क्षमता 105 लीटर की होगी। सभी फ्लशिंग टैंकों को एक घण्टे में दो बार फ्लश करना नियत होना चाहिए। जल भंडारण टैंक में सभी फ्लशिंग टैंकों की क्षमता से 20 गुना अधिक क्षमता होनी चाहिए।

100. **पाइप नाली :**

150 मि.मी. स्टोनवेयर की पाइप लाईन के लिए नाली की लम्बाई 6.00 मीटर से अधिक नहीं होगी किन्तु यदि यह इस लम्बाई से अधिक है तो शौचालय के किसी एक सिरे से क्रमबद्ध किया जाना चाहिए, जो कि मध्य के समीप से मिले तथा उपनियम 99 में वर्णित फ्लशिंग करने की क्षमता किसी एक अंतिम सिरे पर व्यवस्थित की जानी चाहिए।

मूत्रालय

101. **साइफन ट्रेप :**

(1) किसी सीवर में मूत्र या द्रव्यीय गंदगी बहाव हेतु निर्मित या नियत मूत्रालय के तत्काल नीचे एक प्रवाही साइफन ट्रेप (नाली) का निर्माण या लगाया जायेगा, जो किसी निकास नाली या उससे जुड़े मलिन जल पाइप तथा मूत्रालय के मध्य पर्याप्त जल सील के रूप में रखरखाव हेतु समर्थ हो।

(2) बैल ट्रेप, डिप ट्रेप अथवा डी-ट्रेप नाम से जाना जाने वाला कोई ट्रेप अथवा न ही स्वतः सफाई करने वाले किसी ट्रेप का मूत्रालय में निर्माण किया जाएगा अथवा न ही लगाया जायेगा एवं न ही मूत्रालय के साथ जोड़ा जाएगा।

102. **वायु संचारण तथा धोवन जल हेतु पाइप :**

शौचागार के वायु संचारण तथा मलिन जल निकासी के लिए निर्मित की जाने वाली पाइपों के लिए अपेक्षित उपनियमों का मूत्रालयों के वायु संचारण तथा मूत्रालय के धोवन जल पाइपों के निर्माण पर भी लागू किया जाये।

103. **मूत्रालय, बेसिन, स्टाल (मूत्र पात्रों की पंक्तियाँ) या कुन्ड के निर्माण तथा जल बहाव के निर्माण की सामग्री एवं प्रकृति :** ऐसे मूत्रालयों में निम्नलिखित का प्रावधान किया जायेगा :

(क) ग्लेज्ड स्टोनवेयर निर्मित, ग्लेज्ड चीनी-मिट्टी निर्मित, इनामैलड-अग्निरोधी अथवा अन्य उपयुक्त सामग्री से बने बेसिन, स्टाल अथवा कुन्ड, ऐसे प्रकार के होंगे जिनमें स्वच्छता का रखरखाव भी सुविधाजनक रूप से होगा।

(ख) एक उपयुक्त जल बहाव टंकी (फ्लशिंग सिसटर्न) इस प्रकार निर्मित, फिट व स्थापित किया जाये जो आपूर्ति हेतु :

(1) पेय जल के लिए प्रयुक्त किसी टंकी से पृथक् एवं भिन्न होगा।

(2) जुड़े हुए प्रत्येक बेसिन के विसर्जन अथवा फ्लशिंग की क्षमता पाँच लीटर जल से कम नहीं होगी अथवा प्रत्येक स्टाल अथवा कुन्ड की लम्बाई अथवा चौड़ाई अधिकतम 0.68 मीटर से अधिक न होगी।

(3) वह 25 मिनट से कम की अवधि अथवा ऐसी अनुमानतः कम अवधि के भीतर भरने में समर्थ होगा। जब मूत्रालय प्रयोग में होगा अथवा प्रयोग हेतु उपलब्ध है तो नियत अवधि में साफ होने से बेसिन, स्टाल अथवा कुन्ड को स्वच्छ रखना सुनिश्चित होगा।

(4) यह उचित स्वतः विसर्जन उपकरण के साथ लगा होना चाहिए तथा मूत्रालय बेसिन, स्टाल या कुण्ड के साथ पर्याप्त फ्लश पाइप या लैड, तॉबे की पाइपों या अन्य उचित सामग्री की पाइप के साथ जुड़ा होना चाहिए तथा इसका न्यूनतम आंतरिक व्यास 12 मि.मी. हो तथा इस पाइप में उचित विस्तारक लगा होना चाहिए ताकि प्रत्येक बेसिन, स्टाल या कुण्ड की आंतरिक सतह पर जल से भली-भांति साफ हो जाये।

बशर्ते कि परिसरों के ऊपर किसी जल सेवा पाइप तथा मूत्रालय बेसिन, स्टाल अथवा कुण्ड के किसी भाग के साथ कोई सीधा कनेक्शन नहीं होगा।

104. तल क्षेत्र तथा साज-सज्जा :

जब एक कक्ष को केवल एक मूत्रालय के रूप में प्रयोग किया जाता है तो उसका न्यूनतम फर्श क्षेत्र 1.11 वर्ग मीटर तथा न्यूनतम चौड़ाई 1.05 मीटर चौड़ाई होगी। किसी कमरे का फर्श तथा दीवारें जिनमें मूत्रालय पात्र लगा हो तो वह 0.90 मीटर की ऊँचाई तक अभेद्य तथा गैर अवशोषित सामग्री से निर्मित किया जायेगा।

105. मूत्रालय की स्थिति :

(क) किसी भी मूत्रालय का निर्माण इस प्रकार न किया जायेगा जो प्रत्यक्ष रूप से किसी ऐसे कक्ष से जुड़ा हो जिसका मनुष्यों द्वारा रहने अथवा मानव उपभोग हेतु खाद्य पदार्थों का उत्पादन, तैयार या भण्डारण या फैक्टरी, वर्कशाप या कार्यस्थल के रूप में प्रयोग किया जाता है बशर्ते 0.60 मी. चौड़ाई का उचित रूप से वायु संचारण व्यवस्था हो।

(ख) भूतल पर सभी मूत्रालयों के फर्श को कम से कम भूतल से 0.15 मीटर ऊँचाई पर बनाया जाये।

शुष्क (जलहीन) प्रणाली के सेवा शौचालय एवं मूत्रालय

106. फर्श क्षेत्र :

प्रत्येक शौचालय का न्यूनतम तल क्षेत्र 2.00 वर्ग मीटर होगा तथा न्यूनतम चौड़ाई 1.05 मीटर होगी।

107. सर्विस शौचालय तथा सर्विस मूत्रालय में वायु संचारण :

(1) प्रत्येक ऐसे शौचालय तथा मूत्रालय की दीवारों में से एक सड़क अथवा प्रांगण अथवा खुले स्थान की तरफ होगी तथा उसमें एक खिड़की इस प्रकार निर्मित की जाएगी जिसका क्षेत्रफल न्यूनतम 0.40 वर्ग मीटर हो तथा जो प्रत्यक्षतः बाहर हवा में खुले।

(2) बाहरी दीवार पर स्थिर वायु संचारण हेतु कुछ साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। ऐसे स्थिर वायु संचारण के झरोखे अथवा जाली वाले रोशनदान के रूप में, जो छत से अधिकतम 0.30 मीटर नीचे तक के स्तर पर लगे हों तथा जिसका क्षेत्रफल 0.14 वर्ग मीटर से कम नहीं होगा। स्थायी रूप से खुला क्षेत्र खिड़की से जुड़ा हो सकता है एवं उस मामले में यह 0.40 वर्ग मीटर क्षेत्र में सम्मिलित किया जा सकता है।

108. सार्वजनिक सड़कों तथा जलापूर्ति से सर्विस शौचालय की दूरी :

कोई भी सर्विस शौचालय अथवा सर्विस मूत्रालय किसी भी सार्वजनिक सड़क के 1.50 मीटर के भीतर तथा जलापूर्ति के किसी स्रोत के 3.00 मीटर के भीतर निर्मित नहीं किया जायेगा और किसी कुएँ के मामले में यह दूरी 25.00 मीटर से कम नहीं होगी।

109. सर्विस शौचालय हेतु पात्र तथा फ्लैप डोर (एक तरफ खुलने वाले दरवाजे) :

प्रत्येक सर्विस शौचालय इस प्रकार निर्मित किये जाएँ कि समस्त मल सीधे धातु, चीनी मिट्टी के अथवा गैर-अवशोषित सामग्री के हटाए जाने वाले पात्र में सीधे गिरेगा। ऐसे पात्र सीट के नीचे नज़दीक ही

लगे होंगे तथा ऐसे पात्र शौचालय की बाहरी दीवार में फ्लैप वाले दरवाजे से हटाए जा सकेंगे एवं यह फ्लैप वाला दरवाजा जब बंद होगा तो यह मल-पात्र दिखाई न दें।

110. **सर्विस शौचालय में प्लेटफार्म :**
प्रत्येक सर्विस शौचालय का प्लेटफार्म जिस पर पात्र रखा होगा, शौचालय के पीछे की ओर 125 मि.मी. ढलान के साथ 1:3 (1 सीमेंट : 3 रेत) के सीमेंट मसाले के प्लस्टर सहित ईंटों की चिनाई से बना हो।
111. **सर्विस शौचालय की सीट तथा मूत्रालय की दीवारों की सामग्री :**
(1) प्रत्येक सर्विस मूत्रालय में दीवार फर्श से 0.90 मीटर ऊँची होगी तथा प्रत्येक सर्विस शौचालय में सीट तथा दीवार दोनों फर्श से 0.90 मीटर की ऊँचाई तथा धातु अथवा ईंटों की चिनाई की होगी बशर्ते कि यूरोपियन किस्म के शौचालयों के मामले में सीट लकड़ी की हो सकती है।
(2) प्रत्येक सर्विस शौचालय अथवा सर्विस मूत्रालय में दीवारें, यदि ईंट की चिनाई की हो तो सीमेंट मसाला 1:3 (1 सीमेंट: 3 रेत) के साथ प्लास्टर की होगी अथवा फर्श के स्तर से ऊपर कम से कम 0.90 मीटर की ऊँचाई तक गैर-अवशोषित सामग्री द्वारा ढकी होंगी।
112. **सर्विस शौचालय तथा सर्विस मूत्रालय का फर्श :**
प्रत्येक सर्विस शौचालय अथवा सर्विस मूत्रालय के फर्श तथा सीट पत्थर या सीमेंट मसाले 1: 3 (1 सीमेंट: 3 रेत) के साथ पत्थर अथवा ईंट, कंक्रीट, प्लास्टर अथवा सीमेंट के साथ जुड़े गैर-अवशोषित टाइलों की होगी तथा प्रत्येक भाग सर्विस शौचालय या मूत्रालय भूमि की सतह से कम से कम 0.15 मीटर की ऊँचाई पर होगा तथा ढलान जल-निकासी नाले की ओर इस प्रकार बनाई जाये कि द्रव्यीय पदार्थ का बहाव तत्काल हो जाये।
113. **सर्विस शौचालय तथा सर्विस मूत्रालय की सीट :**
प्रत्येक सर्विस शौचालय अथवा सर्विस मूत्रालय इस प्रकार निर्मित किया जाएगा कि जब इसका बाह्य दरवाजा खुला हो, तो सीट सड़क से अथवा अन्य सार्वजनिक स्थल से दिखाई न दे।
114. **सर्विस शौचालय तथा सर्विस मूत्रालय की नालियाँ :**
(1) प्रत्येक सर्विस शौचालय तथा सर्विस मूत्रालय में एक नाली की व्यवस्था की जाएगी जो कि ग्लेज्ड पाइप अथवा अन्य अभेद्य सामग्री से निर्मित होगी, जो शौचालयों अथवा मूत्रालय के फर्श को नगरपालिका के सीवर से संयोजित करेगी। यदि अध्यक्ष के विचार में ऐसा करना व्यावहारिक नहीं है तो उपयुक्त रूप से डिजाइन किये सोखने वाले गड्ढे के साथ जोड़ा जायेगा।
(2) किसी भी सोखने वाले गड्ढे की जलापूर्ति के स्रोत से दूरी 7.60 मीटर से कम नहीं होनी चाहिए और यह दूरी (फासला) किसी कुएँ के मामले में 24.00 मीटर से कम न हो।
115. **सर्विस शौचालय तथा सर्विस मूत्रालय की सफाई हेतु :**
सभी सर्विस शौचालय तथा सर्विस मूत्रालय में सफाई के उद्देश्य हेतु मार्ग सार्वजनिक सड़कों से होगा तथा ऐसे प्रवेश मार्ग किसी भी मामले में 0.75 मीटर से कम चौड़े न हों तथा किसी भी मामले में इसमें प्रवेश भवन से नहीं होगा।

मल गड़ढा116. मल-कुण्ड के गड़ढे का फर्श

प्रत्येक मल-कुण्ड या पात्र का फर्श सख्त टाइलों अथवा अन्य गैर-अवशोषित सामग्री से सज्जित अथवा सीमेंट से पक्का बनाया जाएगा तथा फर्श इस प्रकार निर्मित किया जाए कि इसका प्रत्येक भाग पात्र अथवा मल-कुण्ड से लगी भूमि की सतह के ऊपर 0.23 मीटर से कम नहीं होगा, तथा इस प्रकार गन्दगी हेतु मल-कुण्ड पात्र का धुलाई वाले नाले की ओर बहाव की गति न्यूनतम 125 मि.मी. से एक मीटर से कम न हो।

117. मल की निकासी :

गन्दगी के लिए कोई मल-कुण्ड अथवा पात्र को सीधे ही निकासी नाली के साथ न जोड़ा जाए।

मल-कुण्ड

(जल निकासी के विसर्जन के लिए विधिक रूप से अलग कोई स्थल अथवा नगर पालिका निकास नाली के 30 मीटर के भीतर की सीमा से बाहर स्थित परिसरों की जल निकासी)

118. नगरपालिका नाली के 30 मीटर से बाहर स्थित भवनों हेतु खुली निकास नाली उपलब्ध कराई जाए :

(1) जहाँ तक व्यवहार्य हो, इस प्रकार के भवनों की जल निकासी ऐसी निकास नालियों हेतु बनाए गए नियमों के अनुसार खुले नालों द्वारा की जाएगी।

(2) यदि घरेलू निकास नाली खुली है तो विसर्जन 150 मि.मी. स्टोनवेयर निर्मित मल कुण्ड में बरसाती नाली द्वारा किया जाएगा।

(3) सभी मल-कुण्ड ढलवा लोहे के वायु-रोधी फ्रेम तथा ढक्कन से बन्द होने चाहिए।

119. धुलाई वाले स्थानों से मलिन-जल का विसर्जन :

यदि सम्भव हो तो सभी धुलाई के स्थानों से मलिन-जल को पेड़-पौधों के बीच अथवा बागवानी प्रयोजनों के उपयोग हेतु विसर्जित किया जाए। किन्तु यदि ऐसा सम्भव न हो तो मलिन-जल को कम से कम 1.42 घन मीटर की न्यूनतम क्षमता वाले मल-कुण्ड में विसर्जित किया जाएगा।

120. मल-कुण्ड की क्षमता की गणना कैसे की जाए :

मल-कुण्ड (सैसपूल) की क्षमता की गणना आंतरिक निकास नाली की तलहटी से की जाएगी।

121. मल-कुण्डों (सैसपूलों) से वायु संचारण:

(1) प्रत्येक मल-कुण्ड (सैसपूल) का वायु संचारण 75 मि.मी. व्यास या समकक्ष क्षेत्रफल के ढलवा लोहे अथवा जस्ता चढ़ी लोहे के पाइप द्वारा होगा।

(2) वायु संचारण पाइप के ऊपर से जालीदार गुम्बद द्वारा संरक्षित किया जाएगा एवं वह-

(क) इसकी संरचना से 12.20 मीटर की दूरी के भीतर स्थित किसी रोशनदान अथवा खिड़की से न्यूनतम 4.60 मीटर की दूरी तक ले जाया जाएगा।

(ख) छत के छज्जे से कम से कम 1.50 मीटर से अधिक ले जाया जाये, यदि छज्जे को सहारा देती एक दीवार बनाई होगी, तथा

(ग) इस प्रकार निर्मित अथवा स्थापित किए जाएं, जिससे पड़ोस के निवासियों को कम से कम असुविधा अथवा व्यवहार्य परेशानी का कारण न होगा

122. शौचालयों हेतु मल-कुण्ड पृथक किए जाए

यहाँ धुलाई वाले स्थानों के लिए बने मल-कुण्डों से शौचालय के लिए पृथक मल-कुण्ड होना चाहिए तथा इसकी न्यूनतम 0.71 घन मीटर के साथ, कम से कम 0.085 घन मीटर प्रति सीट अथवा खाँचा की क्षमता हो।

123. मल-कुण्ड की स्थिति

प्रत्येक मल-कुण्ड (सैसपूल) को उस स्थान पर स्थापित किया जाये, जिससे नगरपालिका गाड़ी सुविधाजनक रूप से वहाँ पहुँच सके।

124. मल-कुण्डों (सैसपूलों) का निर्माण

प्रत्येक मल-कुण्ड (सैसपूलों) का निर्माण ईंटों, सीमेंट, कंक्रीट पर (भूमि पर) सीमेंट बिछाते हुए किया जाए जिसमें अंदर की ओर सीमेंट तथा रेत (1 अनुपात 1) के मिश्रण का 25 मि.मी. मोटा प्लस्टर होगा। दीवार भूमि की सतह से 0.15 मीटर ऊपर तक होगी तथा उपनियम-32 में वर्णित अनुसार ढक्कन उसके ऊपर लगाया जाए।

अस्तबल-सार्वजनिक अथवा निजी

125. अस्तबलों के लिए फर्श

प्रत्येक अस्तबल का फर्श सीमेंट, कंक्रीट अथवा कच्चे चूने की 150 मि.मी. सतह पर उपयुक्त सुसज्जित पत्थर अथवा अन्य उपयुक्त सामग्री बिछाकर सम्पूर्ण क्षेत्र को पक्का किया जाएगा। फर्श का ढलान एतद् उपरान्त वर्णित अनुसार नाली की दिशा में 48 में 1 के झुकाव अनुसार हो।

126. अस्तबलों हेतु नालियाँ

(1) उपयुक्त रूप से नीले पत्थर अन्य उपयुक्त सामग्री से सुसज्जित 300 मि.मी. चौड़ा अर्धगोलाकार नाली का निर्माण किया जाएगा, जो कि केवल पक्के फर्श तक होगी तथा अस्तबल में उपयुक्त समकोण पर होगी।

(2) नाली में 100 में से एक अथवा अधिक प्वाइंट तक जैसा भी ऐसे प्रत्येक बिन्दु हेतु चयनित हो, कम से कम 25 मि.मी. की लम्बाकार ढलान पर होगा तथा ऐसे प्रत्येक प्वाइंट पर 150 मि.मी. X 150 मि.मी. पत्थर के गुल्ली ट्रैप को लोहे की जाली के साथ समानान्तर तथा लम्बवत् ढलवा लगाया जाएगा।

127. अधिक अस्तबलों हेतु गुल्ली ट्रैप

सभी गुल्ली ट्रैप 150 मि.मी. स्टोनवेयर की पाइप नाली अथवा नालियों को सड़क के सीवर से जुड़े 150 मि.मी. के अन्तर्बन्धक सीवर ट्रैप के साथ पूर्णतः निरीक्षण चैम्बर के साथ निर्मित किए जाएँ।

128. पाइप नालियों के लिए उपनियमों का अनुपालन किया जाए

निरीक्षण चैम्बर के निर्माण, पाइप नाली को बिछाने तथा गली के सीवर के साथ कनेक्शन पाइप नालियों के लिए बनाए गए उपनियमों के अनुसार होगा।

पशुबाड़ा

129. **पशुबाड़ों के लिए फर्श**
प्रत्येक पशुबाड़े का फर्श सीमेंट कंक्रीट अथवा चूने की 150 मि.मी. सतह पर उपयुक्त सुसज्जित नीले पत्थर अथवा अन्य उपयुक्त सामग्री बिछाकर सम्पूर्ण क्षेत्र को पक्का कर बनाया जाए। फर्श में ढलान आगे वर्णित अनुसार नाली की दिशा में कम से कम 48 में 1 के झुकाव अनुसार होगा।
130. **पशुबाड़े हेतु नालियाँ**
स्टाल की प्रत्येक श्रृंखला के पीछे एक 300 मि.मी. चौड़ी एक अर्धगोलाकार नाली प्रत्येक ट्रेप के 25 मि.मी. ढलाव आगे वर्णित के अनुसार तैयार किया जाए।
131. **पशुबाड़े के लिए गड्ढा (कैचपिट)**
नाली का कचरा एक ग्लैज्ड स्टोनवेयर के गुल्ली ट्रेप द्वारा गड्ढे (कैचपिट) में विसर्जित होगा, गड्ढे का आकार 0.90 मीटर X 1.20 मी. X 1.50 मीटर गहरा हो।
एक रीबेटिड फ्रेम में मजबूत ढलवा लोहे के ढक्कन के साथ ढका होगा। गड्ढे (कैचपिट) को चैनल के न्यूनतम बिन्दु अथवा विसर्जन के बिन्दु पर रखा जाएगा तथा 150 मि.मी. अन्तर्द्वारक सीवर ट्रेप के साथ पूर्णतः निर्मित एक निरीक्षण चैम्बर के साथ (परिसर के भीतर) पाइप निकास नाली के साथ जोड़ा जाएगा।
132. **गड्ढों के लिए जाली उपलब्ध कराई जाए**
ऐसी छड़ों वाली एक समानान्तर व लम्बवत् लोहे की जाली, जिसमें छड़ों में अन्तर 12 मि.मी. से अधिक न हो, गड्ढे (कैचपिट) में लगाई जाए।

विविध

133. **पाइप निकास नालियों के लिए उपनियमों का अनुपालन किया जाए**
पाइप निकास नाली को बिछाना, चैम्बर का निरीक्षण निर्माण तथा गली के सीवर के साथ कनेक्शन का कार्य पाइप नालियों हेतु उपनियमों के अनुपालन करते हुए किया जाए।
134. **नगरपालिका सीवर लाइनों में ग्रीस के प्रवेश हेतु रोकथाम**
यहाँ वर्णित अनुसार संस्थापनों की सीवर लाइनों में ग्रीस प्रवेश करता है तथा पाइप लाइन की प्रतिदिन परिधि पर चिपक जाता है, जिससे इसका प्रभावी आकार तथा बहाव करने की क्षमता घट जाती है। इस प्रकार नगरपालिका सीवरों में ग्रीस के प्रवेश को रोकने के लिए उपयुक्त उपकरणों का निर्माण करना अनिवार्य है। ग्रीस विसर्जन के लिए वर्णित संस्थापन हैं- खान-पान गृहों, रेस्टोरेंटों, ढाबों, मिठाई की दुकानों, हलवाई, पेट्रोल पम्पों, गैरेज सर्विस स्टेशनों, पशुबाड़ा, बर्तन साफ करने के स्थान इत्यादि। इस प्रयोजन हेतु निम्नलिखित मुख्य प्रणालियाँ अपनाई जाती हैं:

(क) ग्रीस चैम्बर :- दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के मानक दिशा-निर्देशों के अनुसार अधिकतम 100 सीटों की क्षमता वाली संस्थापनाओं अथवा प्रतिदिन अधिकतम एक टन की दर से वार्षिक उत्पादन के लिए उपयुक्त आकारों के ग्रीस चैम्बर का निर्माण अपेक्षित है, जो कि परिसर के भीतर किचन/सर्विस स्टेशन/गैरेज के विसर्जन के बाद एवं परिसरों के भीतर अन्य प्रकार की गंदगी अथवा शौचालय गंदगी को ले जाने वाली पालिका सीवर लाइन के साथ जोड़ने से पूर्व हो।

(ख) बहाव उपचार संयंत्र :- उन संस्थापनाओं, जिसमें प्रतिदिन उत्पादन एक टन या इससे अधिक वार्षिक औसत का हो तथा 100 अथवा अधिक व्यक्तियों के बैठने की क्षमता हो, के लिए अनुमोदित मानकों/नक्शे के अनुसार उपयुक्त आकार के बहाव/उपचार संयंत्र का निर्माण अपेक्षित है।

अध्यक्ष को अधिकार है कि ऐसी संस्थापनाओं, जिसमें नगरपालिका सीवर लाइन में ग्रीस के प्रवेश को रोकने के लिए उपयुक्त ग्रीस चैम्बर/बहाव उपचार संयंत्र का निर्माण नहीं किया गया अथवा आवधिक रूप से इसकी सफाई/रखरखाव करने में असमर्थ है, को नोटिस जारी कर सकते हैं तथा/अथवा सील कर सकते हैं।

बशर्ते कि संस्थापना सील करने से पूर्व, अध्यक्ष द्वारा प्रस्तावित कार्रवाई किए जाने से पूर्व कारण बताओं नोटिस देकर एक उपयुक्त अवसर दिया जाए।

135. नगरपालिका नालियों में जल निकासी के लिए अधिवासियों तथा स्वामियों द्वारा आवेदन

(1) नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् अधिनियम 1994 (1994 का अधिनियम 44) के प्रावधानों तथा इन उपनियमों की शर्त पर, नई दिल्ली क्षेत्र में निजी निकास नाली वाले परिसरों के स्वामी अथवा अधिवासी अथवा किसी नाली का स्वामी नगरपालिका निकास नालियों के साथ अपनी निकास नाली को जोड़ने के लिए इसके द्वारा उन परिसरों अथवा निजी नाली से मलिन जल तथा धोवन जल के विसर्जन हेतु अध्यक्ष को आवेदन कर सकता है।

बशर्ते कि किसी व्यक्ति को इस उप-उपनियम में निम्नलिखित का कोई अधिकार नहीं होगा :

(क) किसी नगरपालिका निकास नाली में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से विसर्जन।

(i) किसी व्यवसाय परिसर से किसी व्यवसाय कचरे का बहाव सिवाय इसके लिए बनाई गई विधि के अनुसार हो;

(ii) किसी पदार्थ का द्रव्यीय विसर्जन, जिसका नई दिल्ली नगरपालिका अधिनियम 1994 के अन्तर्गत अथवा किसी अन्य विधि द्वारा नगरपालिका निकास नालियों में विसर्जन निषिद्ध है; अथवा

(ख) जहाँ मलिन जल तथा सतही-जल के प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष विसर्जन के लिए पृथक नगरपालिका निकास नालियाँ उपलब्ध कराई हैं :-

(i) सतही जल के लिए उपलब्ध निकास नाली में गन्दा जल; अथवा

(ii) अध्यक्ष की अनुमति को छोड़कर, मलिन जल के लिए उपलब्ध कराई निकास नाली में सतह-जल; अथवा

(ग) जहाँ नालियाँ सीधे ही बरसाती जल नाले में प्रवाहित की जायें।

(2) कोई व्यक्ति इन उपनियमों के प्रावधानों का उपयोग करने का इच्छुक है तो वह अध्यक्ष को अपने प्रस्ताव की सूचना देगा तथा इसकी प्राप्ति के बाद एक मास के भीतर किसी भी समय, अध्यक्ष नाली की अनुमति देने से मना कर सकता है, यदि वह समझता है कि निकास नाली की स्थिति अथवा निर्माण की प्रक्रिया ऐसी है कि यह संचारित जल निकास प्रणाली के प्रतिकूल है, तथा नाली की स्थिति तथा निर्माण के प्रकार की जाँच के प्रयोजन हेतु यदि वह आवश्यक समझता है तो इसे निरीक्षण के लिए खुला रखे जाने की अपेक्षा कर सकता है।

(3) यदि अध्यक्ष, उचित समझते हैं कि ऐसा निर्माण, जो नगरपालिका निकास नाली में जल प्रवाह करने हेतु आवश्यक है, सार्वजनिक मार्गों में कर सकता है। ऐसे मामले में अध्यक्ष द्वारा किए गए व्यय का भुगतान परिसर के स्वामी अथवा अधिवासी, जैसा भी मामला हो, निजी निकास नाली के स्वामी द्वारा किया जाएगा तथा नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम 44) के अन्तर्गत कर के बकाया के रूप में अधिवासी अथवा स्वामी से वसूलनीय होगा।

136. अन्य व्यक्तियों की भूमि से नालियों तथा पाइपों को लगाने के लिए परिसर के स्वामी की शक्तियाँ :- न.दि.न.पा.परिषद् अधिनियम 1994 की धारा 186 के प्रावधान में संदर्भित, कारण बताओं

नोटिस की अवधि की सूचना अवल सम्पत्ति के स्वामी को दी जाए, कि क्यों न स्वामी द्वारा नोटिस की प्राप्ति की तिथि से पूरे 30 दिन के भीतर आदेश न दिया जाये।

जुमानें

137. जुमानें

इन उपनियमों के किसी प्रावधान के उल्लंघन अथवा किसी आदेश या निर्देश का अनुपालन करने में असमर्थ होने अथवा विधिवत् रूप से उसको दिये गये उक्त उपनियमों में से किसी के अन्तर्गत विधिवत् की गई, किसी अपेक्षा की उल्लंघन करने वाला व्यक्ति नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् अधिनियम 1994 (1994 का अधिनियम 44) की धारा 390 के प्रावधानों के अनुसार दण्डनीय होगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
आदेश से तथा उनके नाम पर,

ए. वी. प्रेमनाथ, संयुक्त सचिव (शहरी विकास)

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्
(सिविल इंजीनियरिंग विभाग)

प्रपत्र 'क'

(दो प्रतियों में प्रस्तुत करें)

परिसरों की जल-निकासी हेतु आवेदन-पत्र
(उपनियम-5 देखें)

सेवा में,

अध्यक्ष,

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्,

नई दिल्ली

महोदय,

मैं/हम अधोहस्ताक्षरी एतद्द्वारा.....के नाम से परिसरगली.....
.....गृहकर निर्धारण क्र०.....में जल निकासी की अनुमति के लिए आवेदन
करते हैं।

उक्त परिसरों में जल निकासी और सफाई व्यवस्था को संलग्न नक्शों और खण्डों को तीन प्रतियों में दर्शाया गया है जिसका विस्तारपूर्वक विवरण संलग्न किया गया है तथा परिषद् के अधिकारियों के निरीक्षण हेतु परिसर खुले हैं।

मैं/हम नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के उपनियमों के प्रावधानों के अनुसार कार्य करने

तथा परिषद् सूची में दी गई दरों पर नगरपालिका सीवर के कनेक्शन की लागत का भुगतान परिषद् को करने का वचन देता हूँ/देते हैं।

आवेदक का पूरा नाम व हस्ताक्षर

पता

कार्य निष्पादन करने वाले प्लम्बर का नाम और उसका लाइसेंस नं०.....

दिनांक :

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्
(सिविल इंजीनियरिंग विभाग)

प्रपत्र 'ख'

(तीन प्रतियों में जमा करें)

प्रपत्र 'क' के अनुलग्नक

कार्य का विस्तृत विवरण तथा सामग्री का विशिष्टता
(देखें उपनियम-9)

नोट : केवल नये अथवा मरम्मत कार्यों का विशेष रूप से निम्न प्रकार वर्णन किया जाए :

1. बरसाती जल तथा गंदे जल को पृथक् करना ।
2. बरसाती जल नाले, कर्ब्स (किनारे) तथा विसर्जन के स्थल
3. बरसाती जल की नाली (गटर), पाइपों अथवा धार जहाँ विसर्जन हो रहा हो ।
4. खुला-गंदे जल का नाले, सामग्रियों, आकारों, कर्ब्स (किनारे) तथा अन्य स्रोत, स्थानों, बरामदों, शौचालयों तथा ऐसे नालों में विसर्जन के लिए फिटिंग्स ।
5. स्लिट-कैचर (गाद) तथा ग्रेटिंग (जाली), आकार तथा स्थिति
6. जल निकास नालें
 - (क) मुख्य सीवेज निकास नाली
 - (ख) उप-निकास नाली
 - (ग) सामग्रियाँ
 - (घ) जोड़ने (ज्वाइंटिंग) की पद्धति
7. पाइपों को लिटाना/बिछाना
 - (क) नींव की पद्धति
 - (ख) कंक्रीट की नींव की चौड़ाई तथा मोटाई
 - (ग) पाइप के चारों तरफ कंक्रीट की मोटाई

8. दीवार के नीचे बिछाई गई निकास नाली की सुरक्षा
9. ट्रेपों तथा अन्तर्रोधक का विवरण
शौचालय अपशिष्ट पाइपों
स्नानघर अपशिष्ट पाइपों
सिंक
गुल्ली ट्रेपों (बरसाती नाले)
शौचागार (वाटर क्लोसेट ट्रेप्स)
ग्रीस ट्रेपों
ढलवा सिंक
मूत्रालय
अन्य
10. मैनहोल तथा निरीक्षण चैम्बर्स :
दीवारों की मोटाई
ईंटों का विवरण
कार्य निष्पादन सामग्री का विवरण
आंतरिक नालियों का विवरण
चैम्बर्स की गहराई
मैनहोलों तथा ढक्कन का आकार तथा विवरण
11. निकास नाली का संवातन (वैन्टीलेशन)
(क) स्थिति
निकटतम भूमि स्तर से ऊपर ऊँचाई
(ख) ऊपर अंतिम सिरे की बाह्य शाफ्ट की स्थिति
12. मल पाइप, धोवन जल का पाइप तथा संवातन पाइप कनेक्शन
(क) जस्ता तथा लोहे के पाइपों
(ख) ढलवा लोहे के पाइप के साथ जस्ता पाइप के ट्रेप
(ग) जस्ता पाइप के साथ चीनी पत्थर निर्मित पाइप अथवा ट्रेप
(घ) स्टोनवेयर पाइप अथवा ट्रेप के साथ लेड मल पाइप अथवा ट्रेप
(ङ) स्टोनवेयर की नाली के साथ ढलवा लोहे के पाइप
(च) ढलवा लोहे के मल मलिन जल पाइप के साथ स्टोनवेयर ट्रेप
13. शौचालय में जल शौचालय ट्रेपों तथा अन्य ट्रेप तथा स्पोर्ट्स का संवातन (वायु संचरण)
14. शौचागार (वाटर क्लोसेट) (अपार्टमेंट)
(क) भूमि स्तर पर या उससे ऊपर
से पहुँच
फर्श सामग्री
दरवाजे की दिशा में फर्श का ढलान
खुली रखने के लिए खिड़की का आकार
पूर्वोक्त की स्थिति
सतत संवातन (वायु संचरण) का साधन
पूर्वोक्त की स्थिति

- (ख) शौचागार (वाटर क्लोसेट) उपकरण:
पात्र, बेसिन, इत्यादि का विवरण
फ्लशिंग सिस्टर्न (जल बहाव उपकरण)
बहाव पाइप की सामग्री (गशिंग)
आंतरिक व्यास
बेसिन के साथ यूनियन
15. (क) कक्ष तथा कक्षों में सैनिटरी फिटिंगों की संख्या तथा विवरण जहाँ उन्हें संस्थापित किया जाना है।
(ख) जल भंडारण टैंकों की स्थिति तथा क्षमता
(ग) मुख्य आपूर्ति में सीधे अथवा भंडारण टैंक से जल प्राप्ति हेतु जल नलों की संख्या एवं आकार
(घ) जल नलों (डा ऑफ) का विवरण अर्थात् क्या वे सारे पैचयुक्त प्रणाली या 'फिजूल नहीं' प्रणाली पर आधारित हैं। उपरोक्त शीर्ष के अन्तर्गत सम्मिलित न की गई किसी अन्य सैनेटरी सम्बन्धी किये जाने वाले कार्य का विवरण
16. गली की सतह से नीचे सीवर की गहराई
17. जंक्शन के प्वाइंट पर घरेलू निकास नाली के उलटाव (उल्टी दिशा/आन्तरिक बिन्दु) पर स्तर
(क) सीवर के साथ
(ख) घरेलू निकास नाली के साथ जंक्शन स्थल पर सीवर का उलटाव अथवा स्तर
(ग) निकास नाली के परिसर से पृथक् होने वाले बिन्दु से, सीवर पर निकटतम मैनहोल की दूरी

पाइपों की सूची

सामग्री व्यास वजन जोड़ने की पद्धति

निचली सतह की जल निकासी
मुख्य सीवेज निकास नालियाँ
सीवेज हेतु उप-निकास नालियाँ
निचली सतह के पाइपों
मलिन जल पाइप के अलावा संवातन पाइप
पाइप
धोवन जल के पाइप
बरसाती जल पाइप
साइफोन-रोधी पाइप

दिनांक

हस्ताक्षर

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्
(सिविल इंजीनियरिंग विभाग)

प्रपत्र 'ग'

(दो प्रतियों में प्रस्तुत करें)

निकास नालियों आदि को ढकने की सूचना
(उपनियम-11 देखें)

सेवा में,

अध्यक्ष,

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्

नई दिल्ली

महोदय,

मैं/हम अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा परिसर सं०

.....में जल निकासी सम्बन्धी
कार्य दि०समयबजे पूर्वाह्न/अपराह्न ढकने के आशय के सम्बन्ध में
आपको सूचित करते हैं और उसके निरीक्षण और अनुमोदन के लिए अनुरोध करते हैं।

परिषद् द्वारा कार्य की स्वीकृति पत्र क्र०.....दि०.....द्वारा
स्वीकृति प्रदान की गई।

नकद रसीद सं०दि०.....के द्वारा निरीक्षण शुल्क की नकद कुल
राशि ₹.....का भुगतान कर दिया गया है।

आज दिनांक.....दिन.....

परिसर की जल निकासी पद्धति के प्रभारी के हस्ताक्षर

पता :

गृह के स्वामी का नाम व पता

क्र०.....दिनांक.....20

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त कार्य का निरीक्षण कर लिया गया है और उसकी स्वीकृति प्रदान की
गई है।

अध्यक्ष,

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्

दिनांक:

1. नोटिस कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व परिषद् के कार्यालय में सात पूरे दिनों में (सिविल अभियंत्रण विभाग) अवश्य पहुँच जाए।
2. घर तथा गली अथवा सड़क का नाम अथवा नम्बर डालें।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्
(सिविल इंजीनियरिंग विभाग)

प्रपत्र 'घ'

(दो प्रतियों में प्रस्तुत करें)

कार्य समापन की सूचना

(उपनियम-12 देखें)

सेवा में,

अध्यक्ष ,

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्

नई दिल्ली

महोदय,

मैं/हम अधोहस्ताक्षरी एतद्द्वारा आपको सूचित करते हैं किनाम से जाने वाले परिसर में जल निकासी का कार्य दिन.....बजे 20.....को आपके अंतिम निरीक्षण के लिए तैयार हो जाएगा और उसका निरीक्षण कर स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध है । (यह सूचना उल्लेखित तिथि से कम से कम 7 पूरे दिनों पूर्व परिषद् कार्यालय में अवश्य पहुँच जानी चाहिए)

परिषद् ने अपने पत्र क्र०.....दिनांक..... द्वारा कार्य की स्वीकृति प्रदान कर दी है ।

नकद रसीद सं०दिनांक.....द्वारा निरीक्षण शुल्क की कुल ₹का भुगतान कर दिया गया है ।

आज दिनांक.....दिन.....को

परिसर के जल निकासी प्रणाली के प्रभारी के हस्ताक्षर

पता :

गृह के स्वामी का नाम व पता

क्र०.....दिनांक.....20

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त कार्य का निरीक्षण कर लिया गया है और उसकी स्वीकृति प्रदान की जाती है ।

अध्यक्ष

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्

दिनांक :

प्रपत्र- I

[उप नियम 3 (1)]

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्

न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के क्षेत्राधिकार में घरेलू/व्यवसायिक पेय जल/सीवर कनेक्शन हेतु आवेदन
[अधिशासी अभियंता (जल/सीवर), न.दि.न.परिषद् को (दो प्रतियों में) प्रस्तुत किया जाए]

1. आवेदक का पूरा नाम (बड़े अक्षरों में)
2. परिसर का पूरा पता, जहाँ जल कनेक्शन अपेक्षित है
3. (अ) वर्तमान पता तथा दूरभाष सं०, जिस पर आवेदक उपलब्ध हो, एवं पत्राचार किया जा सके।
(ब) यदि आवेदक स्वामी/पट्टाकर्ता/ अधिवासी है
(1) परिसर/सम्पत्ति के मालिक का नाम एवं पता
(2) (i) परिसरों में वर्तमान पेय जल कनेक्शन की संख्या का विवरण
(ii) आवेदक हेतु जल का वर्तमान स्रोत/प्रबन्ध
- (3) परिसरों का संक्षिप्त विवरण।
- (4) नए कनेक्शन हेतु अपेक्षित जल की मात्रा।
- (5) प्रस्तावित नए पेयजल कनेक्शन हेतु यूनियों/फ्लैटों/परिवारों/व्यक्तियों की संख्या इत्यादि के विवरण का औचित्य।
- (6) साइट नक्शा एवं स्केचिज, डुप्लीकेट रूप में स्पष्ट तथा स्थाई रूप से टिकाऊ सामग्री से बने तथा कम से कम 1 से.मी. से 1 मीटर माप से भवन अथवा परिसर को प्रदर्शित कर दर्शाया गया हो, जिसके लिए जल का कनेक्शन अपेक्षित है तथा पाइप लाइन प्रस्तावित आकार एवं सीध में हो। स्टॉप वॉल्व्स, टंकी, जल बहाव टंकी(सिस्टम्स), सिंक, नल, गरम पानी के बायलर्स और वे सभी फिटिंग्स, जिससे जलापूर्ति दी जाती है अथवा जहाँ से जल लिया जाता है, की स्थिति प्रदर्शित करेंगे। ये नलसाजी कार्यों पर मीटर की स्थिति, वर्तमान मुख्य लेन के बारे में स्केच से चिह्नित जल की लेन तथा प्रस्तावित कनेक्शन, सड़क काटने की अपेक्षा, लंबाई अथवा मुख्य लेन से मीटर प्वाइंट तक कनेक्शन लेने की स्थिति भी प्रदर्शित करेंगे।
7. स्वामी/पट्टाकर्ता से अनापत्ति (यदि आवेदक सम्पत्ति का मालिक नहीं है) अथवा किराए की रसीद की प्रतिलिपि/किराएदार का कोई अन्य सबूत जैसे बिजली का बिल, राशन कार्ड, इत्यादि।
8. परिसरों में जल के वितरण की पद्धति यथा शिरोपरि टैंकों, भूमिगत टैंक इत्यादि की स्थिति।

9. सीवर/जल निकासी के प्रबंध ।
10. प्रस्तावित नए कनेक्शन यथा कनेक्शन का आकार इत्यादि हेतु विवरण ।
11. नए भवन खण्ड हेतु अपेक्षित जल कनेक्शन के मामले में :-
 - (i) जल एवं सीवर लाइन के प्रबंध को दर्शाती ड्राइंग ।
 - (ii) भवन स्वीकृत योजना का संदर्भ।
 - (iii) 'सी' फार्म का अनुमोदन, भवन का अधिवासी प्रमाणपत्र ।
12. जल के उपयोग का उद्देश्य (घरेलू अथवा कार्यालय अथवा दुकानों हेतु/व्यवसायिक अथवा निर्माण के श्रमिक कैम्प हेतु)
13. दुकान, व्यवसायिक संस्थापना इत्यादि के मामले में, व्यवसाय का विवरण तथा क्या उनके पास उक्त आवेदक के नाम से पंजीकरण/वैध लाइसेंस है।
14. लाइसेंसप्राप्त नलसाज का नाम, जिसके द्वारा कार्य का निष्पादन किया गया। (सरकारी विभागों/संस्थाओं जैसे के.लो.नि.विभाग/लोक निर्माण विभाग इत्यादि के मामले में लागू नहीं)
15. यदि आवेदक एक स्वामी है, भवन के स्वामित्व का वास्तविक साक्ष्य यथा भूमि एवं विभाग अधिकारी से अनापत्ति प्रमाणपत्र, गृहकर विभाग से अंतिम बिल के भुगतान की प्रतिलिपि संलग्न हो।
16. क्या निरीक्षण शुल्क जमा किया गया है, यदि हाँ, रसीद की प्रतिलिपि संलग्न करें, यदि नहीं तो इसका कारण बताएँ ।

मैं समय-समय पर संशोधित अनुसार नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (पेयजल आपूर्ति) उपनियम, 2008 का अनुपालन करूँगा ।

1. आवेदक, राशन कार्ड की एक प्रतिलिपि अथवा भवन की अधिवासिता का वास्तविक सबूत, जिसके लिए कनेक्शन अपेक्षित है, अवश्य संलग्न करें।
2. यदि आवश्यक हुआ तो संबंधित उक्त वर्णित मदों का विवरण तैयार करने हेतु पृथक शीट संलग्न की जाए ।
3. यदि आवेदक एक स्वामी/पट्टाकर्ता है, तो संलग्न प्रोफार्मा (प्रपत्र- II तथा III) के अनुसार जल कनेक्शन हेतु आवेदन पत्र के साथ ₹ 10 के गैर न्यायिक स्टैम्प पेपर पर एक शपथपत्र तथा क्षतिपूर्ति बंध पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

संलग्न की सूची :-

1. स्वामी से अनापति प्रमाणपत्र/अधिवासी/पट्टाकर्ता के मामले में किराए की रसीद ।
2. बिजली/जल के अंतिम बिल के भुगतान की प्रतिलिपि ।
3. स्वामी के मामले में, गृहकर के अंतिम बिल के भुगतान की प्रतिलिपि ।
4. स्वामी के मामले में, समापन प्रमाणपत्र/समापन नक्शे की प्रतिलिपि ।
5. प्रपत्र II तथा III में शपथपत्र तथा क्षतिपूर्ति बंध पत्र ।

आवेदक का नाम एवं हस्ताक्षर
दिनांक

***नलसाज के हस्ताक्षर**

नाम तथा पता

टिप्पणी:

- * इस प्रपत्र को हस्ताक्षर करते समय तथा एक लाइसेंसप्राप्त नलसाज द्वारा उक्त मद सं० 6 में संदर्भित स्थल नक्शे को तैयार करने के लिए वसूलनीय अधिकतम शुल्क ₹ 200 अथवा ऐसी अन्य राशि से अधिक नहीं होगा जैसाकि अध्यक्ष के आदेशानुसार समय समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए ।

(₹ 10 का गैर न्यायिक स्टैम्प पेपर)
[नोटरी पब्लिक द्वारा सत्यापित किया जाए]

प्रपत्र- II

[उप-नियम 3 (3) तथा (4)]

शपथपत्र

मैं/हम.....पुत्र श्रीनिवासी.....
.....एतद्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक अभिपुष्टि तथा निम्न प्रकार घोषणा करता हूँ/करते हैं:

1. कि मैं/हम परिसर सं०.....का स्वामी/पट्टाकर्ता/अधिवासी हूँ/हैं, जिसके लिए प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर नया/अतिरिक्त जल कनेक्शन अपेक्षित है।
2. कि इस परिसर के मूल निर्माण के पश्चात् इसमें कोई अनधिकृत निर्माण नहीं हुआ है तथा नगरपालिका उप-नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया है तथा मैं/हम इसके पश्चात् इस संबंध में किसी क्षति हेतु न.दि.न.परिषद् को (प्रपत्र- III के अनुसार) क्षतिपूर्ति का वचन देता हूँ/देते हैं। पुनः दोषी पाए जाने पर न.दि.न.परिषद् एक लाइसेंस के रूप में इस संबंध में जल का कनेक्शन काट सकती है।
3. कि यदि उक्त जल कनेक्शन, जिस उद्देश्य के लिए स्वीकृत कराया गया है, अन्य किसी उद्देश्य हेतु उपयोग करता पाया जाता है, न.दि.न.परिषद् को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् अधिनियम, 1994 के प्रावधानों अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने का अधिकार है।
4. जल कनेक्शन मेरे/हमारे भूमि उपयोग सहित, परिसर के नियमितकरण के किसी विधिक अधिकार को प्रदान नहीं करेगा। पुनः न.दि.न.परिषद् के पास बिना किसी सूचना के जल कनेक्शन काटने का अधिकार होगा।
5. मैं/हम नियमित रूप से बिलों का भुगतान करूँगा/करेंगे। ऐसा न होने पर न.दि.न.परिषद् मेरे/हमारे अन्य परिसरों से जल कनेक्शन काटने सहित बकायों की वसूली कर सकती है।
6. यदि लाइसेंस प्राप्त व्यापार हेतु जल आपूर्ति कनेक्शन के पश्चात् जल का उपयोग किये जाने के मामले में, मैं/हम सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाणपत्र/प्राप्त करूँगा/करेंगे तथा जल/सेवा प्रभार जैसा लागू हो, का भुगतान भी करेंगे।

अभिसाक्षी

सत्यापन

मैं/हम.....पुत्र श्रीनिवासी.....
.....एतद्वारा अभिपुष्टि करता हूँ /करते हैं कि उक्त शपथपत्र में दी गई सूचना मेरे ज्ञान तथा विश्वास के अनुसार सही है।

साक्षी

अभिसाक्षी

- 1.
- 2.

प्रपत्र- III

(क्षतिपूर्ति बंधपत्र का प्रोफार्मा ₹ 10 के गैर न्यायिक स्टैम्प पेपर पर निष्पादित किया जाए)

₹ 3 मूल्य की नोटोरियल स्टैम्प लगाई जाए

क्षतिपूर्ति बंधपत्र

जहांकि मैं.....पुत्र श्रीनई दिल्ली, का कानूनी स्वामी/पट्टेदार/अधिवासी हूँ।

तथा जहांकि, उक्त परिसर नए जल कनेक्शन के साथ संस्थापित किया जाना है, जिसकी खपत के बिल मेरे नाम से जारी होने है तथा मेरे द्वारा भुगतान किया जाना है।

तथा जहांकि, मैं पुष्टि करता हूँ कि भवन में इसके मूल निर्माण के पश्चात् कोई परिवर्तन/परिवर्धन नहीं किया गया है तथा आच्छादित क्षेत्र पहले जैसा ही है और नगरपालिका उप-नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ है एवं दोषी पाए जाने पर, परिषद् बिना किसी सूचना अथवा चेतावनी के उक्त कनेक्शन काट सकती है।

तथा जहांकि, मैं अपने नाम से नया/अतिरिक्त जल कनेक्शन लेने का इच्छुक हूँ जिसके लिए मैं पृथक रूप से आवेदन कर रहा हूँ।

अतः अब मैं उक्त नाम.....से इस नए जल कनेक्शन की स्वीकृति किए जाने के संबंध में किसी के द्वारा अथवा भवन के स्वामी द्वारा किसी समय पर दावा किए गए किसी हानि/क्षति या मुआवजे हेतु न.दि.न.परिषद् को प्रतिपूर्ति तथा क्षतिपूर्ति बंधपत्र का वचन देता हूँ।

निष्पादक

(हस्ताक्षर)

नाम बड़े अक्षरों में

साक्ष्य

(नाम एवं पूरा पता)

1.

2.

(नोटरी पब्लिक से सत्यापित किया जाए)

F. No. 4/3/2007/UD/13393.—The following Bye-laws made by the New Delhi Municipal Council under Chapter XXI read with Part 'B' of sub-section (1) of section 388 of the New Delhi Municipal Council Act 1994 (Act. No. 44 of 1994), after previous publication and with the prior approval of the Government of National Capital Territory of Delhi, in pursuance of provisions of section 391 of the said Act, are hereby published as under:—

**“The New Delhi Municipal Council
(Drainage) Bye-laws, 2012**

1. **Short title and commencement.**— (1) These Bye-laws may be called “The New Delhi Municipal Council (Drainage) Bye- Laws, 2012”.

(2) These Bye-laws shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**— (1) In these Bye-laws, unless the context otherwise requires:—
 - (a) “anti-syphonage” means a device to preserve the water seal in traps by providing ventilation;
 - (b) “cesspool” includes a septic tank, a settlement tank or other tank for the reception of disposal of foul matter from a premises;
 - (c) “Chairperson” includes any municipal officer or other municipal employee as may be authorized by him in this behalf;
 - (d) “combined system of drainage” means a system in which foul water and surface water are conveyed by the same sewers and drains;
 - (e) “connection” means the junction of a foul water drain, surface water drain or sewer from buildings or with a public sewer;
 - (f) “drop connection” means a branch of drain of which the last length of piping of the incoming drain before connection to the sewer is vertical;
 - (g) “drop manhole” means a manhole incorporating a vertical drop for the purpose of connecting a sewer or drain at high level to one at a lower level;
 - (h) “form” means a form appended to these bye-laws;

- (i) "interceptor manhole or interceptor chamber" means a manhole incorporating an intercepting trap, and providing means of access thereto and equipped with a fresh air inlet on the upstream side of the trap and a vent column on the down-stream side;
- (j) "invert" means the lowest point of the interior of a sewer or drain at any cross-section. In a manhole chamber, the channel in the floor of the chamber which carries the flow of the sewage through the manhole;
- (k) "manhole" means an opening by which a man may enter or leave a sewer or other closed structure for inspection, cleaning and other maintenance operations, fitted with a suitable cover;
- (l) "partially separated system of drainage" include a modification of the separate system in which part of the surface water is conveyed by the foul sewers and drains;
- (m) "privy" means a place set apart from defecating or urinating or both, together with the structure comprising such place, the receptacle therein for human excreta and the fittings and apparatus, if any, connected therewith and includes a closet of the dry type and acquex Privy, a latrine and a urinal;
- (n) "rodding eye" means an access opening having a removable cover to enable obstructions to be cleared by means of a drain rod;
- (o) "saidle" means a purpose made fitting, so shaped as to fit over a hole cut in a sewer or drain, and used to form connection;
- (p) "separate system of drainage" means a system in which the foul water and surface water are conveying in separate sewers and drains;
- (q) "service latrine" and service urinal" means respectively a latrine and urinal cleaned by hand;
- (r) "sewers" means conduits or any device provided for the purposes of carrying the liquid wastes of the community otherwise known as sewage or sullage;
- (s) "soakage pit" means a pit suitably prepared to receive surface water for seepage into surrounding ground;
- (t) "soil waste" means the discharge from water closets, urinals, slop sinks, stable or cowshed gullies and similar appliances;
- (u) "soil pipe" means a pipe which receives the discharge from soil fitments such as water closets, urinals, shop sinks, etc;
- (v) "storm water drain" means any open channel or conduit whether within private premises or public and reserved exclusively for conveyance of rain water;
- (w) "sub-soil water drain" means pipe or other means for removing the water lying in the soil below ground level;
- (x) "surface water drain" means a drain conveying surface water including storm;

- (y) "trade effluent" means the discharge, other than sewage, soil or waste, from any manufacturing process;
 - (z) "vent" means a pipe line installed to provide flow of air to or from a drainage system or to provide circulation of air within such system to protect trap seals from syphonage and back flow;
 - (aa) "ventilating pipe" means a pipe which provides a safe outlet into the atmosphere for the foul gases in the drain or sewer;
 - (bb) "waste water (sullage)" means used waste from bath, wash basins, sinks and similar appliances which does not contain human or animal excreta;
 - (cc) "water closet" means a closet which has a separate fixed receptacle connected to a drainage system and separate provision of flushing from supplying of clean water either by the operation of a mechanism or by automatic action, and includes a room or compartment fitted with an appliance for receiving liquid and solid human waste which is cleaned by water flush.
- (2) In these bye-laws, wherever reference is made to other standard specifications, this shall cover all subsequent amendment thereto.

3. **Powers of the Chairperson.**--- The Chairperson shall be the judge of the adequacy of the means taken to comply with any of these bye-laws and of the suitability of the materials, the design and the quality of the workmanship. He may in suitable cases allow by orders in writing the use of materials other than those specified, if he considers such materials, equally suitable and efficient.

NOTICE AND SUBMISSION OF PLANS

4. **Intention to construct.**--- Every person who intends or is required to lay-out, construct or alter the pipes drains or other means of communication with, any sewer, or the traps or apparatus connected therewith shall, before commencing any such work, comply with the requirements of bye-laws 5 to 9.
5. **Notice of intention to construct.**--- (1) Notice in writing of such intention shall be delivered at the Council's office in duplicate in form 'A' attached, copies of which may be obtained free of charge at the Council's office.
- (2) Such notice shall bear the full name and address of the applicant and shall state the street and assessment number of the premises upon which such works are intended to be executed and all the particulars required in the printed form 'A' of notice.

6. Deposit of plans.— (1) With the notice referred to in bye-law 5 shall be deposited plans and sections (in triplicate) clearly and indelibly made on a durable material and drawn to a scale of not less than 1 cm. to 2 metre, and the vertical scale of the sections shall be the same as the scale of the plans.

(2) The plan shall be prepared by a registered architect, engineer, draftsman or a licensed plumber and signed by him and by the applicant and shall show the following:—

- (a) every floor of any building in connection with which the pipes or drains are to be used;
- (b) the position, forms, levels, and arrangement of the several parts of such building including the roof thereof;
- (c) the whole of the intended new drains with their proposed sizes and gradients in figures;
- (d) the levels of the ground surface and depths of the proposed drains; and
- (e) the position of every manhole, gully, soil pipe, ventilating pipe, rain water pipe, water closet, urinal, latrine, bath, lavatory, sink, trap or other appliances on the premises proposed to be connected with any drain and in a distinctive colour in respect of drains, etc., mentioned in paragraphs (c) and (d) above.

This information shall be shown complete both on elevations and sections as well as on plans.

Provided always that in the case of an alteration or addition to an existing building the conditions shall be deemed to be satisfied if the plans convey sufficient information for the proposals to be readily identified with the original or subsequent sanctioned plans.

(3) The plans shall also show:

- (a) The position of all windows and other openings in the building;
- (b) The height and position of all chimneys belonging to the building within a distance of 5 metre from the open end of a soil pipe or ventilating pipe;
- (c) The scale to which the plan is drawn;
- (d) In detail, the nature of all sanitary connections including the manner of disposal of rain water and its discharge to the storm water drains; and

- (e) The disposal of bath room and kitchen sullage and connections to the waste and soil pipes and the nature of the connection of the soil pipe to the sewer with a suitable intercepting chamber, when such chamber has been required by the Chairperson by a general or special order.

7. **Block plan of the premises.**--- (1) With the notice referred to in bye-law 5 shall be deposited a block plan of the premises (in triplicate) upon which the building is to be situated or any such work is to be carried out, drawn to a scale of not less than 1 cm. to every 100 cm.

(2) The block plan of the premises shall show:--

- (a) The block plan of the building and the position of all other buildings on the premises and such parts of the adjoining buildings as may be affected by the proposed work;
- (b) The names of streets adjoining the premises;
- (c) The lines, size and inclination of all drains and surface drains, if any;
- (d) The difference in level between the lowest floor of the building and of any court-yard and of the adjoining ground;
- (e) The scale of the plan; and
- (f) The drains and other appliances shown by distinctive colours.

Provided that it shall not be necessary to deposit a block plan in any case where the particulars required to be shown on the block plan are shown on the detailed plan hereinbefore required.

8. **Cross-sections when to be provided.**--- If considered necessary in any case by the Chairperson, the plan shall be accompanied with cross sections, with dimensions shown in figures and drawn to a scale of not less than 1 cm. to 50 cm. of all open drains, showing the ground level and the kerbs or other means, already existing or proposed, for exclusion of all storm water, except the first washing from court-yards and paved open spaces.

9. **Description of works proposed.**--- With the plan referred to in bye-law 7 shall be deposited a detailed description (in triplicate) of the intended mode of constructing, joining or fixing any such drains, manhole, gully, pipe, water closet, urinal, bath, lavatory basin or apparatus or trap. This shall be done in form "B" copies of which may be obtained free of charge at the Council's office.

10. **Commencement of work.**— After the plans have been sanctioned by the Chairperson one copy thereof shall be returned to the applicant and the work may then be proceeded with.
11. **Notice of covering up drains or other drainage works.**— Every person who constructs or alters any drain or other drainage work shall, before proceeding to cover up any foundations, drains, or appliances connected with the drainage, give to the Chairperson, notice in writing that such foundations, drains or appliances are ready for inspection and specify the date and hour on which he will proceed to cover up such foundations, drains or appliances. Such notice shall be in form "C".
12. **Notice of completion of work.**— Every person who constructs, or alters any drain, or other drainage work, shall give the Chairperson notice in writing, specifying the date and hour at which such drains or works will be ready for final inspection. Such notice shall be in form "D".
13. **Connection with municipal sewer.**— (1) No connection of any drain to any municipal sewer or any drain to any existing private drain already connected to a municipal sewer shall be made until a certificate has been issued by the Chairperson that the whole of such drain and the appliances connected therewith comply with all the requirements of these bye-laws.
- (2) Such connection shall be made by a duly authorized officer of the Council or at the discretion of the Chairperson by a licensed plumber under the supervision of an authorized municipal employee and the application for the connection shall be accompanied by a copy of the said certificate and the deposit, before the connection is made of such of money as the Chairperson may prescribe from time to time to meet the cost of the connection.
14. **Inspection by the officers authorized by Chairperson.**— (1) Every person by or for whom any drain or other work connected therewith is laid out, constructed, fixed or altered, shall, at all reasonable times, afford any duly authorized officer of the Council free access to such drain or work for the purpose of inspection. The Chairperson shall ensure that the basic requirements for the bye-laws are carried out, but no such close supervision can be given as to relieve the house owner or his plumber of the duty of taking due care in the execution of the work and providing good and sufficient material and workmanship.

(2) In emergent cases in which an alteration of the drains or other appliances must be carried out at once, the owners and occupiers of the premise may, get in touch with the Chairperson who may, in urgent and suitable cases, issue necessary directions. This, however, does not relieve the owner of his obligation to take steps for filing plans, etc., with the Chairperson and obtaining the sanction.

15. **Drainage of buildings.**--- Proper provision shall be made for the drainage of buildings and of all premises. Rain water shall be dealt with separately from sewage and sullage, in such areas of New Delhi where the separate system of drainage prevails. Sewage and sullage shall be discharged by pipes with the exception that sullage may be discharged by a surface drain which should be as short as possible if the Chairperson considers discharge by pipes to be impracticable.

16. **Drainage of courtyard.**--- The drainage of an inner courtyard shall be discharged to the sewer or the storm water drain as the case may be. All other courtyards must be provided with one or more outlets through which rain water may pass to the drainage system.

Explanation--- (a) An inner courtyard means a courtyard in which all its sides are bounded by rooms or verandahs or by dividing walls of the next house and includes courtyard on the first and higher floors of buildings.

(b) An outer courtyard is a courtyard in which one at least of the walls faces out into the open.

17. **Level of lowest storey.**--- The lowest storey of every new building shall be constructed at such level as will allow of the construction of a drain sufficient for the effectual drainage of the building and of the provision of the requisite communication with any sewer into which such drain may lawfully empty. The level at which the incoming drain enters the sewer must be such that no invert connection shall be made.

HOUSE DRAINS

18. **Materials.**--- (1) All material used in the construction of any of the works or any of the appliances described in these bye-laws shall conform to be the latest edition of the relevant Bureau of Indian Standards, where available, in so far as these standards are applicable. Where no such standards exist, the materials shall be of the best quality and workmanship.

- (2) Concrete is a mixture of hard stone aggregate of suitable sizes ranging from 20mm to 40mm nominal size and cement mortar as may be specified according to the nature of the work. No lime shall be used for a structure coming into contact with structures pertaining to sewage works.
- (3) The mortar for concrete shall be mixed in the proportion of 1 (One) part of cement to 3 (Three) parts of sand by volume.
19. **Internal diameter of drain.**--- Every drain shall have an internal diameter of not less than 150 mm and not more than such size as may be necessary for the flow or as may be approved by the Chairperson.
20. **Drains to be laid in concrete.**--- Except in the case of firm soil, every drain shall be laid on a bed of good concrete not less than 150mm thick and of a minimum width equal to the width of the external diameter of the collar or socket. Where there is the possibility of vehicular traffic passing over the drain, the concrete bed should extend on each side of the drain 150 mm or the external diameter of the pipe whichever is more and it must be hunched upto the top of the pipe. In made up, wet or boggy soil, the pipe must be completely surrounded in concrete not less than 150 mm thick measure radially.
21. **Gradients.**--- (1) The gradients shall be such as to secure a self cleaning velocity of 0.90 metre to 1.05 metre per second the pipes flowing half full. The following gradients are recommended:
- 150 mm diameter pipe 1 in 60 to 1 in 80.
200 mm diameter pipe 1 in 80 to 1 in 120.
- (2) For velocities higher than 1.50 metre per second due to very sharp gradients, cast iron pipes should be used.
22. **Joining of pipes.**--- Every joint in a drain shall be made in the manner and with joining materials hereinafter prescribed, so as to preserve the continuity of the drain without obstruction.
- (1) If a drain is constructed in stoneware pipes or material other than metal, the drain shall be jointed with socket joints properly put together with cement or other equally suitable material approved by the Chairperson. If cement is used it shall be 2 parts of Portland cement mixed with 7 parts of clean sharp sand.
- (2) All spigot and socket pipes shall be laid with the spigot end of each

pipe in the direction of the flow of sewage and such pipes shall be laid by the spigot end of each pipe being placed in the socket of the pipe last laid.

(3) Joints shall be made by forcing a ring of gaskin not more than 15 mm in depth, which has been steeped in bitumen well into the base of the socket, so as to bring the spigot end concentric with the socket and its invert flush with the invert of the pipe last laid, and to prevent the passage of bitumen into the bore of pipe. The mortar is to be forced into the joint until the whole space between the spigot and socket is quite full, the joint is then to be finished off with a neat fillet. After laying, the inside of each pipe is to be carefully cleaned and examined to see that no mortar is left inside and the surfaces of the jointed pipes are flush all the way round. Provided always that it shall be sufficient if the pipes are connected in a manner considered by the Chairperson to be equally suitable and efficient.

(4) If a drain be constructed of cast iron socketed pipes, the joint shall be made with a gaskin of hemp or yarn and metallic lead, properly caulked. The depth of gaskin and of lead will be as prescribed below:

Size of pipe (mm.)	Caulking space (mm.)	Depth of lead (mm.)	Weight of lead (kilogram)	Weight of yarn (gram)
80 mm.	10 mm.	45 mm.	1.82 kg.	135 gm.
100 mm.	10 mm.	45 mm.	2.16 kg.	170 gm.
150 mm.	10 mm.	45 mm.	3.06 kg.	340 gm.

(5) If a drain be constructed of flanged pipes, the joints shall be securely bolted together with rubber or other suitable insertion, as prescribed in the relevant specifications.

(6) All pipes shall be skillfully jointed and any projecting material or irregularity inside the drain shall be carefully removed.

23. **Drains to be water-tight.**--- (1) Every drain shall be so constructed as to be water tight and to be capable to resisting a pressure of at least 1.20 metre head of water above the highest pipe.

(2) No drain shall be covered up until it has been tested in the presence of the Chairperson, and passed by the Chairperson. A record of the passing of a drain shall be given to the registered plumber.

- 24. Excavations.**— All excavations shall be properly timbered where necessary.
- 25. Bedding of pipes.**— (1) All underground drains constructed of cast iron pipes shall be securely bedded on firm ground and filled round with selected material free from large stones, watered and well rammed into place.
- (2) where such drains traverse soft or yielding ground or where water makes its appearance in the trench such drains shall be embedded in or completely surrounded with cement concrete, as may be ordered by the Chairperson.
- 26. Drains under buildings.**— No drain shall pass beneath any part of a building except with the permission of the Chairperson. In such cases a heavy cast iron pipe with caulked lead joints shall be provided. Cast iron pipes shall be of minimum 150mm. diameter or as decided by the Chairperson. The drain pipes shall be laid in a straight line for the whole distance beneath the building and a manhole shall be provided at each end of the drain. In case the pipe or any part of it is laid above the natural surface of the ground, it must be supported on masonry concrete supports and the bottom of which goes at least 150 mm. below the ground surface.
- 27. Drains below walls to be protected.**— Any drain or sewer laid beneath the wall by means of an arch, flagstone or iron support, which shall not bear on the drain or sewer, and shall be of sufficient size and strength to prevent any disturbance of or other injury to such drain or sewer.
- 28. No right angled junction in drains.**— The drains of a building communicating with a sewer shall be constructed in such a manner as not to form any right angled junction, either vertical or horizontal. All drain junctions shall be curved obliquely in the direction of the sewage flow.

MANHOLES (INSPECTION CHAMBERS)

- 29. Intercepting sewer trap.**— Unless otherwise required by the Chairperson, at the connection between the house drain laid in the street by the Council at the expense of the owner and the pipe laid by the owner, an inspection chamber shall be constructed fitted with a 150 mm. diameter stoneware intercepting sewer trap having a water seal not less than 50 mm. and with a 75 mm. vent pipe with the open end of the pipe placed above the roof so as to comply with the conditions set out in the bye-laws relating to ventilators.

- 30. Provision of manholes or inspection chambers.**— (1) At every change of alignment, gradient or diameter of a drain, there shall be a manhole or an inspection chamber shall be constructed of brick work laid on cement concrete and be internally plastered with 15 mm. coat of cement and sand (1 cement: 2 sand). In the chamber, a channel with a half round invert either of stone ware or of cement concrete mix 1:2:4 (1 cement : 2 coarse sand : 4 graded stone aggregate 20 mm. nominal size) with cement plastered and neat punning mortar shall be formed of the width and the full depth of the pipe drain. The walls shall be brought up to the surface of the ground and covered with a cast iron air-tight cover and frame. Bends and junctions in the drains shall be grouped in the manholes as far as possible. The maximum distance between the manholes shall be 20 metre.
- (2) All angles in manholes or inspection chambers shall be rounded off when rendering in cement plaster 15 mm. thick (1 cement : 2 washed sand) trowelled to a smooth finish.
- (3) The benching at the sides shall be carried up in such a manner as to provide no lodgment for any splashing in case of accidental flooding of the chamber.
- (4) Where the diameter of a drain is increased, the tops of the pipes must be fixed at the same level and the necessary slope given in the invert of the manhole chamber.
- (5) Where two drains at different levels are to meet in a manhole, and where the difference in levels of the inverts exceeds 0.60 metre the connection from the upper to the lower shall be made by a back-drop.
- 31. Size of chambers.**— (1) Chambers shall be of such size as allow necessary examination and /or clearance of drains. The minimum internal sizes of chambers shall be as follows:
- (a) Manhole depth of 75 cms. or less → 70 cms. x 70 cms.
 - (b) Manhole depths between 75 cms. to 1.50 metre → 0.90 metre x 0.80 metre
 - (c) Manhole depth between 1.50 mtr-2.10 metre → a conical or domical manhole of internal diameter of 1.22. metre at bottom and tapering to 560 mm. at the top.
 - (d) Manhole depths more than 2.10 metre → a conical or domical manhole of internal diameter 1.52 metre at bottom and tapering to 560 mm diameter at the top.

(2) Foot rests shall be provided in all manholes over 1.20 metre in depth, and shall be of malleable cast iron and of dimensions approved by the Chairperson.

32. Manhole covers.— (1) Manhole covers and their frames shall be of steel fibre reinforced concrete or reinforced cement concrete and to a design approved by the Chairperson. The size shall be such that there will be a clear opening of at least 500 mm diameter for manholes exceeding 0.90 metre in depth or in the case of square or rectangular covers a clear width of at least 0.45 metre. Covers shall be airtight, grease sealed and fitted with a lip into a groove of the frame and shall fit properly and bed evenly without rocking in their frames.

(2) The following are the minimum weights, including frames, for the sizes of the covers given:

(a) For public streets and private roads and road berms 500 mm. in diameter.

(b) Within compounds and buildings:
600 mm. x 450 mm.

33. Manholes to be water tight.— All manholes (or inspection chambers) are to be constructed so as to be water-tight under test. The test will consist in filling the body of the manhole (as distinct from the shaft) with water. The water will remain in the manhole with a fall not exceeding 25 mm. for at least 3 hours, and after that period the brickwork will be examined for water tightness.

34. Inlets to drain within the buildings.— (1) No inlet to a drain, other than a drain for the conveyance solely of trade effluent, shall be made within a building, except:

- (i) a trapped gully fitted with a suitable cover;
- (j) an inlet, which is a necessary part of any W.C. Pan, bath, sink, urinal bidet or lavatory basin;
- (k) a junction with another drain.

(2) Except where the Chairperson is satisfied that it is impracticable, no manholes shall be permitted under covered area.

SOIL AND WASTE PIPES

35. **Size of soil pipes.**— A soil pipe conveying to a drain any solid or liquid filth, shall be circular and shall have an internal diameter of not less than 100 mm.
36. **Soil pipes to be outside the building.**— Except where the Chairperson is satisfied that it is impracticable, the soil pipes shall be situated outside the building or in suitably designed pipe shafts and shall be continued upwards without diminution of its diameter, and (except where this is similarly unavoidable) without any bend or angle, to such a height and position as to afford by means of its open end a safe outlet for foul air. The position of and covering to the open end shall be such as to comply with the conditions set out in the bye-laws relating to ventilation of drains. Pipes laid in external chases are outside the building. Where pipe shafts are provided, the cross-sectional area shall be such as to allow free and unhampered access to the pipes to be installed in the shaft and in no case shall the cross section be less than 0.90 metre x 0.90 metre. All pipes shafts shall be provided with an access door at ground floor level and facilities for ventilation.
37. **Soil pipe connections.**— Soil pipes, whether inside or outside the building shall not be connected with any rain water pipe or with the waste pipe of any bath, sink or hand basin, and there shall not be any trap in such soil pipe or between it and any drain with which it is connected.
38. **Materials for soil pipes.**— (1) Soil pipes shall be constructed in drawn lead, asbestos cement or cast iron conforming to latest edition of the relevant Indian standard Specifications.
- Provided that where it is necessary to construct the soil pipe within a building, it shall be constructed in drawn lead with proper wiped plumbers joints, or in cast iron to appropriate Indian standard Specifications with molten lead joints, properly caulked in visible positions and so as to be easily accessible and shall not be constructed in asbestos cement, soil, waste or vent pipes laid in chases in walls other than in the outer face of external walls should be regarded as being laid within the building.
- (2) Joints in cast iron soil pipes outside the building shall be made air tight by a ring of hemp gasket and with a mixture composed of cement, boiled linseed oil and chopped hemp.
39. **Colour painting.**— When soil pipes are to be painted in colour other than black, the pipes shall be treated in the following manner:

1st Operation—The pipes and fittings shall be treated with two coats of "Knotting varnish" the second coat being applied after first has thoroughly dried.

2nd Operation— Over the undercoat primer of "knotting varnish", white zinc paint treated with the required shade or pigment shall be applied.

40. **Supports for soil pipes.**— The soil pipe shall be strongly supported at the foot upon a bed of concrete and firmly attached to the walls. The soil pipe shall be fixed at least 25 mm. clear of the finished surface of the wall, and only holder-bats of approved type shall be used. Nail fixing is prohibited.
41. **Waste pipes.**— (1) Every pipe in a building for carrying off the waste or overflow water from every bath, lavatory, basin or sink to a drain shall be 32 mm. to 50mm. internal diameter, and shall be trapped immediately beneath such lavatory, basin or sink by an efficient siphon trap with adequate means for inspection and cleansing and shall be ventilated into the external air whenever such ventilation may be necessary to preserve the seal of the trap. Such pipes, traps, etc, shall be constructed of iron, lead, stoneware, asbestos-cement or such other suitable material as shall be approved by the Chairperson. No trap of the kind known as a bell trap, a tube trap, or a D trap shall be constructed or fixed in the waste pipe of a lavatory basin or sink.
- (2) If lead pipes are used, they shall be of uniform thickness throughout and shall weigh at least 4.0Kg./meter for 40 mm. dia pipe 5.0 Kg/metre for 50 mm. pipes.
- (3) If cast iron pipes are used, they shall comply with the relevant Bureau of Indian Standards code for cast iron spigot and for socket and ventilating pipes.
- (4) If galvanized pipes are used these shall be of the grade known in the trade as heavy quality.
- (5) If asbestos-cement pipes are used they shall comply with relevant Bureau of Indian Standards code.
42. **Waste pipes to discharge into the open air.**— Every pipe in a building for carrying off waste water to a drain shall be taken through an external wall of the building by the shortest practicable line and shall discharge into a tapped gully. The waste pipe shall be continued upwards without any diminution in its diameter and (except when unavoidable) without any bend or angle to such a height and position as to afford by means of the open end of the

waste pipe, a safe outlet for foul air, the position of and covering to the open end being such as to comply with the conditions set out in the bye-laws relating to ventilation. All down-take pipes for water shall be of cast iron 75 mm in diameter.

43. **Overflow pipes.**--- The overflow pipes from any cistern shall be taken through an external wall of the building and shall discharge into the open air in an exposed and conspicuous position so as not to cause dampness. The overflow pipe shall be rendered mosquito proof by a device which does not interfere with its function. The device adopted must be approved by the Chairperson.
44. **Supports for waste pipes.**--- The waste pipe shall be firmly attached to, but at least 25 mm. clear of the walls and properly fixed holder-bats shall be used; provided always that it shall be sufficient if the pipes are secured to the walls in a manner considered by the Chairperson to be equally suitable and efficient.

SOIL PIPE, WASTE PIPE AND VENTILATING PIPE CONNECTIONS

45. **Pipe and joints to be air tight.**--- (1) All soil pipes, waste pipes, ventilating pipes and all other pipes when above ground, shall be proved gas tight in the presence of the Chairperson, by smoke produced and applied as directed by the Chairperson.
- (2) It shall be a condition of the license of the every licensed plumber to possess a smoke testing machine, which will be indelibly stamped with a number of the Council, which will maintain a record of such numbers.
46. **Lead and iron connections.**--- Where any lead waste pipe, ventilating pipe or trap is connected with an iron pipe or drain communicating with a sewer, there shall be inserted between such waste pipe and such iron pipe or drain a flanged thimble of copper or brass, which shall be connected to such lead waste pipe by means of a wiped joint. The thimble shall be connected with such iron pipe or drain by means of a joint made with molten lead, properly caulked, a sufficient quantity of lead being melted at a time to finish each joint at one pouring.
47. **Stoneware and lead pipe connections.**--- Where any stone ware or semi vitrified ware trap or pipe is connected with a lead soil pipe waste pipe or trap communicating with a sewer, there shall be inserted between such stone ware or semi vitrified ware trap or pipe and such lead soil pipe, waste pipe or

trap, a socket of copper, cast brass or other suitable alloy, which shall be connected with such stoneware or semi-vitrified ware trap or pipe by means of a joint made with cement mortar consisting of one part of Portland cement and three parts of sharp sand and with the lead soil pipe, waste pipe or trap by means of wiped metallic joint.

48. **Cast iron and stoneware pipe connections.**--- Where any cast iron soil pipe, waste pipe, ventilating pipe or trap is connected with a stoneware or semi-vitrified ware trap or drain communicating with a sewer, the beaded spigot end of such iron soil pipe, ventilating pipe, waste pipe, or trap shall be inserted into a socket of such stoneware or semi-vitrified ware pipe or drain and the joint made with mortar consisting of one part of Portland cement and three parts of clean sharp sand. Where any W.C. pan or earthenware trap connected to such pan is to be jointed with a cast iron pipe, the joint between the stoneware spigot and the cast iron socket must always be of a flexible (non-rigid) nature. Such joints are to be made with a mixture of bitumen and chopped asbestos fibre (not dust) or cement putty, i.e. a mixture of cement, chopped hemp with double boiled linseed oil.

VENTILATION OF DRAINS

49. **Ventilating opening in drains**--- The drain intended for carrying foul water from a building shall be provided with a Cast Iron or G.I. vent pipe of not less than the specified size at the following points:

(a) A vent pipe of 75 mm. diameter or of equivalent sectional area, at the intercepting sewer trap chamber where the house drain joins the municipal sewer.

(b) A vent pipe of 75 mm. diameter or of equivalent sectional area, at the head of every pipe drain.

The vents should be raised to the height specified in bye-law 51.

50. **Position of open end of vent shaft or pipe.**--- Each such opening shall be obtained by carrying up vertically from the drain a pipe or vent shaft to such a height and in such a position as to afford by means of the open end of such pipe or vent shaft a safe outlet for foul air, and as to create the least possible nuisance.

51. **Ventilating pipes.**---(1) The drain intended for carrying foul water from a building shall be provided with at least one ventilating pipe situated as near

as practicable to the building and as far away as possible from the point at which the drain empties into the sewer or other carrier.

(2) The ventilating pipe or shaft shall be carried to a height of at least 60 cm. above the outer covering of the roof of the building or in the case of the window in a gable wall or a dormer window it shall be carried up to the ridge of the roof or at least 2 m. above the top of the window.

(3) In the case of a flat roof to which access is provided it shall be carried upto a height of at least 1.20 metre above the parapet and not less than 2.0 metre above the head of any window within a horizontal distance of 3.0 metre from the vent pipe and in no case shall it be carried to a height less than 3 metre above plinth level.

(4) In case the adjacent building is taller, the ventilating pipe shall be carried higher than the roof of the adjacent building, wherever it is possible.

52. Openings to be protected by gratings or covers.— (1) Any opening provided in accordance with any of the arrangements hereinbefore specified shall be furnished with suitable grating, cowls, wire dome, or other suitable cover for the purpose of preventing any obstruction in or injury to, any pipe or drain by the introduction of any substance through the opening.

(2) Such grating or cover shall be so constructed and fitted as to secure the free passage of air through the grating or cover by means of a suitable number of apertures, of which the aggregate extent shall be not less than the sectional area of the pipe or vent shaft to which the grating or cover may be fitted.

53. No bends or angle in pipes.— Except where unavoidable, no bends or angles shall be made in any pipe or vent shaft used in connection with any of the arrangements hereinbefore specified.

54. Size of ventilating pipes.— Every pipe or vent shaft that may be used for ventilating purposes shall have a minimum diameter of 75 mm. or an equivalent sectional area.

55. Where separate vent pipe not required.— The provision of a separate vent pipe at the head of a drain may not be required in case a soil pipe is provided at the head and same is carried to the height as specified under Bye-law 51.

56. **Material for vent pipe or shaft.**--- Every pipe or vent shaft used in connection with any of the arrangements specified hereinbefore shall be of cast iron or galvanized iron. The topmost piece of such pipe or vent shaft may however be of mild steel boiler tubes.
57. **Ventilation of water closet trap-provision against antisiphonage.**--- In every case where there is a tier of water closets one above another, a 50 mm. antisiphon pipe shall be taken from each water closet trap except that of the highest water closet and carried above the roof and to such a height as is specified in bye-law 51. This will not apply to a water closet on the ground floor connected independently (i.e. not through the common soil pipe) to the house drain. The antisiphon pipe shall be connected with the trap at a point not less than 75 mm and not more than 300 mm. from the highest part of the trap and on the side of the water seal which is nearer to the soil pipe.

OPEN DRAINS

58. **Construction of open drains and surface channels.**--- (1) In no instance shall a drain interior to a building for the conveyance of the house sullage to the street sewer be an open drain. All open drains or surface channels shall be constructed either of cement concrete mix(1 cement:2 coarse sand : 4 graded stone aggregate 20 mm. nominalised) neatly finished properly formed to the shape of the channels and plastered with cement mortar or with half round glazed stoneware socketed channels for the inverts laid on a bed of fine cement extending in depth from the top of channel to at least 75 mm. below underside thereof, and in width at least 75 mm. on both sides of the channel. Above the channel the drain may be constructed of brickwork in mortar plastered with at least 20 mm. of cement mortar (1cement: 2 sand).
- (2) No drain shall be constructed less than 75 mm. deep and 75 mm. wide and all drains must at all times be of such dimensions as to comply with all sanitary requirements and be laid to such gradients as shall effectually drain away all water which may, from time to time, be discharged into the open drain,
- (3) If necessary, kerbs shall be constructed less than 75 mm. wide above the adjoining ground surface or of such height as may be necessary.
59. **Trap and silt catcher.**--- At the end of the open drains, a silt chamber of size 60 cm. long, 20 cm. wide and 30 cm. deeper than the bed of the drain shall be constructed with a vertical cast iron grating 400 mm. from the open

drain to the full size of the silt chamber. This shall discharge into a trap connected to an inspection chamber.

60. **Drainage of house having high plinth.**--- In the event of the plinth of a house being much higher than the bed of an open drain, all washing places on the ground floor shall discharge into the open drain by means of a 75 mm. discharge pipe brought down to such a level as to avoid a splash.
61. **Paving of ground surface.**--- The surface of all house gullies, not occupied by, or beyond what is occupied by an open drain shall be paved with fine dressed blue stone or Indian patent stone or other stone approved by the Chairperson. Where a separate system of disposal exists, at the lower end of the gully whether the open drain for sullage or sewage be at the center or at the side, a jump weir shall be formed so that while any ordinary flow of sewage will discharge into the connection with the inspection chamber, a rush of storm water will be jumped over the opening and pass into the storm water drain.
62. **Water closet not to be connected with open drain.**--- No water closet or any arrangement by which night soil is to be removed by the water carriage system shall be connected with an open drain.
63. **Bye-laws for open drain, etc.**--- The provisions of bye-laws 58 to 62 shall apply to all open drains or other similar works communicating with the Council's sewer system.

TRAPS

64. **Inlets to be trapped.**--- (1) Every inlet to a pipe drain except as provided by bye-law 50 shall be properly trapped by an efficient trap so constructed as to be capable of maintaining a sufficient water seal of at least 50 mm.
- (2) In no such drain shall be constructed or fixed any trap which becomes unsealed on the removal of the cover.
65. **Traps and gullies.**--- (1) All gullies, traps, gratings, covers or other appliances shall be of a pattern, size and quality approved by the Chairperson. Every stoneware gully trap shall be placed as high as possible on a bed of cement concrete mix (1 cement: 2 coarse sand : 4 graded stone

aggregate 20 mm. nominal size) at least 100 mm. thick, and completely embedded in concrete.

(2) All gully traps shall be covered with a suitable iron grating, which shall, when so directed by the Chairperson, be provided with a hinged cover of approved design.

66. Disconnecting traps.— (1) Unless otherwise ordered by the Chairperson any drain of a building which may immediately communicate with any sewer, shall be provided a suitable and efficient disconnecting trap at a point below the lowest inlet to such drain as distant as may be practicable from such building, and as near as may be practicable to the point at which such drain may be connected with the sewer.

(2) Every such trap shall be provided with proper means of access for the purpose of cleansing.

67. Floor traps.— A floor trap approved by the Chairperson shall be provided for the waste water from shower baths and waste water from floor on Indian type kitchen (i.e. where no sink is used). The floor trap shall be covered by a suitable grating. In the case of the ground floor such waste water shall discharge into a stoneware gully trap by means of a 75 mm. C.I. pipe and every down take or waste water pipe shall be disconnected from the gully trap by means of a disconnection channel discharging into gully trap.

68. Ventilation for floor traps.— If the floor trap on upper floor is directly connected to a waste water pipe, the waste pipe shall be continued upwards, without any diminution of its diameter and (except where unavoidable) without any bend or angle, to such a height and in such a position as to afford, by means of the open end of such waste pipe, a safe outlet for foul air, the position of and covering to the open end being such as to comply with the conditions set out in the bye-laws relating to ventilation.

69. Floor surrounding the floor trap.— Where any floor trap is provided the floor surrounding the floor trap shall be formed of hard, smooth and impervious material, having a fall towards the floor traps.

70. No sink waste shall discharge into a floor trap.— Sinks shall be separately trapped as near to the fittings as possible and shall discharge externally and be connected to the down take waste pipes or gully traps.

STORM WATER DRAINAGE

71. **Provision of separate storm water drainage.**--- Except in such areas in which the combined system of drainage prevails all rain water shall be diverted into the storm water drains and away from any opening connecting with any municipal sewer and further such kerb or other appliances as may be necessary shall be provided and maintained to restrict all rain water to storm water drains. The latter shall discharge at a point approved by the Chairperson.
72. **Design of storm water drains.**--- Where storm water drains are necessary for the discharge of rain water to a municipal storm water drain, such drains, shall be designed for dealing with such intensity of rainfall as may be prescribed by the Chairperson. Each separate plot shall have a separate drain connection made to a covered or open municipal drain. Such connection to a covered drain shall be made through a pipe equipped with a grating at the commencement and laid at a gradient not less than that of the connecting drain. There shall be no siphons in the storm water drains serving the plot.

SUB-SOIL WATER DRAINAGE

73. **Sub-soil water drains.**--- The sub-soil of the site of every new building shall be effectually drained by means of suitable earthenware field pipes, properly laid to a suitable outfall, whenever the dampness of the site renders such a precaution necessary.
74. **Provision of traps in sub-soil drains.**--- No field pipe shall be laid in such a manner or in such a position as to communicate directly with any sewer or with any drain constructed or adapted to be used for conveying sewage except where absolutely unavoidable, and in that case, a suitable and efficient trap shall be provided between such sub-soil drain and such sewer.
75. **Ventilating openings to traps in sub-soil drains.**--- (1) A ventilating opening to the trap shall be provided at a point in the line of the sub-soil drain as near as may be practicable to the trap, and communicating directly with the open air.

- (2) The ventilating opening shall be provided with a suitable grating as described in bye-law 52.

76. **Sub-soil drain between trap and sewer.**--- The sub-soil drain between the trap and the sewer shall be constructed in the manner described by the bye-law in that behalf of the sewer.

WATER CLOSETS

77. **Provision of privies and water closets.**--- No person shall build a privy or water closet in such a position or manner as:

- (a) to be directly over or directly under any room or part of building other than under the privy water closet or passage or a bathing place, bath-room or terrace. Provided that the Chairperson may dispense with the requirements if he is satisfied that the flooring beneath such privy or water closet is sufficiently impervious by reason of its material composition or thickness;
- (b) to be within a distance of 6.0 metre from any well or from any spring, tank or stream: the water whereof is or is likely to be, used (whether in natural or manufactured state) for human consumption or domestic purposes or otherwise render the water of any well, spring, tank or stream liable to pollution.

78. **Location of receptacle for filth basin, urinals, water borne latrines, and water closets and slop sinks.**--- Every receptacle adopted to be used for receiving any solid or liquid filth shall be located within a water closet or water borne latrine.

79. **Entrance to water closet.**--- (1) No water closet shall be constructed so that it is approached directly from any room used for the manufacture, preparation or storage of food for human consumption or used as a factory workshop or work place.

- (2) Every water closet or water borne latrine which cannot be flushed by the individual user shall be constructed in such manner that it can be entered only from the open air.

80. Mode of constructing water closet and water borne latrine.-- (1) Every water closet shall have a minimum floor area of 1.20 square metre and a minimum width of 1.05 metre. The compartments of every water borne multiple or public latrine including compartments intended for through latrines shall measure at least 90 cm. x 105 cm.

(2) If any side of a water closet or water borne latrine abuts on a room used for the manufacture, preparation, or storage of food for human consumption, or used as a factory, workshop or work place, the water closet or latrine shall be divided by a solid wall or partition of brick or masonry, extending the entire height from the floor to the ceiling.

(3) Every Indian type water closet or water-borne latrine shall be provided with a floor of hard, smooth, impervious material, having fall of 12 mm. to the foot towards the pan for purposes of washing down. All water closets or latrines shall be provided with proper doors and fastenings.

(4) The floor of all water closets or water latrines on the ground floor shall be raised at least 150 mm. above the ground outside.

81. Windows in water closets.--- (1) In one of the walls of every water closet which abuts on a street or a yard or open space a window shall be constructed of not less than 1.00 square metre and shall open directly into the external air.

(2) Opening on to external air does not include opening on to a verandah unless the verandah is unenclosed and not used for habitation.

82. Ventilation of water closets.---

Every water closet shall be provided with adequate means of constant ventilation by an opening built in an external wall of such water closet, or by an air shaft or by some other effectual method or appliance. Such means of constant ventilation shall be of an area of not less than 0.50 square meter.

83. Flushing cistern in water closets.---

(1) Every water closet shall be furnished with a closed cistern of adequate capacity, not less than 12.5 litres and, unless sanction by the Chairperson, not more than 15 litres for the purpose of flushing, which shall be separate and distinct from any cistern used for drinking purposes, and shall be so constructed, fitted and placed as to admit of the supply of water for use in such water closet, so that there shall not be any direct connection between any service pipe upon the premises and any part of the apparatus of such water closet other than such flushing cistern.

- (2) Except in the case of a "Low Level" flushing cistern a head of at least 1.50 metre measured from the bottom of the cistern to the point of discharge of the flush pipe shall be provided.
- (3) Every such cistern shall be provided with a suitable ball cock and stop cock fixed in the supply pipe, and, unless the Chairperson shall otherwise direct, with an over flow pipe, discharging into the open air in some conspicuous position, but not over the inlet into any drain or storm water channel.

84. Flushing cistern to be mosquito proof.---

All flushing cisterns shall be of a mosquito-proof pattern.

85. Tank for water closets.---

- (1) Every water closet or latrine shall be provided with a closed reserve tank of:
 - (a) 300 litres capacity per seat for the first five seat;
 - (b) 200 litres per seat for all seats between 6 and 20 ; and
 - (c) 150 litres per seat for all seats over 20
- (2) Every such tank must be made of galvanized iron of not less thickness than 14 Birmingham Wire Gauge, or other material approved by the Chairperson.
- (3) No connections other than for flushing water closets or latrines are to be taken from such reserve tanks.

86. Flush Pipe.---

The pipe connecting the flushing cistern with the pan, basin, trough or other receptacle with which the water closet or latrine may be provided, shall be of lead and so constructed and fixed that such pipe and the union shall not in any part have an internal diameter of less than 32mm and shall be fixed as vertically as possible. The flush pipes shall be connected to flushing cisterns by means of brass unions and plumbers wiped joints and to water closet pans with red lead boiled oil and cement, provided that the Chairperson may permit galvanized iron pipes instead of lead pipes where he thinks proper.

87. Apparatus of water closet.---

The water closet shall be furnished with a suitable apparatus for the effectual application of water to any pan, basin, trough or other receptacle with which such apparatus may be connected and used, and for the effectual flushing and cleansing of such pan, basin, trough or other receptacle, and for the prompt and effectual removal therefrom and from the trap connected therewith of any solid or liquid filth which may from time to time be deposited therein.

88. Water closet, pan, trough or other receptacle.---

The water closet shall be furnished with a pan, basin, trough or other receptacle of smooth vitreous glazed non-absorbent material and of such shape, of such capacity and of such mode of construction as to receive and contain a sufficient quantity of water and to allow all filth, which may from time to time be deposited in such, pan, basin, trough or other receptacle to be flushed out clean without allowing any lodgement of filth in any part thereof.

89. Syphon Trap.---

Immediately beneath or in connection with such pan, basin, trough or other suitable receptacle, shall be constructed an efficient siphon trap,, so that it shall at all times, maintain a sufficient water seal between such pan, basin or other suitable receptacle and any drain or soil pipe in connection therewith. A D-trap or any trap of such a kind as to be not self-cleansing shall not be constructed or fixed in or in connection with the water closet apparatus.

90. Connection between soil pipe and water closet.---

- (1) The bend between the branch of the cast iron soil pipe and water closet pan shall be either of lead or cast iron. In the case of the former the bends and pipes shall be 100mm in diameter and shall weigh not less than 10.90 Kg. per metre. The thickness of the metal should be approximately 3mm and shall be equal to 3.17 Kg. sheet lead. The connection of the lead bend shall be effectively made by a brass ferrule soldered with a wiped joint to the lead pipe and the joint between the porcelain trap and brass ferrule made in cement boiled oil and spun yarn. Cast iron bends shall be in accordance with the British Standard Specification No. 78-1938
- (2) The connection between the soil pipe and the water closet trap shall be by means of a pipe fitted with a screw cap external to the wall for cleansing purpose.

91. Casing not to be fixed.---

No casing of wood or other material shall be fixed round any receptacle, cistern or other apparatus of any water closet.

92. Walls of latrines and water closet.---

The walls of every Indian type water closet or latrine upto a height of not less than 0.90 metre above the platform shall be constructed of well burnt-bricks, plastered with cement mortar 1 : 3 (1 cement : 3 sand) or of other hard smooth impervious material and all corners rounded.

93. Bucket flush latrines, (2nd class sewer connections).---

- (1) Bucket flush latrines are in every way similar to water flush closets except that no flushing apparatus or water storage tank is necessary, every user flushing the pan with a bucket of water after use.
- (2) The Chairperson may sanction the use of bucket flush water closets in any area, provided that such water closets shall be sanctioned only for houses which are not already provided with a filtered water connections.
- (3) All bucket flush water closets must comply with these by-laws in every respect with the exception of by-laws 83, 84, 85 and 86 (flushing cisterns and storage tanks for flushing water.)

94. Trough Latrines.---

Every trough latrine shall be constructed that the trough is wider at the bottom than at the top and the latrine shall be so arranged that it cannot be entered, otherwise than from the open air and shall be fitted with an automatic flushing cistern of sufficient capacity to flush out and thoroughly cleans through each discharge.

95. Pail chutes night soil dumping depots.---

- (1) Every pail chute for the discharge into a sewer of night soil collected from commodes or service privies shall be constructed in accordance with the type-design approved by the Chairperson. Where such chute is combined with a public water flush latrine, access is to be provided through a separate entrance which is to be suitably screened from the public view by a masonry wall not less than 1.80 metre in height.
- (2) Every pail chute is to be provided with a storage tank for flushing water, the capacity of the tank to be not less than 250 litres per 15 litres bucket of night soil to be discharged into the sewer.

PRIVIES ON THE INTERMEDIATE WATER CARRIAGE SYSTEM**96. Definition.---**

"Privy on the intermediate system" means a latrine, the excrementitious matter from which is collected in a suitable receptacle on the ground floor and flushed with water at regular fixed intervals by means of an automatically discharge tank fixed at a height of not less than 1.80 metre above the receptacle and kept continually supplied with water by means of a separate supply tank.

97. Pan or receptacle.---

Each seat of a privy on the intermediate water carriage system shall be provided with a porcelain or earthen water pan with a sharp slope, or with a midmost flat glass plate with a sharp slope embedded on either side with cement or porcelain tiles.

98. Inspection holes.---

In the case of any such privy having a range of seats, arrangement shall be made to leave inspection holes at every junction of the underground drain with the vertical range of pipes or at least 3.00 metre distance whichever is less, for the purposes of cleaning. These holes shall be covered with C.I. frames with a hinged lid. The opening over gully traps shall also have covers of the same kind.

99. Flushing Tank.---

The capacity of the flushing tank shall be determined by the length of the drain behind such privy and the number of storeys at premises in which the privies are situated. The distance from the centre of one privy and the centre of the next shall not be less than 0.90 metre. and for every 30 cm. run of the drain 5 litre flush shall be provided and for every storey 5 litre more, irrespective of the number of privies for each storey. For example – if the length of the drain is 3.60 metre and there are three upper storeys, the capacity of the tank will be 75 litres. If the length of the drain is 6.00 metre., and there is only one upper storey with 6 privy seats; the capacity will be 105 litres. All flushing tanks should be regulated to flush twice in one hour. The storage tank should contain 20 times the capacity of all flushing tanks.

100. Pipe Drain.---

The length of the drain for 150mm stoneware pipeline shall not exceed 6.00 metre but if it exceeds this length should be graded from either end of the privy so as to meet near the centre and flushing of the capacity mentioned in bye-law 99 should be provided at either end.

URINALS**101. Syphon Trap.---**

- (1) In a urinal constructed or adapted to be used for receiving any urine or liquid filth for conveyance to any sewer, an efficient siphon trap shall be constructed or fixed immediately beneath such urinal so as to be capable for maintaining a sufficient water seal between the urinal and any drain or waste pipe in connection therewith.
- (2) No trap of the kind known as a bell trap, a dip tap, or D-trap nor any non-self cleansing trap shall be constructed or fixed in or in connection with the urinal.

102. Ventilation and waste pipe.---

All the requirements of these by-laws which are applicable to the ventilation of a water closet and the construction of a soil pipe shall be complied with as regards the ventilation of the urinal and construction of the waste pipe of the urinal.

103. Materials, form of construction and flushing of a urinal, basin, stall or trough.--- Such urinal shall be provided with:

- (a) A basin, stall or trough constructed of glazed stone-ware, glazed earthen-ware, enameled fireclay or other equally suitable material of such shape as will facilitate maintenance in a state of cleanliness.
- (b) A suitable flushing cistern so constructed, fitted, placed and supplied that:
 - (i) It shall be separate and distinct from any cistern used for drinking water.
 - (ii) The discharging or flushing capacity shall not be less than five litres of water for each connected basin or each width or length not exceeding 0.68 metre of stall or trough respectively.
 - (iii) It shall be capable of being filled or charged with water within a period not exceeding twenty five minutes or such less period as will permit, while the urinal is in use or available for use, a flushing operation of sufficient frequency to ensure the maintenance of such, basin, stall or trough in a state of cleanliness.
 - (iv) It shall be fitted with a suitable automatic discharging apparatus connected to the urinal basin, stall or trough by an adequate flush pipe or pipes of lead, copper or other equally suitable material having a minimum internal diameter of 12mm and fitted with a suitable spreader of spurge pipe so as effectively to distribute the water over the internal surface of every basin, stall or trough.

Provided always that there shall not be any direct connection between any water service pipe upon the premises and any part of a urinal basin, stall or trough.

104. Floor area and finishing.---

When a room is used only as a urinal it shall have a minimum floor area of 1.11 square metre and a minimum width of 1.05 metre. The floor and walls of any room in which a urinal is fixed shall be constructed of an impervious and non-absorbent material to a height of 0.90 metre.

105. Position of Urinal.---

- (a) No urinal shall be constructed so that it is approached directly from any room used for the purpose for human habitation or used for the manufacture, preparation or storage of food for human consumption or used as a factory, workshop or work place except through a properly ventilated passage of 0.60 metre width.
- (b) The floor of all urinals on the ground floor shall be raised at least 0.15 metre above ground outside.

DRY SYSTEM SERVICE LATRINES AND URINALS**106. Floor area.---**

Every service latrine shall have a minimum floor area of 2.00 square meter with a minimum width of 1.05 metre.

107. Ventilation of service latrines and service urinals.---

- (i) In one of the walls of every such latrine and urinal which abuts on a street or a yard or open space, a window of such dimension shall be so constructed that an area of not less than 0.40 square metre shall open directly into the external air.
- (ii) Some means of constant ventilation shall be provided in the external wall. Such constant ventilation may be in the form of a roof vent or a jali ventilator of an area of not less than 0.14 Square metre to be placed at a level not more than 0.30 metre below the ceiling. The permanent opening can be combined with the window in which case it can be included in the 0.40 Square metre area.

108. Distance of service latrines from public roads and water supplies.---

No service latrine or service urinal shall be built within 1.50 metre of any public road, nor within 3.00 metre of any source of water supply, other than a well in which case the distance shall be not less than 25.00 metre.

109. Receptacle and flap door for service latrines.---

Every service latrine shall be so constructed that all excreta falls directly into a removable receptacle of metal, glazed pottery or other non-absorbent material which shall fit closely below the seat and such receptacle shall be removable through a flat door in the outer wall of the latrine, which flap door when closed shall obscure the receptacle from view.

110. Platform in service latrines.---

The platform of every service latrine upon which the receptacle rest shall be of masonry plastered with cement mortar 1: 3 (1 cement : 3 sand) with a slope of 125 mm to the metre towards the back of the latrine.

111. Material of walls and seat of service latrines and urinals.---

- (1) In every service urinal, the walls to a height 0.90 metre above the floor and in every service latrine both the seat and the wall to a height of 0.90 metre above the floor, shall be of metal or masonry, provided that in the case of a latrine of European type, the seat may be of wood.
- (2) The walls of every service latrine or of service urinal, if of masonry, shall be plastered with cement mortar 1:3 (1 cement : 3 sand) or covered with an impervious material to a height of at least 0.90 metre above the floor level.

112. Floor of service latrine and service urinals.---

The floor and seat of every service latrine or service urinal shall be of stoneware or of masonry concrete plastered with cement mortar 1:3 (1 cement : 3 sand) or of impervious tiles jointed with cement, and shall be in every part at a height of at least 0.15 metre above the level of the surface of the ground adjoining the service latrine or service urinal and shall slope to the drain in such a way that liquids will flow off quickly.

113. Seats of service latrines and of service urinals.---

Every service latrine or service urinal shall be so constructed that when the outer door thereof is open, the seats shall not be visible from a road or other public place.

114. Drains in service latrines and service urinals.---

- (1) Every service latrine and service urinal shall be provided with a drain which shall be constructed of glazed pipes or other impervious material and shall connect the floor of the latrine or urinal with a municipal sewer, or if in the opinion of the Chairperson this is not practicable, with a properly designed soakage pit.
- (2) The distance of any soakage pit should not be less than 7.60 metre from any source of water supply other than a well in which case the distance shall be not less than 24.00 metre.

115. Service latrines and service urinals access for cleaning.---

For the purpose of cleansing, access shall be provided to all service latrines and service urinals from a public road and such access shall in no case be less than 0.75 metre wide and in no case shall access be through a building.

ASHPITS**116. Floor of ashpits.---**

The floor of every ashpit, or receptacle for refuse shall be flagged or paved with hard tiles or other non-absorbent material, and the floor shall be, so constructed that it shall be in every part thereof not less than 0.23 metre above the level of the surface of the ground adjoining the ashpit or receptacle for refuse, and so that the ashpit or receptacle for refuse shall have a fall towards the washout drain of not less than 125mm to the metre.

117. Drainage of ashpits

No ashpits or receptacle for refuse shall be connected directly with the drains.

CESSPOOL

(Drainage of premises not within 30 metre of a municipal drain or some place legally set apart for the discharge of drainage).

118. Open drains to be provided for buildings not within 30 metre of municipal drain.---

- (1) As far as practicable buildings of this description, shall be drained by open drains in accordance with the rules laid down for such drains.
- (2) The house-drain if open, shall discharge by means of a 150mm stoneware gully trap into the cesspool.
- (3) All cesspool shall be closely covered and fitted with a cast iron airtight frame and cover.

119. Discharge of Sullage from washing places.---

If possible, the sullage from all washing places shall be discharged among vegetation or used for gardening purposes but if this is impossible then the sullage shall discharge into a cesspool having a capacity of at least 1.42 cubic metre.

120. Capacity of cesspool how calculated.---

The capacity of a cesspool shall be calculated from below the bottom of the inlet drain.

121. Ventilation of cesspools.---

- (1) Every cesspool shall be ventilated by a cast-iron or galvanized iron pipe not less than 75 mm. in diameter equivalent sectional area.
- (2) The vent pipe shall be protected at the top by a wire dome and shall be:
 - (a) carried at least 4.60 metre higher than any sky-light or window situated within a distance of 12.20 metre therefrom.
 - (b) carried at least 1.50 metre higher than the eave of the roof, if affixed to a wall supporting the eave; and
 - (c) erected or affixed so as to cause the least practicable nuisance or inconvenience to the inhabitants of the neighbourhood.

122. Cesspool for latrines to be separated

There should be a cesspool for the latrines separate from that for the washing places and it shall have a capacity of at least 0.085 cubic metre per seat or slot, with a minimum of 0.71 cubic metre.

123. Location of cesspool

Every cesspool must be placed in a position convenient for the access of municipal carts.

124. Construction of cesspools

Every cesspool shall be constructed of brick work in cement laid on cement concrete and internally plastered with a 25mm coat of mix of cement and sand (1 to 1). The walls shall be brought up to 0.15 metre above the surface of the ground, and the cover mentioned in bye-law 32 shall be placed upon them.

HORSE STABLES – PUBLIC OR PRIVATE**125. Floors of horse stables**

The floor of every horse stable shall be paved over the whole area with suitably dressed stone or other suitable material laid on a 150mm bed of good lime or cement concrete. The paving shall be slopped at an inclination of at least 1 in 48 towards the channel hereinafter described.

126. Channels for horse stables

- (1) A half round channel 300mm wide of suitably dressed blue stone or other suitable material shall be constructed which shall meet the paving and shall be at right angles of the stable.
- (2) The channel shall have a longitudinal slope of at least in 25mm in 100 to one point or more as may be selected and at each of such points a 150mmx150mm stoneware gully trap fitted with a horizontal and vertical cast-iron gratings shall be fixed.

127. Gully traps for more stables

All the gully traps shall be connected by a 150mm stoneware pipe drain or drains with an inspection chamber built complete with a 150mm intercepting sewer trap constructed on a line of 150mm stone water pipe drain connected with the street sewer.

128. Bye-laws for pipe drains to be complied with

The construction of an inspection chamber, the laying of the pipe drain and connection with the street sewer shall be in accordance with the bye-laws laid down for pipe drains.

CATTLE STABLES**129. Floor for cattle stables**

The floor of every cattle stable shall be paved over the whole area with suitable dressed blue stone or other suitable material laid on a 150mm bed of good lime or cement concrete. The paving shall be slopped at an inclination of at least 1 in 48 towards the channel hereinafter described.

130. Channel for cattle stables

Behind every range of stall a half round channel 300mm wide shall be formed with a slope of at least 25mm to every trap hereinafter described.

131. Catchpit for cattle stable

The channel shall discharge into a catchpit through a glazed S.W. gully tap. The catchpit shall be 0.90m x 1.20m x 1.50m deep.

It shall be covered with a strong cast-iron cover fitted into a rebated frame. The catchpit shall be placed immediately at the point of discharge or lowest point of the channel and connected with the pipe drain within the premises by means of an inspection chamber built completed with a 150mm intercepting sewer trap.

132. Grating to be provided for catchpits

A horizontal and a vertical iron grating with bars not more than 12 mm. apart shall be fixed in the catchpit.

MISCELLANEOUS**133. Bye-laws for pipe drains to be complied with**

The laying of the pipe drain, the construction of the inspection chamber, and the connection with street sewer shall be subject to the bye-laws for pipe drains.

134. Prevention of grease entering into the municipal sewer lines.---

Grease enters into the sewer lines from the establishments as defined herein and sticks to internal periphery of the pipe line thereby reducing its effective size and the carrying capacity. Thus, it is mandatory to construct suitable devices to stop grease entering into municipal sewers. The establishments defined for discharging grease are eating houses, restaurants, dhabas, sweet shops, halwais petrol pumps, garage service stations, animal stable, dish washing places etc. Mainly following systems are adopted for this purpose:--

- (a) Grease chamber.— Establishments having less than 100 seating capacity or having annual average production of less than one tonne per day as per the standard guidelines of Delhi Pollution Control Committee are required to construct grease chamber of suitable sizes as per approved norms/drawing after kitchen/service station/garage discharge point but before connecting with municipal sewer line carrying toilet wastes or other type of waste within the premises.
- (b) Effluent treatment Plant.—Establishment having annual average production of one tonne per day or above and having seating capacity of 100 or more persons are required to construct effluent Treatment Plant of suitable size as per approved norms/drawings.

The Chairperson has powers to issue notice and/ or seal the establishments which either have not constructed suitable grease chamber/effluent treatment plant for prevention of grease entering into municipal sewer line or even fail to keep them periodically cleaned/maintained:

4051 B9/12-14

Provided that before sealing the establishment, the Chairperson shall give a reasonable opportunity of showing cause against the action proposed to be taken.

135. Application by owners and occupiers to drain into municipal drains.—

(1) Subject to the provisions of the New Delhi Municipal Council Act, 1994(44 of 1994) and these bye-laws, the owner or occupier of any premises having a private drain, or the owner of any private drain within New Delhi may apply to the Chairperson to have his drain made to communicate with the municipal drains and thereby to discharge foul water and surface water from those premises or that private drain:

Provided that nothing in this sub-by-law shall entitle any person--

- (a) to discharge directly or indirectly into any municipal drain--
 - (i) any trade effluent from any trade premises except in accordance with law made in this behalf; or
 - (ii) any liquid of other matter the discharge of which into municipal drains is prohibited by or under the New Delhi Municipal Council Act, 1994 or any other law; or
 - (b) Where separate municipal drains are provided for foul water and for surface water to discharge directly or indirectly--
 - (i) foul water into a drain provided for surface water; or
 - (ii) except with the permission of the Chairperson, surface water into a drain provided for foul water; or
 - (c) to have his drains made to communicate directly with a storm water overflow drain.
- (2) any person desirous of availing himself of the provisions of these bye-laws shall give to the Chairperson notice of his proposals, and at any time within one month after receipt thereof, the Chairperson may by notice to him refuse to permit the communication to be made, if it appears to him, that the mode of construction or condition of the drain is such that the making of the communication would be prejudicial to the drainage system, and for the purpose of examining the mode of construction and condition of the drain he may, if necessary, require it to be laid open for inspection.

- (3) The Chairperson may, if he thinks fit, construct such parts of the work necessary for having a private drain made to communicate with a municipal drain, as is in or under a public street and in such a case, the expenses incurred by the Chairperson shall be paid by the owner or occupier of the premises, or as the case may be, the owner of the private drain and shall be recoverable from the owner or occupier as an arrear of tax under the New Delhi Municipal Council Act, 1994 (44 of 1994).

136. Power of owner of premises to place pipes and drains through land belonging to other persons.--- The period of notice of showing cause, referred to in the proviso to section 186 of the New Delhi Municipal Council Act, 1994 to be given to the owner of the immovable property, as to why the order should not be made shall be 30 clear days from the date of receipt of the notice by the owner.

PENALTIES

137. Penalties

Whoever contravenes any provision of these bye-laws or fails to comply with any order or direction lawfully given to him or any requisition lawfully made upon him under any of the said bye-laws, shall be punishable in accordance with the provisions of section 390 of the New Delhi Municipal Council Act 1994 (44 of 1994).

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of the National Capital Territory of Delhi,

A. V. PREM NATH, Jt. Secy. (UD)

New Delhi Municipal Council
(Civil Engineering Department)
FORM 'A'
(To be submitted in duplicate)
Application for drainage of premises
(See Bye-law 5)

To,

The Chairperson
New Delhi Municipal Council
New Delhi.

Sir,

I/We the undersigned hereby apply for permission to drain the premises
known as.....Street.....House Tax assessment
No.....

The sanitary arrangement and drains of the said premises are shown in the
accompanying plans and sections in triplicate and are described in the appended
details (submitted in triplicate) and the premises are open to inspection by the
officers of the Council.

I/We undertake to carry out the work in accordance with the provisions of the
New Delhi Municipal Council Bye-laws and to pay to the Council the cost of the
connection to the municipal sewer at the rate given in the Council's schedule of
fees.

Signature of the application and full name

Address

Name of Plumber carrying out the work and his licence No.....

Date:

New Delhi Municipal Council
(Civil Engineering Department)

FORM 'B'

(To be submitted in triplicate)

Annexure to Form 'A'

Detailed description of Work and Specification of Material
(See Bye-law 9)

Note:- Only new or altered work to be described in the following particulars:

1. Separation of rain-water and foul-water.
2. Rain-water drains, curbs and points of discharge.
3. Rain-water gutters, pipes or spout where discharging.
4. Open-foul water drains, materials, sizes, curbs and other means, places, verandahs, latrines and fitting discharging into such drains.
5. Slit-catcher and grating, size and position.
6. Drains.
 - (a) Main sewage drains.
 - (b) Branch drains
 - (c) Materials.
 - (d) Method of jointing.
7. Bedding of pipes:
 - (a) Method of bedding.
 - (b) Thickness and width of beds of concrete.
 - (c) Thickness of concrete round pipes.
8. Protection of drain laid under wall.
9. Traps, description of Interceptor:
Lavatory waste pipes.
Bath waste pipes.
Sink.
Gully traps.
Water-closet traps.
Grease traps.
Slope sink.
Urinal.
Others.
10. Manholes and inspection chambers:
Thickness of walls.
Description of bricks.
Description of renderings.

- Description of invert channels.
Depth of chambers.
Size and description of cover and manholes.
11. Ventilation of drain-
- (a) Position
Height above nearest ground level
 - (b) Outlet shaft position of terminal at top.
12. Soil pipe, waste pipe and ventilating pipe connection:
- (a) Lead and iron pipes.
 - (b) Lead pipe of trap with cast iron pipe.
 - (c) Stone-ware pipe or trap with lead pipe.
 - (d) Lead soil pipe or trap with stone-ware pipe or trap.
 - (e) Cast iron pipe with stoneware drain.
 - (f) Stone-ware trap with cast iron soil pipe.
13. Ventilation of water closet traps in lavatory and other trap and supports.
14. Water closets (Apartment):
- (a) At or above ground level:
Approached from.
Floor material.
Floor fall towards door.
Size of window made to open.
Position of same.
Means of constant ventilation.
Position of same.
 - (b) Water closet apparatus:
Description of pan, basin, etc.
Flushing cistern.
Material of
Gushing pipe.
Internal diameter.
Union with basin.
15. (a) Number and description of sanitary fittings in room and rooms in which they are to be installed.
- (b) Capacity and position of water storage tanks.
 - (c) Size and number of draw off taps and whether taken off storage tanks or direct from main supply.
 - (d) Details of draw off taps, i.e., whether they are of plain screw down pattern or "waste not". Description of any other sanitary work to be carried out not included under above headings.

16. Depth of sewer below surface of street.

17. Level of invert of house drain at point of junction:-

- (a) With sewer.
- (b) Level or invert of sewer at point of junction with house drain.
- (c) Distance of nearest manhole on sewer from the point at which the drain leaves the premises.

Schedule of Pipes

	Materials	Diameter	Weight	Method of joining
Sub-soil drains				
Main sewage drains				
Branch sewage drains				
Soil pipes				
Ventilating pipes other than soil pipes				
Waste pipes				
Rain-water pipes				
Anti-syphon pipes.				

Date:

Signature

New Delhi Municipal Council
(Civil Engineering Department)

FORM 'C'

(To be submitted in duplicate)
Notice of covering up of drains, etc.
(See Bye-law 11)

To,

The Chairperson
New Delhi Municipal Council
New Delhi.

Sir,

I/We, the undersigned hereby give you notice of my/our intention to cover up the drainage works on date.....at.....time in the premises known as.....
and request inspection and approval of the same

The work was sanctioned by the Council vide sanction letter No.....dated.....

The sum of Rs.....being inspection fee has been paid vide C.R. No.....dated.....

• Dated this.....day of.....

Signature of person incharge of the drainage of premises

Address

Name of the owner of the house and address

No.

Dated

20

Certified that the above works have been inspected and approved.

Chairperson
New Delhi Municipal Council

Dated.....

1. This notice must reach the Council's Office (Civil Engineering Department) seven clear days before the work is intended to be covered up.
2. Insert the number or name of the house and street or road.

New Delhi Municipal Council
(Civil Engineering Department)

FORM 'D'

(To be submitted in duplicate)
Notice of completion of work
(See Bye-law 12)

To,

The Chairperson
New Delhi Municipal Council
New Delhi.

Sir,

I/We the undersigned hereby give you notice that the drainage works in the premises known as.....will be completed entirely and ready for your final inspection on the day.....at.....hours of.....20.....and request inspection and approval of the same. [This notice must reach Council office seven clear days before the specified date].

The work sanctioned by the Council vide sanction letter No.....dated.....

The sum Rs.....being inspection fee has been paid vide C.R. No.....dated.....

Dated thisday of.....

Signature of person incharge of the drainage of premises

Address

Name of the owner of the house and address

No.

Dated

20

Certified that the above works have been inspected and approved.

Chairperson
New Delhi Municipal Council

Dated.....

FORM - I
[Bye-Law 3 (1)]
NEW DELHI MUNICIPAL COUNCIL
APPLICATION FOR DOMESTIC/COMMERCIAL FILTERED WATER/SEWER CONNECTION
IN THE JURISDICTION OF NDMC AREA
[To be submitted (in duplication) to Executive Engineer (W/S), NDMC]

1. Full name of Applicant (in block letters)
2. Full address of premises where water connection is required
3. (a) Present address and telephone number on which applicant is available and correspondence is to be made.

(b) Whether the applicant is an owner/lessor/occupier.
 - (1) Name and address of owner of premises/property
 - (2) (i) Particulars of No. of existing filtered water connection in the premises

(ii) Existing source/arrangement of water for the applicant.
- (3) Brief description of premises.
4. Quantity of water required for the new connection.
5. Justification with particulars of units/flats/families/number of persons etc. for proposed new filtered water connection.
6. Site plans and sketches, in duplicate, clearly and indelibly made on a durable material and drawn to a scale of not less than 1 cm. to 1 m. showing the building or premises to which a water connection is required and proposed sizes and alignments of pipe lines to be put in. It will also shown position of stop valves, cisterns, flushing cisterns, sinks, taps, hot water boilers and all other fittings to which a supply of water is to be given or from which water is to be taken. It shall also indicate meter position on plumbing works, water lines marked on sketch about existing mainline and proposed connection, requirement of road cutting, length or connection line from main line to meter point.

7. No objection from owner/lessor (if applicant is not an owner of property) or copy of rent receipt/any other proof of tenancy like electric bill, ration card, etc.
8. Mode of distribution of water in the premises viz. stating position of overhead tank, under ground tank etc.
9. Arrangement of sewerage/water disposal.
10. Particulars for proposed new connection viz. size of connection, etc.
11. In case water connection is required for new building block:-
 - (i) Drawing showing arrangement of water and sewer line.
 - (ii) Reference of building sanctioned plan.
 - (iii) Approved 'C' form, occupation certificate of building.
12. Purpose of using the water (domestic or for office or shops/commercial or labour camp of construction).
13. In case of commercial establishment, shop etc. particulars of business and whether the same has valid licence/registration in the name of the above applicant.
14. Name of the licensed plumber by whom the work is to be executed (not applicable in case of Govt. Department/Organization like CPWD/PWD, etc.)
15. If the applicant is an owner, bonafide proof of ownership of the building i.e. NOC from L&DO, last paid bill from House Tax Department is to be attached.
16. Whether inspection fee has been deposited, if so, attach a copy of the receipt. If not, reasons thereof.

I will abide by the NDMC (Filtered Water Supply) Bye-laws, 2008 as amended from time to time.

1. The applicant must attach a Photostat copy of ration card or bonafide proof of occupancy of the building in which the connection is required.
2. If necessary separate sheet may be attached for furnishing the details of relevant above mentioned items.
3. The applicant, if he is an occupier/lessee, is required to submit an affidavit and Indemnity Bond to be executed on Rs.10/- Non Judicial Stamp Paper alongwith application for water connection as per enclosed proforma (Form II and III)..

List of Encl.:

1. NOC from owner/Rent receipt in case of occupier/lessee.
2. Copy of last paid electric/water bill.
3. Copy of last paid House Tax bill, in case of owner.
4. Copy of completion certificate/completion plan in case of owner.
5. Affidavit and Indemnity Bond in Form II and III.

Name and signature of the applicant

Date:

***Plumber signature**

Name and Address

Note:

- * The maximum fee chargeable by a licensed plumber for preparation of site Plan (sketch) referred to in item No.6 above and signing of this form will not exceed Rs.250/- or such other amount as the Chairperson may, from time to time, by order, specify.

(Rs.10/- Non-judicial Stamp Paper)
[to be attested by Notary Public]

Form II

[Bye-law 3 (3) and (4)]

AFFIDAVIT

I/We son of Sh.,
Resident of do hereby solemnly affirm and
declared as under:-

1. That I/We am/are owner/lessor/occupier of premises No.
..... for which New/Additional water connection has been required on
the basis of the documents submitted.
2. That no unauthorized construction has been made in the premises subsequent
to its original construction and there is no violation of Municipal Bye-laws and
I/We undertake to indemnify (as per Form III) NDMC for any damages on this
account at subsequent stage. Further, in default, NDMC as a licensee may
disconnect the water connection on this account.
3. That in case the said water connection is found to be used for purpose other
than for which it has been sanctioned, NDMC shall be at liberty to take
necessary action as per the provisions of NDMC Act, 1994.
4. The water connection shall not confer any legal right of regularization of my/our
premises including its land use. Further, NDMC shall be at liberty to disconnect
the water supply without notice.

5. I/We shall regularly pay the bills. In case of failure NDMC may recovery of dues including disconnection of water of my/ours other premises.
6. In case water is to be used after connection water supply for a licensable trade, I/We shall obtain NOC/Licence from the competent authority and also pay water/sewa charges, as applicable.

DEPONENT**VERIFICATION**

I/We son of do
 resident of do
 hereby confirm that the contents of above affidavit are true to the best of my
 knowledge and belief.

DEPONENT**WITNESSES**

1.

2.

FORM III

(Proforma of Indemnity Bond to be executed on Rs.10/- Non-Judicial Stamp Paper)
 Notorial stamp worth Rs.3/- to be affixed

INDEMNITY BOND

Whereas, I Son of
 is the lawful owner/lessor/occupier of
 New Delhi.

And whereas, the said premises is to be installed with a new water connection whose
 bills of consumption are to be issued in my name and are to be paid by me.

And whereas, I confirm that no addition/alteration has been made in the building
 subsequent to its original construction and the covered area is as it is and there is no
 violation of Municipal bye-laws and in default, the Council may disconnect the said
 connection without any notice or warning.

And whereas, I am desirous of having new/additional water connection in my name for
 which I am applying separately.

Now, therefore, I, the above named
Undertake to indemnify the New Delhi Municipal Council to reimburse and compensate
for any loss/damage or compensation claimed at any time by the owner of the building
or by any one else in relation to be sanction of this new water connection.

EXECUTANT
(Signature)

Name in block letters

Witness:

(Name and full address)

1.
.....
.....
2.
.....
.....

(To be got attested from Notary Public)